शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 11 | अंक : 106 | गुवाहाटी | गुरुवार, 14 नवंबर, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

कोचिंग संस्थानों के झूठे दावों पर लगाम के लिए दिशा-निर्देश लाई सरकार — पेज 2

सामागुड़ी में फिर चुनावी हिंसा — पेज 3

वोटिंग के बीच निर्दलीय प्रत्याशी नरेश मीना ने खोया आपा, एसडीएम को जड़ा थप्पड़ — पेज 5

फीफा वित्तीय प्रशासन कार्यशाला में भाग लेना शानदार अनुभव रहा : अनिल कुमार — पेज 7

झारखंड : पहले चरण का मतदान खत्म शाम 5 बजे तक 64.86 फीसदी वोटिंग

रांची। झारखंड में पहले चरण के तहत 43 विधानसभा सीटों पर आज वोटिंग खत्म हो चुकी है। छिटपुट घटनाओं को छोड़कर मतदान शांतिपूर्ण संपन्न हुआ। जानकारी के मुताबिक पूरे राज्य में शाम 5:00 बजे तक 64.86 प्रतिशत मतदान हुआ। लोहरदगा जिला 73.21 प्रतिशत मतदान के साथ शीर्ष पर रहा जबकि हजारीबाग जिले में सबसे कम 59.13 प्रतिशत मतदान हुआ। अन्य जिलों में मतदान प्रतिशत सरायकेला-खरसावां में 72.19, गुमला में 69.01, सिमडेगा में 68.66, खूंटी में 68.36, गढ़वा में 67.35, लातेहार में 67.16, पश्चिमी सिंहभूम में 66.87, रामगढ़ में 66.32, पूर्वी सिंहभूम 64.87, चतरा 63.26, पलामू में 62.62, कोडरमा में 62, रांची 60.49 और हजारीबाग में 59.13 रहा। इस चरण में चुनाव मैदान में खड़े प्रमुख -शेष पृष्ठ दो पर

वायनाड लोस सीट पर 61 फीसदी वोटिंग 16 प्रत्याशियों की किस्मत ईवीएम में बंद

तिरुवनंतपुरम। केरल की चर्चित वायनाड लोकसभा सीट 60 फीसदी से अधिक मतदान हुआ है। चुनाव आयोग के अनुसार, शाम 5 बजे तक वायनाड में 60.79 फीसदी वोटिंग हुई। यह सीट राहुल गांधी के इस्तीफे के बाद खाली हुई थी, और अब यहां पर हो रहे उपचुनाव में उनकी बहन प्रियंका गांधी वाड्रा कांग्रेस के टिकट पर चुनाव मैदान में अपनी किस्मत आजमा रही हैं। प्रियंका पहली बार कोई चुनाव लड़ रही हैं। वायनाड सीट से कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) की उम्मीदवार हैं। जबकि उनका मुकाबला मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीएम) की अगुवाई वाले वाम लोकतांत्रिक मोर्चा के प्रत्याशी सत्यन मोकेरी और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की अगुवाई वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की उम्मीदवार नव्या हरिदास से है। वायनाड -शेष पृष्ठ दो पर

असम उपचुनाव में 72.83 फीसदी हुआ मतदान

गुवाहाटी (हि.स.)। असम में बुधवार को पांच विधानसभा क्षेत्रों के उपचुनाव में शाम 5 बजे तक 72.83 प्रतिशत मतदान हुआ है। इनमें बंगाईगांव में 69.08 प्रतिशत, धोलाई 72,40 प्रतिशत, बिहाली 73.70 प्रतिशत, सिडली 71.50 प्रतिशत तथा सामगुरी में 78.70 प्रतिशत मतदान हुए हैं। 9,09,057 मतदाताओं के लिए 1078 मतदान केंद्रों की व्यवस्था की गयी थी। मेघालय के गम्बेगर निर्वाचन क्षेत्र में शाम 5 बजे तक 80.91 प्रतिशत वोट डाले गए। राज्य में मतदान पूरी तरह से शांतिपूर्ण हुआ। सामगुरी विधानसभा क्षेत्र में कई जगहों पर चुनावी हिंसा की खबरें आईं। खलीहारी में भाजपा उम्मीदवार दिप्लूरंजन शर्मा पर हमले का प्रयास किया गया। उन्होंने कांग्रेस कार्यकर्ता हारुन रशीद और मेराजुल हक पर हमला करने के आरोप लगाए। भाजपा उम्मीदवार दिप्लूरंजन शर्मा ने असम की राजनीति में हिंसा पैदा करने के लिए सांसद रकीबुल हुसैन की कड़ी आलोचना की। इधर, सामगुरी निर्वाचन क्षेत्र -शेष पृष्ठ दो पर

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात
कल का कार्य आज ही कर लें।
- आचार्य चाणक्य

मणिपुर में एनकाउंटर के बाद बिगड़े हालात

केंद्र ने संभाला मोर्चा भेजे दो हजार जवान

नई दिल्ली। मणिपुर में ताजा हमलों और कानून-व्यवस्था के मद्देनजर केंद्र ने करीब 2,000 कर्मियों वाली 20 अतिरिक्त सीएपीएफ कंपनियों को राज्य में भेजा है। गृह मंत्रालय ने मंगलवार रात को इन इकाइयों को हवाई मार्ग से लाने और तत्काल तैनाती के आदेश जारी किए। गौरतलब है कि सोमवार को सीआरपीएफ के साथ भीषण मुठभेड़ में 10 उग्रवादी मारे गए। यह मुठभेड़ तब हुई जब वर्दी पहने और अत्याधुनिक हथियारों से लैस उग्रवादियों ने जिरीबाम जिले के जाकुरधोर में बोरोबेक्रा पुलिस स्टेशन और उससे सटे सीआरपीएफ कैंप पर अंधाधुंध गोलीबारी कर दी थी। भीषण मुठभेड़ के बाद बल ने अत्याधुनिक हथियारों का एक बड़ा जखीरा भी जब्त किया था। सूत्रों के अनुसार, सीएपीएफ की जिन 20 कंपनियों को मणिपुर में तैनाती का आदेश दिया गया है, उनमें 15 सीआरपीएफ की और पांच बीएसएफ की हैं। राज्य में पिछले साल मई में जातीय हिंसा शुरू होने के बाद से सीएपीएफ की 198 कंपनियां पहले से ही तैनात हैं। इस हिंसा में अब तक 200 से अधिक लोग मारे जा चुके हैं। मणिपुर के जिरिबाम में नए सिरे से हिंसा भड़कने के बाद पिछले सप्ताह से तनाव की स्थिति बनी हुई है।

पीएम ने बिहार को दी 12,100 करोड़ की विकास परियोजनाओं की सौगात

नई दिल्ली (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को बिहार के दरभंगा में लगभग 12,100 करोड़ रुपए की लागत के विभिन्न विकास कार्यों का शिलान्यास और उद्घाटन किया। इनमें दरभंगा एम्स सहित स्वास्थ्य, सड़क, रेल एवं ऊर्जा क्षेत्र की 25 परियोजनाएं शामिल हैं। प्रधानमंत्री ने दरभंगा में आयोजित जनसभा में कहा कि हमारी सरकार हमेशा देश के लोगों के विकास के लिए खड़ी है। हमने एक ही कार्यक्रम में 12,100 करोड़ रुपए के विकास कार्यों का शिलान्यास और उद्घाटन किया है। उन्होंने कहा कि बिहार में खूब विकास हो रहा है। एनडीए सरकार लोगों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। पड़ोसी राज्य झारखंड में आज विधानसभा चुनाव के लिए पहले चरण के मतदान का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि झारखंड के लोग *विकसित झारखंड* के सपने को पूरा करने के लिए वोट डाल रहे हैं। उन्होंने झारखंड के सभी मतदाताओं से आग्रह किया कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में मतदान में हिस्सा लें। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में प्रतिष्ठित लोक गायिका स्वर्गीय शारदा सिन्हा को भी याद किया। उन्होंने कहा कि महापर्व छठ की महिमा को जिस तरह शारदा सिन्हा ने अपने गीतों से पूरी दुनिया में पहुंचाया वह अद्भुत है। प्रधानमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार, देश में स्वास्थ्य को लेकर -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

दिल्ली की वायु गुणवत्ता *गंभीर* श्रेणी में

नई दिल्ली (हि.स.)। इस सीजन में पहली बार दिल्ली की वायु गुणवत्ता *गंभीर* श्रेणी में पहुंच गई है। बुधवार की शाम को दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 467 तक पहुंच गया। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) ने बुधवार को कहा कि इस सीजन में पहली बार दिल्ली की वायु गुणवत्ता गंभीर श्रेणी में पहुंच गई। राष्ट्रीय राजधानी में जहां पूसा क्षेत्र में एक्यूआई -शेष पृष्ठ दो पर

अंतरिक्ष से आने वाली चुनौतियों से मुकाबला करने के लिए भारत तैयार : सीडीएस

नई दिल्ली (हि.स.)। अंतरिक्ष पर बढ़ते खतरों से निपटने के लिए एकीकृत रक्षा कार्मिक मुख्यालय की रक्षा अंतरिक्ष एजेंसी की ओर से पहले तीन दिवसीय *अंतरिक्ष अभ्यास-2024* का बुधवार को समापन हो गया। इस आयोजन ने भारत की अंतरिक्ष आधारित परिचालन क्षमताओं को मजबूत करने, अंतरिक्ष सुरक्षा के लिए तीनों सेनाओं के एकीकरण को बढ़ाने में एक महत्वपूर्ण कदम को चिह्नित -शेष पृष्ठ दो पर

ईसी ने ली दिग्गज नेताओं के हेलीकॉप्टर की तलाशी

मुंबई (हि.स.)। चुनाव आयोग की टीम ने बुधवार को उपमुख्यमंत्री अजीत पवार के बैग की तलाशी। बैग में चखली मिली, जिसे अजीत पवार ने चुनाव आयोग की टीम को खाने का ऑफर भी दिया। आज चुनाव आयोग की टीम ने केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष नाना पटोले के हेलीकॉप्टर की भी जांच की है। इसके साथ ही उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने अपने बैग को चेक -शेष पृष्ठ दो पर

स्वतंत्रता आंदोलन में भाजपा आरएसएस की कोई भूमिका नहीं

मुंबई। महाराष्ट्र में विधानसभा चुनावों के लिए होने वाली वोटिंग में अब कुछ ही दिन बाकी है। राजनीतिक दल पूरे दमखम से चुनाव प्रचार में जुटे हुए हैं। राज्य में महाविकास अघाड़ी और महायुति के नेता एक दूसरे पर जमकर निशाना साध रहे हैं। बुधवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने भारतीय जनता पार्टी और उसके वैचारिक मार्गदर्शक राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्वतंत्रता संग्राम और देश की एकता में कोई भूमिका नहीं -शेष पृष्ठ दो पर

मुसीबत : मछली की जगह फंसी सौ किलो का रॉकेट

नेल्लोर। आंध्र प्रदेश के नेल्लोर में मछली पकड़ने समंदर में उतरे मछुआरों को एक ऐसी चीज मिली है, जिसे देखकर वह हैरान रह गए। करीब 100 किलो से अधिक वजनी इस वस्तु को मछुआरों ने समंदर के किनारे लगाया और तुरंत पुलिस को सूचना दी। पुलिस भी रॉकेट जैसी इस चीज को देखकर हैरान रह गई। आनन फानन में मामले की जानकारी नेवी को दी गई। इस सूचना पर मौके पर पहुंचे नेवी के अधिकारियों ने बताया कि यह चीज तो रॉकेट ही है, लेकिन यह सेना का नहीं है। संभावना जताई जा रही है कि यह किसी निजी रक्षा या एयरोस्पेस फर्म से संबंधित हो सकता है। फिलहाल पुलिस ने इसे कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। इस रॉकेट की विधिवत जांच कराने के बाद पुलिस ने बताया कि इस रॉकेट में ना तो कोई नेविगेशन सिस्टम है और ना ही ट्रिगरिंग तंत्र, फ्यूज है। यही नहीं, इसमें ठोस या तरल किसी तरह का ईंधन भी नहीं है। बावजूद इसके, जांच कराई जा रही है कि यह रॉकेट यहां कैसे आया और इसे कौन लाया। पुलिस और कोस्टगार्ड इसे दुश्मन देश की साजिश से भी जोड़ कर देख रही है। उधर, मत्स्य विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि यह रॉकेट करीब 3 महीने पहले समंदर में -शेष पृष्ठ दो पर

অসম চৰকাৰ

বিশিষ্ট ঔপন্যাসিক, গল্পকাৰ,
জ্ঞানপীঠ বঁটা বিজয়ী মামণি ৰয়ছম গোস্বামী
(ড° ইন্দিৰা গোস্বামী)ৰ জন্মদিনত তেখেতলৈ
অসমবাসীৰ হৈ সশ্ৰদ্ধ প্ৰণাম জনাইছোঁ

১৪ নৱেম্বৰ ২০২৪

ড° হিমন্ত বিশ্ব শর্মা
মুখ্যমন্ত্রী, অসম

তথ্য আৰু জনসংযোগ সঞ্চালকালয়, অসমৰ দ্বাৰা প্ৰচাৰিত

Connect with us @diprassam dipr.assam.gov.in

-- Janasanyog /D/8640/24/14-Nov-24

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

कोचिंग संस्थानों के झूठे दावों पर लगाम के लिए दिशा-निर्देश लाई सरकार

नई दिल्ली (हि.स.)। छात्रों के अधिकारों की रक्षा और कोचिंग क्षेत्र में पारदर्शिता लाने के उद्देश्य से केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने भ्रामक विज्ञापनों के मुद्दे के समाधान के लिए व्यापक दिशा-निर्देश जारी किए हैं। इनके अनुसार कोचिंग सेंटरों का विज्ञापन करने वाले भी झूठे दावों के लिए जिम्मेदार होंगे। छात्रों की लिखित सहमति के बिना विज्ञापनों में उनके नाम, फोटो या प्रशंसापत्र का उपयोग करना अवैध होगा और सहमति भी छात्र की सफलता के बाद ही उससे लेनी होगी। सीसीपीए की मुख्य आयुक्त और उपभोक्ता मामले विभाग की सचिव निधि खरे ने आज कोचिंग क्षेत्र में भ्रामक विज्ञापन की रोकथाम के लिए दिशा-निर्देश, 2024 के बारे में जानकारी दी। उनके अनुसार दिशा-निर्देश झूठे अथवा भ्रामक दावों, सफलता दर और अनुचित अनुबंधों के बारे में बढ़ती चिंताओं के मद्देनजर तैयार किए गए हैं। दिशा-निर्देश कोचिंग संस्थानों को पाठ्यक्रम, उनकी अवधि, संकाय योग्यता, शुल्क और धन वापसी नीतियां, चयन दर, सफलता की कहानियां, परीक्षा रैंकिंग और नौकरी की सुरक्षा के वादे, सुनिश्चित प्रवेश, उच्च परीक्षा स्कोर, गारंटीकृत चयन या पदोन्नति से संबंधित झूठे दावे करने से स्पष्ट रूप से रोकते हैं। कोचिंग संस्थानों को अपने बुनियादी ढांचे, संसाधनों और सुविधाओं का भी सटीक ब्यौरा देना होगा। दिशा-निर्देश कोचिंग में लगे हर व्यक्ति पर लागू होंगे। कोचिंग संस्थानों का समर्थन करने वाले एंडोर्सर को अपने द्वारा प्रचारित किए जा रहे दावों को सत्यापित करना होगा। अगर वे झूठी सफलता दर या भ्रामक गारंटी का समर्थन करते हैं, तो उन्हें कोचिंग सेंटर के साथ-साथ जवाबदेह ठहराया जाएगा। कोचिंग सेंटरों को विज्ञापन में छात्र की तस्वीर के साथ नाम, रैंक और पाठ्यक्रम विवरण जैसी महत्वपूर्ण जानकारी का खुलासा करना होगा। यह भी बताना होगा कि क्या छात्र ने पाठ्यक्रम के लिए भुगतान किया था। महत्वपूर्ण जानकारी समान फ़ॉन्ट व आकार के साथ प्रमुखता से दर्शानी होगी। दिशा-निर्देश कहते हैं कि कोचिंग सेंटर तत्काल निर्णय के दबाव डालने के लिए सीमित सीटों या मांग जैसी तात्कालिकता या कमी की झूठी भावना पैदा नहीं करेंगे। प्रत्येक कोचिंग सेंटर को राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन के साथ भागीदारी करने की आवश्यकता होगी, जिससे छात्रों के लिए भ्रामक विज्ञापनों और अनुचित व्यापार प्रथाओं के बारे में चिंता या शिकायत दर्ज करना आसान हो जाएगा। कोचिंग संस्थानों को अब चयन के बाद की सहमति के बिना सफल उम्मीदवारों की तस्वीरों, नामों या प्रशंसापत्रों का उपयोग करने की अनुमति नहीं होगी। इस प्रावधान का उद्देश्य कोचिंग सेंटरों में दाखिला लेने के दौरान कई छात्रों के सामने आने वाले दबाव को खत्म करना है। इन दिशा-निर्देशों का कोई भी उल्लंघन उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 का उल्लंघन माना जाएगा। केंद्रीय प्राधिकरण के पास दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की शक्ति है, जिसमें दंड लगाना, जवाबदेही सुनिश्चित करना और इस तरह की भ्रामक प्रथाओं की आगे की घटनाओं को रोकना शामिल है।

भारतीय शिक्षण मंडल के शोधार्थी सम्मेलन का उद्घाटन करेंगे भागवत

नई दिल्ली (हि.स.)। भारतीय शिक्षण मंडल के युवा आयाम *विजन फॉर विकसित भारत (विविभा :2024) - अखिल भारतीय शोधार्थी सम्मेलन* का आयोजन 15 से 17 नवंबर तक एसजीटी विश्वविद्यालय, गुरुग्राम (हरियाणा) में किया जा रहा है। इसका उद्देश्य भारतीय सांस्कृतिक धरोहर को आधुनिक अनुसंधान पद्धतियों के साथ समन्वित करते हुए युवाओं में शोधवृत्ति विकसित करना है। सम्मलेन का उद्घाटन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत करेंगे। उद्घाटन सत्र में इसरो के अध्यक्ष डॉ एस सोमनाथ तथा नोबेल पुरस्कार विजेता डॉ. कैलाश सत्यार्थी भी उपस्थित रहेंगे। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र में आयोजित प्रेस कान्फ्रेंस के दौरान भारतीय शिक्षण मंडल के पदाधिकारियों ने इस सम्मलेन से जुड़ी जानकारी दी, जिनमें भारतीय शिक्षण मंडल के अध्यक्ष डॉ. सच्चिदानंद जोशी, मंडल के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख संजय पाठक, युवा आयाम के संयोजक डॉ अमित रावत तथा युवा आयाम में सह संयोजक जसपाल कौर प्रमुख थे। उन्होंने बताया कि इस तीन दिवसीय शोधार्थी सम्मेलन में युवा शोधार्थियों के मार्गदर्शन हेतु 6 प्लेनरी व 11 समानांतर सत्र आयोजित किए जा रहे हैं। इस सम्मेलन में युवा शोधार्थियों को विभिन्न विषयों के विषय-विशेषज्ञों के साथ ही देश के प्रख्यात वक्ताओं का भी मार्गदर्शन प्राप्त होगा। कुछ प्रमुख वक्ताओं में देश के शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, योगगुरु स्वामी रामदेव, एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी, गीता मनीषी ज्ञानानंद महाराज, पूज्य संजीव कृष्ण ठाकुर, आरएसएस के कार्यकारिणी सदस्य डॉ. मनमोहन वैद्य और इंद्रेश कुमार तथा यूजीसी सचिव प्रो. मनीष जोशी सहित अन्य सम्माननीय विभूतियां सम्मिलित हैं।

बाइक चालक पर जानलेवा हमला

जोरहाट (हिंस)। जोरहाट जिला के सलमरा इलाके में एक बाइक चालक पर धारदार हथियार से जानलेवा हमले किए जाने का मामला सामने आया है। पुलिस ने बुधवार को बताया कि बीती रात प्रसेनजीत बरुवा नामक व्यक्ति अपनी बाइक लेकर किसी काम से अपने गांव सोनारी से सलमरा की ओर जा रहा था। इसी दौरान रास्ते में एक काले रंग का कपड़ा पहने व्यक्ति ने उससे लिफ्ट मांग। प्रसेनजीत अपनी बाइक के पीछे उस व्यक्ति बैठकर जैसे ही कुछ दूर आगे बढ़ा तो पीछे बैठा आदमी उसके गले पर धारदार हथियार से जानलेवा हमला कर दिया। गंभीर अवस्था में प्रसेनजीत को जोरहाट मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां वह जिंदगी और मौत के बीच झूल रहा है। पुलिस ने आशंका व्यक्त किया है कि लिफ्ट लेने वाला व्यक्ति डकैती करने के इरादे से इस घटना को अंजाम दिया है। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर घटना में शामिल आरोपी की तलाश कर रही है।

पुलिस ने कब्र से शव निकालकर करवाया पोस्टमार्टम

भरतपुर (हिंस)। डीग जिले के पहाड़ी थाना इलाके के गांव नगला फिरोजपुर में एक महिला ने ससुराल वालों पर पति का मर्डर कर शव फंदे से लटकाने के आरोप लगाए। इसके बाद पुलिस ने चार दिन पहले दफ्न किए शव को निकलवाया और पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा। महिला इनसाना का आरोप है कि ससुराल वालों ने पति जनीस को पीट-पीटकर मार डाला। इसके बाद उसके शव को फिरोजपुर में जंगल में पेड़ से लटका दिया। उसने ससुराल वालों के खिलाफ नौ नवंबर को पहाड़ी थाने में मामला दर्ज कराया था। बुधवार को शव को कब्र से निकाला गया। रिपोर्ट में इनसाना ने बताया कि 21 फरवरी 2023 को मेरी और बड़ी बहन नौशाबा की शादी नगला फिरोजपुर में हुई थी। मेरी शादी जनीस और नौशाबा की शादी ऐजाज के साथ हुई थी। मेरे माता पिता ने शादी के बाद बड़ी बहन नौशाबा को पति के साथ ससुराल भेज दिया था। जबकि मैं ससुराल नहीं गई थी। 4 नवंबर को मेरा पति जनीस मुझे लेने आया। वह अपने माता-पिता की मर्जी के बिना मुझे लेने घर आ गया था। मेरे परिजन ने मुझे पति के साथ भेज दिया। जब मैं अपनी ससुराल पहुंची तो मेरे सास-ससुर नाराज हो गए। इनसाना ने बताया- मैं पति जनीस के साथ घर पहुंची तो सास-ससुर ने कहा कि बिना दहेज इसे घर क्यों ले आया। वापस इसे इसके माता-पिता के घर छोड़कर आ। इस बात को लेकर जनीस और उसके परिवार वालों के बीच विवाद हो गया। जनीस को उसके परिवार वालों ने बुरी तरह पीटा। जब हम दोनों बहनों ने जनीस को बचाने की कोशिश की तो हमारे साथ भी मारपीट की गई। इसके बाद हम दोनों बहनों को कमरे में बंद कर दिया। आठ नवंबर को मुझे पता लगा कि जनीस के परिजनों ने उसकी हत्या कर दी है। हत्या को आत्महत्या बताने के लिए उसके शव को जंगल में पेड़ से लटका दिया है। हम दोनों बहनें ग्रामीणों के साथ जंगल में गए और जनीस के शव को उतारा। जनीस की गर्दन टूटी हुई थी।

पंजाब विवि के छात्रों पर लाठीचार्ज

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब यूनिवर्सिटी में सीनेट चुनाव की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर पुलिस ने जमकर लाठीचार्ज किया। इस घटना के बाद चंडीगढ़ में माहौल तनावपूर्ण बन गया है। पंजाब विवि की तरफ जाने वाले सभी रास्तों पर नाकाबंदी की गई है। इस घटनाक्रम के बाद विद्यार्थियों ने गुरुवार से संघर्ष और तेज करने का ऐलान किया है। सीनेट चुनाव की मांग को लेकर बुधधार को विद्यार्थियों ने उप-कुलपति का आवास घेरने का कार्यक्रम बनाया था। विद्यार्थी एकत्र होकर वहां के लिए निकल पड़े थे। इस बीच विद्यार्थियों ने वीसी आवास की तरफ जाने की बजाए लॉ ऑडिटोरियम की तरफ हल्ला बोल दिया, जहां पंजाब विजन 2047 प्रोग्राम चल रहा था। इसमें पंजाब के कई मंत्री, बिजनेसमैन और कई प्रमुख लोग पहुंचे थे। पुलिस ने उन्हें रोकने की कोशिश की, लेकिन स्टूडेंट्स पीछे हटने के पक्ष में नहीं थे। इस मौके पुलिस और यूनिवर्सिटी की सिक्योरिटी उन्हें रोकने में लग गई।

पृष्ठ एक का शेष

झारखंड : पहले चरण ...

उम्मीदवारों में पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन शामिल हैं, जो सरायकेला में भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़ रहे हैं, उनका मुकाबला झामुमो के गणेश महली से है। पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा की पत्नी गीता कोड़ा जगन्नाथपुर में कांग्रेस के सोना राम सिंकू के खिलाफ चुनाव लड़ रही हैं। लोहरदगा में कांग्रेस नेता रामेश्वर ओरांव का मुकाबला आजसू के शांति भगत से है जबकि जमशेदपुर (पश्चिम) में जद (यू) के सरयू राय का मुकाबला कांग्रेस के बन्ना गुप्ता से है। दूसरे चरण का मतदान 20 नवंबर को होगा और मतगणना 23 नवंबर को होगी। वर्ष 2019 के चुनाव में झामुमो ने 30 सीट हासिल की थीं जबकि भाजपा ने 25 सीट पर जीत दर्ज की थी। झामुमो के नेतृत्व वाले गठबंधन ने 47 सीट के साथ बहुमत हासिल किया था। झामुमो के नेतृत्व वाले गठबंधन में कांग्रेस और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) शामिल हैं। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के नेतृत्व वाला गठबंधन अपनी विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के दम पर सत्ता बरकरार रखने की कोशिश कर रहा है, वहीं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने अपने आक्रामक हिंदुत्व एजेंडे, घुसपैठ और मौजूदा सरकार के कथित भ्रष्टाचार जैसे मुद्दों को चुनाव प्रचार के दौरान उठाया है।

वायनाड लोस सीट...

में प्रियंका समेत 16 उम्मीदवारों की किस्मत ईवीएम में कैद हो गई है और अब 23 नवंबर को वोटों की गिनती की जाएगी। प्रियंका गांधी ने वोटिंग के बाद सोशल मीडिया एक्स पर अपने पोस्ट में कहा कि वायनाड के लोगों को जिन्होंने मुझे अपना प्यार दिया और खुले दिल से मेरा स्वागत किया, अपनी पूरी ताकत से आगे आने और अपने लोकतांत्रिक अधिकार का प्रयोग करने के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद। आप सभी लोग मेरे लिए और भी अधिक मेहनत करने और हमारे राष्ट्र के आदर्शों के लिए लड़ते रहने की प्रेरणा हैं। वायनाड सीट के अलावा चेलक्करा विधानसभा सीट पर भी उपचुनाव कराया गया। इन दोनों ही सीटों पर सुबह तेजी से वोटिंग शुरू हुई। चेलक्करा सीट पर 69 फीसदी से अधिक वोट डाले गए। चुनाव आयोग के अनुसार, शुरुआती 8 घंटों में दोनों ही सीटों पर 50 फीसदी से अधिक वोटिंग हो गई थी। वायनाड में 3 बजे तक 50.63 फीसदी और चेलक्करा में 3 बजे तक 50.86 फीसदी वोटिंग हो गई थी। 5 बजे तक वायनाड में 61 फीसदी वोट पड़ गए। हालांकि वोटिंग प्रतिशत की संख्या बढ़ सकती है क्योंकि आयोग की ओर से फाइनल वोटिंग प्रतिशत घोषित नहीं की गई है। दक्षिण राज्य केरल की दोनों सीटों पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच शांतिपूर्ण ढंग से मतदान कराया गया। हालांकि कुछ पोलिंग बूथ से ईवीएम में खराबी की शिकायतें जरूर आईं, लेकिन वोटिंग में ज्यादा बाधा नहीं पड़ी। चुनाव आयोग की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार, सुबह 9.30 बजे तक वायनाड सीट पर 13.7 फीसदी वोट पड़े थे और 11.30 बजे तक वोटिंग 27.43 फीसदी और 12.30 बजे 34.38 फीसदी हो गया था। दोपहर बाद 3 बजे तक यहां पर 52 फीसदी के करीब वोट पड़ चुके थे। शाम 5 बजे तक वायनाड सीट पर 60.79 फीसदी वोटिंग हो चुकी थी। वायनाड लोकसभा सीट के तहत विधानसभा की 7 सीटें आती हैं, जिनमें वायनाड जिले की मनंतावाडी (रिजर्व), सुल्तान बथेरी (रिजर्व) और कलपेट्टा, कोझिकोड जिले की तिरुवमबाडी तथा मलप्पुरम जिले की निलांबुर, ईरानद और वंडूर सीटें शामिल हैं। अप्रैल-मई में हुए लोकसभा चुनावों में रायबरेली सीट से जीत हासिल करने के बाद राहुल गांधी ने वायनाड सीट छोड़ दी थी। इस वजह से खाली हुई इस सीट पर उपचुनाव कराया गया। वायनाड लोकसभा उपचुनाव में कुल 16 उम्मीदवार मैदान में अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। जबकि चेलक्करा सीट पर एलडीएफ नेता के राधाकृष्णन के अलाथुर से सांसद चुने जाने के बाद उपचुनाव कराना पड़ रहा है। यहां पर कुल 6 उम्मीदवार किस्मत आजमा रहे हैं।

असम उपचुनाव में ...

में सांसद रकीबुल हुसैन के काफिले पर भी हमला हुआ। हमले में एक पत्रकार का वाहन भी क्षतिग्रस्त हो गया। हमलावरों ने रकीबुल हुसैन के खिलाफ नारे भी लगाए। हालांकि, अन्य क्षेत्रों में मतदान शांतिपूर्ण रहा। उधर मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने राज्य की पांच विधानसभा क्षेत्र की जनता से बढ़-चढ़कर मतदान में हिस्सा लेने की अपील की है। आज सोशल मीडिया के जरिए मुख्यमंत्री ने कहा कि आज असम के हमारे पांच विधानसभा क्षेत्रों के लिए लोकतंत्र के उत्सव का दिन है। इस विशेष दिन पर, हम बिहाली, सामगुड़ी, धोलाई, बंगाईगांव और सिडली के सभी नागरिकों से अनुरोध करते हैं कि वे असम विधानसभा उप चुनाव में सक्रिय रूप से भाग लें। आपकी आवाज महत्वपूर्ण है और आपकी पसंद आने वाले दिनों में आपके अपने निर्वाचन क्षेत्र के विकास की दिशा निर्धारित करेगी। तो अपना वोट देकर लोकतंत्र के इस पर्व का हिस्सा बनें। उन्होंने कहा कि वे बिहाली, सामागुरी, धोलाई, बंगाईगांव और सिडली के सभी लोगों को आज बाहर आकर मतदान में सक्रिय रूप से भाग लेने का आह्वान करते हैं। उन्होंने कहा कि आपकी आवाज मायने रखती है और आपका चुनाव आने वाले दिनों में आपके निर्वाचन क्षेत्र के विकास का मार्ग तय करेगा।

पीएम ने बिहार को ...

होलिस्टिक अप्रोच के साथ काम कर रही है। पहला फोकस, बीमारी से बचाव पर है। दूसरा फोकस, बीमारी की सही तरीके से जांच पर है। तीसरा फोकस है लोगों को मुफ्त और सस्ता इलाज मिले, उन्हें सस्ती दवाएं मिलें। चौथा फोकस है छोटे शहरों में भी इलाज की बेहतरीन सुविधाएं पहुंचाना, देश में डॉक्टरों की कमी को दूर करना। पांचवां फोकस है स्वास्थ्य सेवाओं में टेक्नॉलजी का विस्तार करना। उन्होंने कहा कि दरभंगा एम्स के निर्माण से बिहार के स्वास्थ्य क्षेत्र में बहुत बड़ा परिवर्तन आएगा। इससे मिथिला, कोसी और तिरहुत क्षेत्र के अलावा पश्चिम बंगाल और आसपास के कई क्षेत्रों के लोगों को सुविधा होगी। नेपाल से आने वाले मरीज भी इस एम्स में इलाज करा सकेंगे। एम्स से यहां रोजगार और स्वरोजगार के अनेक अवसर बनेंगे। उन्होंने कहा कि *आयुष्मान भारत योजना* से देश में करीब चार करोड़ लोगों का इलाज हो चुका है। अगर आयुष्मान भारत योजना न होती तो इनमें से ज्यादातर लोग अस्पताल में भर्ती ही नहीं हो पाते। प्रधानमंत्री ने कहा कि आयुष्मान योजना से करोड़ों परिवारों को करीब सवा लाख करोड़ रुपए की बचत हुई है। देश में एम्स की संख्या नहीं बढ़ाने को लेकर कांग्रेस पर निशाना साधा और कहा कि आजादी के 60 सालों तक देश में एक ही एम्स था। ऐसे में किसी भी बीमारी से पीड़ित हर व्यक्ति को एम्स, दिल्ली जाना पड़ता था। हमारी सरकार ने देश के कई हिस्सों में नए एम्स अस्पताल स्थापित किए। आज देश में 24 एम्स अस्पताल हैं। हमारी सरकार ने तय किया कि कोई भी व्यक्ति अपनी मातृभाषा में चिकित्सा की शिक्षा प्राप्त कर सकता है और डॉक्टर बन सकता है। एक तरह से ये काम कर्पूरी ठाकुर को सबसे बड़ी श्रद्धांजलि है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि पिछले 10 साल में हमने मेडिकल की एक लाख नई सीटें जोड़ी हैं और अगले पांच वर्षों में देश में 75 हजार नई मेडिकल सीटें जोड़ेंगे। हमारी सरकार ने एक और बड़ा फैसला लिया है, जिसका बिहार के युवाओं को भी लाभ होगा। हम जल्द ही हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं में मेडिकल की शिक्षा का विकल्प प्रदान करेंगे। उन्होंने कहा कि मुजफ्फरनगर में स्थापित किए जा रहे कैंसर अस्पताल से मरीजों को लाभ होगा, क्योंकि उन्हें राज्य में ही बेहतर इलाज मिलेगा और उन्हें राज्य से बाहर नहीं जाना पड़ेगा। बिहार को एक बड़ा नेत्र अस्पताल भी मिलेगा। बिहार को देश की विरासत का एक बड़ा केंद्र बताते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि इस विरासत को बचाए रखना हमारी जिम्मेदारी है। इसी के तहत एनडीए सरकार *विकास भी और विरासत भी* के मंत्र के साथ काम कर रही है। आज नालंदा विश्वविद्यालय अपने पुराने गौरव को पाने की राह पर है।

ईसी ने ली दिग्गज...

किए जाने का वीडियो जारी किया है। जानकारी के अनुसार सोमवार और मंगलवार को पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के हेलीकॉप्टर की जांच चुनाव आयोग की टीम ने की थी। उस समय उद्धव ठाकरे ने कहा था कि चुनाव आयोग सिर्फ उनके ही हेलीकॉप्टर की जांच कर रहा है, जबकि सत्तापक्ष के लोगों के हेलीकॉप्टर की जांच नहीं की जा रही है। उद्धव ठाकरे ने चुनाव आयोग पर निष्पक्ष होकर सभी स्टार प्रचारकों के हेलीकॉप्टर की जांच करने की मांग की थी। इसके बाद राज्य के मुख्य चुनाव अधिकारी ने कहा था कि चुनाव आयोग निष्पक्ष होकर जांच कर रहा है। इसके बाद चुनाव आयोग की टीम ने सभी दलों के नेताओं के हेलीकॉप्टर की जांच शुरू कर दी है। चुनाव आयोग की टीम आज मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के हेलीकॉप्टर की जांच करने पहुंची तो सीएम शिंदे ने शिवसेना यूबीटी के अध्यक्ष उद्धव ठाकरे पर तंज कसते हुए कहा कि चेक करो, हमारे हेलीकॉप्टर में दवा की किट नहीं मिलेगी। इसी तरह कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले के हेलीकॉप्टर में कोई सामान अथवा बैग नहीं था, इसलिए चुनाव आयोग की जांच टीम बैरंग लौट गई। अजीत पवार के हेलीकॉप्टर में चकली मिली, जिसे खाने का न्योता अजीत पवार ने जांच करने वालों को दिया।

दिल्ली की वायु ...

430 दर्ज किया गया वहीं शाम करीब 7.00 बजे पूर्वी दिल्ली के अक्षरधाम और आनंद विहार इलाके में यह क्रमश: 466 और 467 दर्ज किया गया, जो गंभीर श्रेणी में आता है। शाम ढलने के साथ ही प्रदूषण का स्तर बढ़ना शुरू हो गया है। मौसम विभाग के अनुसार आने वाले दो दिनों तक सुबह और शाम को कोहरा छाने की संभावना है। शाम को मौसम विभाग ने बताया कि हरियाणा, उत्तर प्रदेश और हिमाचल प्रदेश में अगले दो दिनों तक सुबह में घना कोहरा छाने की संभावना है। इसमें दिल्ली भी शामिल है। उल्लेखनीय है कि पिछले बारह दिनों से दिल्ली में प्रदूषण का स्तर लगातार बढ़ता जा रहा है। एक्यूआई 300 के पार ही रहा है, जिसको देखते हुए वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग ने ग्रेप एक ओर दो की पाबंदियां लगा रखी हैं। अब एक्यूआई के 400 के पार जाने के बाद ग्रेप के तीसरे चरण की पाबंदियां भी जल्दी लगाई जा सकती हैं। आयोग ने दिल्ली और हरियाणा सरकार को पहले ही चेतावनी दे दी है कि अगर हवा के गुणवत्ता में सुधार नहीं होता तो आयोग सख्त कदम उठा सकता है।

अंतरिक्ष से आने वाली ...

किया। चर्चाओं के दौरान यह बात साफ हुई कि अंतरिक्ष के समक्ष आने वाली चुनौतियों से मुकाबला करने के लिए भारत बेहतर स्थिति में है। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान ने अपने उद्घाटन भाषण में कहा कि अंतरिक्ष को कभी अंतिम सीमा माना जाता था लेकिन अब यह भारत की रक्षा एवं सुरक्षा व्यवस्था का महत्वपूर्ण आधार बन गया है। अंतरिक्ष अन्वेषण की अपनी समृद्ध विरासत और बढ़ती सैन्य क्षमताओं के साथ अब भारत अंतरिक्ष के समक्ष आने वाली चुनौतियों से निपटने के लिए बेहतर स्थिति में है। तीन दिनों तक चला यह कार्यक्रम अंतरिक्ष युद्ध के क्षेत्र में भारतीय सशस्त्र बलों की रणनीतिक तत्परता को बढ़ाने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हुआ। अंतरिक्ष अभ्यास के दौरान हुई चर्चाओं में उभरती हुई अंतरिक्ष प्रौद्योगिकियों, अंतरिक्ष स्थिति जागरुकता और भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रमों पर फोकस किया गया। इन चर्चाओं में महत्वपूर्ण संपत्तियों की निगरानी और सुरक्षा तथा तेजी से बढ़ते अंतरिक्ष वातावरण में स्थिति जागरुकता बनाए रखने के महत्व पर प्रकाश डाला गया। तीन दिवसीय कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों ने सैन्य, वैज्ञानिक और शैक्षणिक क्षेत्र के अलावा भारत सरकार के विभिन्न मंत्रालयों और विभागों के विषय विशेषज्ञों ने सैन्य अंतरिक्ष क्षमताओं और प्रौद्योगिकियों के वर्तमान और भविष्य के परिदृश्य में बहुमूल्य अंतर्दृष्टि प्रदान की। रक्षा अंतरिक्ष संचालन में सामना की जाने वाली विशिष्ट चुनौतियों और अंतरिक्ष सुरक्षा, सुरक्षा और अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष कानूनों की उभरती प्रकृति को स्पष्ट किया। अंतरिक्ष अभ्यास ने तीनों सेनाओं और रक्षा अंतरिक्ष एजेंसी के बीच अंतर-संचालन क्षमता में सुधार, आपसी समझ को बढ़ावा देने और सामंजस्य बढ़ाने के अपने उद्देश्यों को सफलतापूर्वक पूरा किया। भविष्य के सहयोग के लिए मजबूत ढांचा और राष्ट्रीय सुरक्षा उद्देश्यों के अनुरूप भारत के अंतरिक्ष सिद्धांत और क्षमताओं को आगे बढ़ाने के लिए एक स्पष्ट रोडमैप तैयार किया गया।

स्वतंत्रता आंदोलन में ...

होने का आरोप लगाया। मल्लिकार्जुन खड़गे ने सत्तारूढ़ पार्टी पर तीखा हमला करते हुए नारों *बंटेंगे तो कटेंगे* और *एक हैं तो सुरक्षित हैं* की आलोचना की। खड़गे ने भाजपा नीत महायुति सरकार को चोरों की सरकार करार दिया और चुनाव में उसकी हार का आह्वान किया। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा जिन्होंने कांग्रेस नेताओं द्वारा संविधान की पुस्तक लहराने पर सवाल उठाया था। कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने कहा कि जाति जनगणना, जिसका वादा कांग्रेस ने अपने चुनावी घोषणापत्र में किया था, उसका उद्देश्य एकता को बढ़ावा देना और सभी वर्गों के लिए लाभों का समान वितरण करना है। उन्होंने कहा कि जाति जनगणना लोगों को बांटने के लिए नहीं है। खड़गे ने बंटेंगे तो कटेंगे और एक हैं तो सेफ हैं जैसे नारों पर निशाना साधते हुए कहा कि, कांग्रेस नेताओं ने देश और सभी समुदायों को एकजुट रखने के लिए अपनी जान कुर्बान कर दी। इसके विपरीत, भाजपा और संघ का स्वतंत्रता आंदोलन और देश की एकता में कोई योगदान नहीं था। खड़गे ने कहा कि महायुति चोरों की सरकार है। विधानसभा चुनाव देशद्रोहियों को सबक सिखाने का मौका है। खड़गे ने महाराष्ट्र में किसानों की आत्महत्या से लेकर धन के एकीकरण जैसे मुद्दों को उठाते हुए राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, महाराष्ट्र में प्रतिदिन सात किसान आत्महत्या करते हैं। भारत की 62 प्रतिशत संपत्ति पांच प्रतिशत आबादी की जमीनों में केंद्रित है। 50 प्रतिशत गरीबों के पास सिर्फ तीन प्रतिशत संपत्ति है। यह मोदी, (देवेंद्र) फडणवीस, (मुख्यमंत्री) एकनाथ शिंदे और (उपमुख्यमंत्री) अजित पवार की सरकार है। खड़गे ने कहा कि मोदी को अपने प्रदर्शन और कार्य विचारधारा के बारे में बोलना चाहिए तथा झूठ फैलाने से बचना चाहिए। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि मोदी ने आम लोगों के बैंक खातों में 15 लाख रुपए जमा करने (2014 के चुनावों से पहले विदेशी बैंकों में जमा काले धन को वापस लाने के बाद) और हर साल 2 करोड़ नौकरियां पैदा करने के बारे में झूठ बोला। उन्होंने शिक्षा का अधिकार अधिनियम, मनरेगा और भोजन का अधिकार अधिनियम को कांग्रेस सरकारों की उपलब्धियों के रूप में गिनाया। खड़गे ने कहा कि भाजपा ने केवल झूठे वादे किए, जबकि कांग्रेस सरकारों ने कारखाने लगाने के लिए काम किया था। रैली में संविधान की एक प्रति हाथ में लिए खड़गे ने कहा, केवल आंबेडकर का संविधान ही समाज के सभी वर्गों को सुरक्षा की गारंटी देता है। मोदी कहते हैं कि कांग्रेस संविधान की खाली प्रति दिखा रही है। क्या यह खाली है? खड़गे ने कहा कि मोदी कहते हैं कि संविधान संदर्भ पुस्तक का लाल रंग नक्सलवाद का प्रतीक है और विपक्ष को शहरी नक्सली कहते हैं। मोदी ने (संविधान की) वही प्रति तत्कालीन राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद को दी थी। क्या हमें उन्हें शहरी नक्सली कहना चाहिए?

मुसीबत : मछली की ...

गिरा होगा। फिलहाल इसे फिसिंग हर्बर थाना पुलिस को हैंडओवर किया गया है। मछुआरों ने बताया कि वह जब भी समंदर में जाल डालते हैं, उससे पहले गंगम्मा की पूजा करते हैं। उन्हें उम्मीद रहती है कि इस प्रयास में उन्हें अच्छी सफलता मिलेगी। इस बार भी वह गंगम्मा की पूजा के बाद समंदर में जाल डाले। लेकिन जब जाल खींचा गया तो उसका वजन सामान्य से ज्यादा लगा। ऐसे में मछुआरे खुश हो रहे थे कि इस बार गंगम्मा की बड़ी कृपा हुई है। वहीं जब जाल किनारे आया तो वह जाल में फंसी वस्तु को देखकर हैरान रह गए। इसके बाद कासिमेदु मछुआरा संघ ने मामले की जानकारी पुलिस को दी। मछुआरों की टीम का नेतृत्व कर रहे वेंकटरमन ने बताया कि उनकी टीम मछली पकड़ने के लिए नेल्लोर के पास निजामपट्टनम पहुंची थी। यहां जाल में उन्हें मछलियां तो मिली नहीं, ये रॉकेट मिल गया। इस रॉकेट को खींच कर बाहर लाने में उनके जाल पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गए हैं। अब इस जाल की मरम्मत कराने में 30 हजार रुपए से भी अधिक का खर्च आएगा।

छिटपुट हिंसा के बीच प.बंगाल हुआ मतदान

कोलकाता (हि.स.)। पश्चिम बंगाल की छह विधानसभा सीटों पर बुधवार को उपचुनाव छिटपुट हिंसा के बीच चुनाव संपन्न हो गया। राज्य निर्वाचन आयोग ने किसी भी तरह की अराजकता, बवाल और कानून व्यवस्था को तोड़ने वालों के खिलाफ कार्रवाई के लिए कड़ी सुरक्षा का प्रबंध किया था। बूथों और स्ट्रांग रूमों के बाहर केंद्रीय बलों की बड़ी संख्या में तैनाती की गई थी। इन छह विस सीटों पर मतगणना 23 नवंबर को होगी। उपचुनाव के दौरान कुछ सीटों पर हिंसा और विवाद की खबरें सामने आईं।

झारखंड विधानसभा चुनाव में हर बूथ पर रोटी-बेटी-माटी का संकल्प : नरेंद्र मोदी

देवघर (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि यहां पर झारखंड में पहले चरण का मतदान हो रहा है। रोटी, बेटी और माटी का संकल्प आज हर बूथ पर दिख रहा है। इस चुनाव में भाजपा-एनडीए सरकार की गारंटी मैं देख रहा हूं। उन्होंने कहा कि भाजपा ने नारी शक्ति और नौजवानों के भविष्य के लिए जो गारंटी दी है उनके प्रति भारी समर्थन दिख रहा है। संथाल भी इस बार नया इतिहास रचने के लिए तैयार है। विधानसभा चुनाव में इस बार जेएमएम-कांग्रेस का सूपड़ा साफ होना तय है। प्रधानमंत्री बुधवार को देवघर के सारठ विधानसभा क्षेत्र में चुनावी जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मैं बीते दिनों झारखंड में जहां भी गया हर जगह बाहरी घुसपैठ को लेकर सबसे बड़ी चिंता रही है। झारखंडी गौरव और झारखंडी पहचान आप सबकी ताकत रही है। गर्व से कहते हैं ना कि मैं झारखंडी हूं। कल्पना करिए कि यदि ये पहचान ही खत्म हो गई तो क्या होगा। आंकड़ें बताते हैं कि संथाल क्षेत्र में आदिवासियों की संख्या करीब-करीब आधी रह गयी है। यदि ऐसे ही आदिवासी घटते रहे तो क्या होगा। आपके जल, जंगल जमीन हर चीज पर दूसरों का कब्जा हो जाएगा। हमें इस स्थिति से आदिवासी परिवारों को बचाना है। झारखंड को भी बचाना है। आज झारखंड की पहचान बदलने की बहुत बड़ी साजिश चल रही है। मोदी ने कहा कि जेएमएम, कांग्रेस और राजद ने बाहर से आए घुसपैठियों को यहां का परमानेंट निवासी बनाने के लिए हर गलत काम किये हैं। इनके लिए रातों-रात पक्के कागज बनाए गए। आदिवासी बेटियों को शादी के नाम पर ठगा गया। इन घुसपैठियों ने आपका रोजगार छीन लिया और आपकी रोटी भी छीन ली।

इक्वाडोर की जेल में हिंसा 15 कैदियों की जान गई

क्विटो (हि.स.)। इक्वाडोर के तटीय शहर गुआयाकिल के लिटोरल पेनिटेंटरी (जेल) में भड़की हिंसा में कम से कम 15 कैदी मारे गए और 14 घायल हो गए। यह जेल इक्वाडोर की सबसे बड़ी और प्रतिद्वंद्वी गिरोहों के टकराव के लिए कुख्यात है। इक्वाडोर दक्षिण अमेरिकी महाद्वीप के शीर्ष पर पश्चिमी कोने में स्थित है। सीएनएन ने राष्ट्रीय जेल एजेंसी एसएनएआई के हवाले से खबर में कहा कि तटीय शहर गुआयाकिल में लिटोरल पेनिटेंटरी के एक बैरक में मंगलवार तड़के हिंसा भड़क उठी। इस दौरान जमकर मारकाट हुई। अधिकारियों ने दोपहर को कहा कि जेल पर नियंत्रण हासिल करने में कामयाबी मिलने के बाद बड़े पैमाने पर तलाशी ली गई। अटॉर्नी जनरल के कार्यालय ने कहा कि कम से कम नौ कैदियों के खिलाफ हत्या के आरोप में केस दायर किया जाएगा। इक्वाडोर की जेल प्रणाली लंबे समय से देश में हिंसा का मुख्य केंद्र रही है। हाल के वर्षों में यहां आपराधिक संगठनों की लड़ाई में सैकड़ों लोग मारे गए हैं। पिछले साल लिटोरल पेनिटेंटरी में 30 से अधिक लोग मारे गए थे। उनमें से कुछ के तो सिर काट दिए गए थे। सितंबर 2021 में प्रतिद्वंद्वी गिरोहों के बीच संघर्ष में 100 से अधिक लोग मारे गए थे। करीब दो महीने पहले जेल निदेशक मारिया डेनिएला इकाजा की एक सशस्त्र हमले में हत्या कर दी गई थी। जनवरी में कुख्यात गिरोह का सरगना जोस एडोल्फो फिटो मैकियास एक जेल से भाग गया था। इससे पूरे देश में हिंसा फैल गई। इसे रोकने के लिए राष्ट्रपति डैनियल नोबोआ को आपातकाल की घोषणा करनी पड़ी।

सामागुड़ी में फिर चुनावी हिंसा

गुवाहाटी (हिंस)। राज्य के पांच विधानसभा क्षेत्रों में हो रहे मतदान के दिन आज सामागुड़ी विधानसभा क्षेत्र में कई जगहों पर चुनावी हिंसा की खबरें आईं। खलीहारी में भाजपा उम्मीदवार दिप्लूरंजन शर्मा पर हमले का प्रयास किया गया। कथित तौर पर दो कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने दिप्लूरंजन शर्मा पर हमला करने की कोशिश की। इसके लिए कांग्रेस कार्यकर्ता हारुन रशीद और मेराजुल हक के खिलाफ आरोप दायर कराए गए। भाजपा उम्मीदवार दिप्लूरंजन शर्मा ने असम की राजनीति में हिंसा पैदा करने के लिए सांसद रकीबुल हुसैन की कड़ी आलोचना की। इधर, सामागुड़ी निर्वाचन क्षेत्र में सांसद रकीबुल हुसैन के काफिले पर भी हमला हुआ। हमले में एक पत्रकार का वाहन भी क्षतिग्रस्त हो गया। हमलावरों ने रकीबुल हुसैन के खिलाफ नारे भी लगाए। सामागुड़ी शालमारी में भी सुबह कांग्रेस और भाजपा कार्यकर्ताओं के बीच झड़प हुई। शालमारी में मतदान केंद्र 89 और 90 पर तनाव रहा। कांग्रेस का आरोप है कि भाजपा कार्यकर्ताओं ने मतदान केंद्रों पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं और पुलिस पर हमला किया। राज्य के चार अन्य निर्वाचन क्षेत्रों के साथ सामागुड़ी में भी सुबह सात बजे मतदान शुरू हो गया था। वहीं, बंगाईगांव, बिहाली, सिदली और धोलाई में शांतिपूर्ण तरीके से मतदान होने की सूचना है। इन विधानसभा क्षेत्रों के मतदान केंद्रों पर सुबह 7 बजे से मतदान शुरू हो गया था। दोपहर 3 बजे तक पांचों क्षेत्रों में कुल 64.27 प्रतिशत मतदान हुआ। चुनाव आयोग के अनुसार, धोलाई में 60.01 प्रतिशत, बिहाली में 64.34 प्रतिशत, सिदली में 64.22 प्रतिशत, सामागुड़ी में 66.33 प्रतिशत और बंगाईगांव में 66.94 प्रतिशत मतदान हुआ। इसी बीच, मेघालय के गम्बेगर निर्वाचन क्षेत्र में आज सुबह से ही मतदान शांतिपूर्ण ढंग से जारी रहा। चुनाव आयोग ने कहा कि निर्वाचन क्षेत्र में दोपहर 3 बजे तक 67.80 प्रतिशत वोट डाले गए। असम के पांच निर्वाचन क्षेत्रों के उपचुनाव में 910,665 मतदाता 34 उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला करेंगे।

राज्यपाल ने की आईपीएस परिवीक्षार्थियों से बातचीत

उन्हें दूसरों के लिए आदर्श बनने को कहा

गुवाहाटी (हिंस)। असम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने आज राजभवन में 76वें आरआर (2024 बैच) असम-मेघालय कैडर के 10 आईपीएस परिवीक्षार्थियों से बातचीत की। उन्होंने परिवीक्षार्थियों से दूसरों के लिए आदर्श बनने को कहा। राज्यपाल आचार्य ने परिवीक्षार्थियों से कहा कि वे जिम्मेदारी से काम करें और उनसे की जाने वाली उच्च अपेक्षाओं को समझें। राज्यपाल ने उनसे अपने काम के प्रति प्रतिबद्ध रहने और उनसे मिलने वाले सभी व्यक्तियों के प्रति विनम्र व्यवहार करने को कहा। उन्होंने कहा कि आईपीएस अधिकारी बनना कई लोगों का सपना होता है और जब वे बन जाते हैं, तो उन्हें अपनी जिम्मेदारियों को पूरी लगन से निभाना चाहिए। राज्यपाल ने यह भी कहा कि चूंकि समाज की कानून-व्यवस्था पुलिस अधिकारियों पर निर्भर करती है, इसलिए उन्हें अपने कर्तव्यों का निर्वहन बहुत समझदारी और लगन से करना चाहिए। राज्यपाल आचार्य ने अधिकारियों से अपनी अपेक्षाएं भी व्यक्त कीं और उन्हें ईमानदारी से काम करने और समाज की प्रगति में योगदान देने के लिए प्रोत्साहित किया।

ट्रक और बाइक की भिड़ंत में दो की मौत

ग्वालपाड़ा (हिंस)। ग्वालपाड़ा जिले के दरीदूरी सूटकी सड़क पर हुए सड़क हादसे में दो बाइक सवार की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने बुधवार को बताया की बीती रात डंपर और बाइक के बीच आमने-सामने की टक्कर में दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान जहांगीर आलम और मोहम्मद कैफ उर्फ राना के रूप में की गई है। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने दोनों शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के अस्पताल भेज दिया है। मृतक जहांगीर जयपुर बाजार और मोहम्मद कैफ झूनकाइपाड़ा रहने वाला बताया गया है।

फर्जी सीबीआई अधिकारी गिरफ्तार

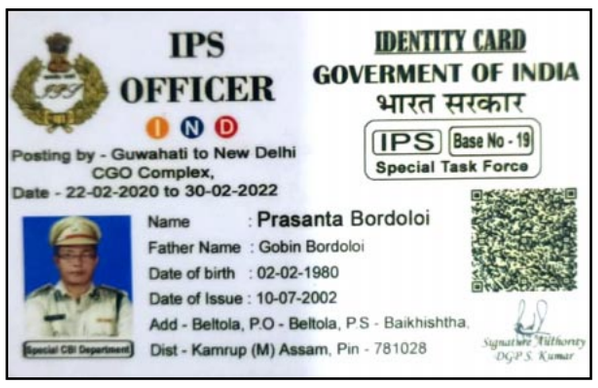

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी की पुलिस ने लोगों से धन उगाही करने के आरोप में एक फर्जी सीबीआई अधिकारी को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बुधवार को बताया कि मोरीगांव जिला के निवासी प्रशांत बरदलै (40) गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार आरोपी स्वयं को पुलिस अधीक्षक, सीबीआई शाखा के रूप में परिचय देकर पैसे की मांग कर रहा था। शिकायत मिलने के बाद आरोपी को गिरफ्तार किया गया। फिलहाल उसे बशिष्ठ थाने में पूछताछ के लिए रखा गया है। पूछताछ के दौरान पता चला कि कथित व्यक्ति एक धोखेबाज है। जिसने अपना फर्जी सीबीआई पहचान पत्र दिखाकर कई लोगों को बेवकूफ बनाकर धोखाधड़ी से पैसे वसूलता था। गिरफ्तार आरोपी के पास तीन फर्जी आई कार्ड और दो मोबाइल फोन जब्त किया गया है। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

गुवाहाटी में भारी मात्रा में जाली नोटों के साथ दो गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी में भारी मात्रा में जाली नोटों के साथ दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है। असम पुलिस के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी ने आज बताया कि एफआईसीएन के लेनदेन के बारे में मिली सूचना के आधार पर असम पुलिस की एसटीएफ की एक टीम इनपुट को क्रियान्वित करने के लिए खानापाड़ा पहुंची। पुलिस टीम को देखते ही अपराधी अपनी मारुति सुजुकी ए-स्टार कार (एएस-02 एफ-8100) को तेजी से चलाते हुए कोइनाधरा-एपीएससी रोड की ओर भागने लगे। कार का पीछा किया गया और कोइनाधरा-एपीएससी रोड पर ही उसे रोक लिया गया। उसमें सवार दो लोगों को गिरफ्तार किया गया। उक्त छापेमारी में बरामद सामान में 3,70,000 रुपए मूल्य के एफआईसीएन (नकली भारतीय मुद्रा नोट, जिनमें 500 मूल्य के 740 नोट थे) और एक मोबाइल फोन शामिल हैं। पकड़े गए लोगों की पहचान मोहम्मद साहिल अली (21, कामरूप) और हर्ष वाहलांग (20, रिभोई, मेघालय) के रूप में हुई है। बाद में, मोहम्मद साहिल अली के नेतृत्व में उनके किराए के घर यानी 9 माइल, बारिडुआ, मेघालय में तलाशी ली गई। उक्त छापे में बरामद की गई वस्तुओं में 3,17,500 रुपए के अंकित मूल्य के एफआईसीएन (नकली भारतीय मुद्रा नोट, जिनमें 500 मूल्य के 635 नोट), एक एफआईसीएन प्रिंटिंग मशीन, 500 रुपए के आकार में काटे गए सफेद कागजों का एक बंडल, भूरे रंग के सेलो टेप से लिपटे एक बंडल सफेद प्रिंटिंग कागज और एक बंडल सफेद प्रिंटिंग कागज शामिल हैं। दोनों छापों में बरामद की गई कुल जाली नोट 6,87,500 रुपए (छह लाख अस्सी सात हजार पांच सौ) और एक चार पहिया वाहन शामिल हैं। आवश्यक कानूनी औपचारिकताएं पूरी की जा रही हैं।

सड़क दुर्घटना में एक छात्र की मौत, तीन घायल

धुबड़ी (हिंस)। धुबड़ी जिले के गौरीपुर के दूमारदाह इलाके में हुई सड़क दुर्घटना में एक छात्र की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि, एक शिक्षक और दो छात्रों को गंभीर अवस्था में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने बुधवार को बताया कि गौरीपुर के दूमारदाह इलाके में राष्ट्रीय राजमार्ग 17 पर बस (एएस-17बी-6494) और ई-रिक्शा के बीच में आमने-सामने की टक्कर में एक छात्र की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक छात्र की पहचान जतिन राय के रूप में की गई है। जबकि एक शिक्षक और दो छात्रों को गंभीर अवस्था में इलाज के लिए धुबड़ी मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर किया गया है। मृतक महेश चंद्र अकादमी हाई स्कूल का छात्र था। घटना के बाद स्थानीय लोगों और छात्र-छात्राओं ने राष्ट्रीय राजमार्ग अवरुद्ध का जमकर विरोध प्रदर्शन किया। विरोध प्रदर्शन की वजह से घंटों राष्ट्रीय राजमार्ग पूरी तरह ठप रहा। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने लोगों को समझाकर का राष्ट्रीय राजमार्ग को खाली करवाया। पुलिस मृत छात्र के शव अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

एक महिला समेत चार ड्रग्स तस्कर गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी की दिसपुर पुलिस ने ड्रग्स की तस्करी मामले में शामिल एक महिला समेत चार शातिर तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बुधवार को बताया कि दिसपुर पुलिस की टीम ने हाथीगांव के नाहारोनी इलाके में स्थित सेंट्रल गेस्ट हाउस में अभियान चलाकर एक महिला समेत चार ड्रग्स तस्कर को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार ड्रग्स तस्करों की पहचान मोहम्मद हाशू मियां (45, सार्थेबारी), अमीना खातून (40, बिलासीपारा), अकमल हुसैन (27, पथारकांदी), याहिया अहमद (24, करीमगंज) के रूप में की गई है। गिरफ्तार आरोपी के पास से 10,000 यावा टैबलेट, 11 ग्राम हेरोइन जिसे पांच साबुनदानी में छुपा कर रखा गया था। वहीं, गिरफ्तार आरोपियों के पास से चार मोबाइल फोन, नगद पांच हजार रुपए जब्त किए गए हैं। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर गिरफ्तार सभी तस्करों से सघन पूछताछ कर रही है।

भारी मात्रा में रेलवे स्टेशन से घोंघा बरामद

नगांव (हिंस)। नगांव जिले के कामपुर रेलवे स्टेशन से रेलवे पुलिस ने भारी भारी भात्रा मे घोंगा बरामद किया है। पुलिस ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर कामपुर रेलवे स्टेशन पर चलाए गए तलाशी अभियान के दौरान भारी मात्रा में घोंघा बरामद किया गया है। बरामद किए गए घोंघा को कामपुर से डिमापुर ले जाया जा रहा था। हालांकिए इस मामले में किसी की गिरफ्तारी नहीं हो पाई है। बरामद घोंघा को रेलवे पुलिस ने वन विभाग को सौंप दिया है। वन विभाग ने बरामद किए गए घोंघा को झील में छोड़ दिया। रेलवे पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

अभाविप की गुवाहाटी विश्वविद्यालय इकाई गठित

गुवाहाटी (हिंस)। आज असम के महत्वपूर्ण शिक्षण संस्थान गौहाटी विश्वविद्यालय में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) समूह का गठन किया गया। इस कार्यक्रम में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद असम प्रदेश के सचिव और गुवाहाटी शहर के आयोजन सचिव हेरोल्ड मोहन, शहर सचिव रूपांक शर्मा और शहर के अन्य पदाधिकारियों ने भाग लिया। समूह के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव, संयुक्त सचिव सहित कई महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां छात्रों को दी गईं। इस मौके पर राहुल कलिता को अध्यक्ष और सुमित्रा पाएंग को समूह का सचिव बनाया गया। इस अवसर पर 63 सदस्यीय विश्वविद्यालय समूह का गठन किया गया। समूह आने वाले दिनों में विश्वविद्यालय परिसर में विभिन्न शैक्षणिक कार्यक्रम आयोजित करेगा।

श्री श्याम जन्मोत्सव के आयोजन में बंगाईगांव हुआ श्याममय

बंगाईगांव। बंगाईगांव में श्री श्याम जन्मोत्सव समारोह समिति के तत्वाधान में कार्तिक शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि 12 नवंबर को बड़े धूमधाम से खाटू नरेश बाबा श्याम का जन्मोत्सव मनाया गया। इस अवसर पर सुबह राम मंदिर से एक रंगारंग शोभा यात्रा निकाली गई जो शहर के विभिन्न भागों से होती हुई श्री हनुमान मंदिर, बीओसी गेट मे प्रतिष्ठित बाबा श्याम के दरबार में संपन्न हुई। शोभा यात्रा में एक रथ पर बाबा श्याम सवार थे। पुरी यात्रा के दौरान पूरा शहर बाबा श्याम के जयकारों से गूंज उठा। मंदिर में शोभा यात्रा पहुंचने के पश्चात बाबा श्याम की महा आरती कर श्याम बाबा को सवामणी का महा भोग लगाया गया। सांयकाल तेरापंथ भवन में एक विराट भजन संध्या का आयोजन किया गया। भवन में खाटू नरेश का मनमोहक दरबार फूलों से सजाया गया था जहां सिलीगुड़ी से आये भजन गायक पंकज बंसल ने अपने मधुर वाणी से बाबा को रिझाया। उनका साथ दिया सह-भजन गायक भवानी गट्टानी ने। गायकों ने ऐसी समां बांधी की भक्तों ने आंनद लेते हुए नृत्य किया। दोनों भजन कलाकारों को तथा सोशल मीडिया से संबंधित लोगों को सम्मानित किया गया। भजन गायक आनंद शर्मा, तेजा पारीक एवं विकास पारीक ने भी अपने भजनों की प्रस्तुति दी। इस अवसर पर विशेष सहयोग के लिए तेरापंथ भवन, श्री हनुमान मंदिर, श्री राम मंदिर के पदाधिकारियों क्रमशः अखय चंद बैद, पवन गुप्ता, प्रेमनाथ हरलालका को भी सम्मानित किया गया। भजन संध्या के दौरान राधा कृष्ण के ऊपर हर्षिनी तापड़िया तथा चिराग शर्मा नामक दो बच्चों ने सुंदर नृत्य प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन महेश कुमार अग्रवाल ने किया तथा इस अवसर पर बाबा श्याम से संबंधित धार्मिक प्रश्नोत्तरी भी कराई गई जिसमें विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। रात को बाबा को छप्पन भोग लगाया गया तथा बाबा की आरती उतारी गई। सभी भक्तों के द्वारा महा प्रसाद ग्रहण करने के बाद भजन संध्या का समापन हुआ। इस बार महा प्रसाद में व्रत धारी के लिए फलाहार की भी व्यवस्था की गई थी जिसमें अनेक भक्तों ने इसका लाभ लिया। इस कार्यक्रम में श्री बालाजी महिला मंडल का विशेष सक्रिय सहयोग रहा जिसकी सभी भक्तों ने मुक्तकंठ से प्रशंसा की। श्री श्याम जन्मोत्सव समिति के सदस्यों ने व्यवस्थित तरीके से पूरे कार्यक्रम को संपन्न कराने में अहम भूमिका निभाई। श्री श्याम जन्मोत्सव समारोह समिति के अध्यक्ष विनोद अग्रवाल एवं सचिव गौरव मित्तल ने कार्यक्रम को सफल करने के लिए सभी कार्यकर्ताओं को एवं समाज के व्यक्तियों के सक्रिय सहयोग के लिए हार्दिक धन्यवाद दिया।

कावेरी अस्पताल का अत्याधुनिक न्यूरोसाइंस विभाग

गुवाहाटी। कावेरी अस्पताल में न्यूरोसाइंस विभाग में विशेषज्ञता है : न्यूरोलॉजिकल विकारों का उपचार, न्यूरोसर्जरी, न्यूनतम इनवेसिव न्यूरो-सर्जरी, स्पाइन सर्जरी, न्यूरो-वैस्कुलर सर्जरी, सिर और रीढ़ की हड्डी में चोट, न्यूरो इंटेंसिव केयर, मनोरोग परामर्श और परामर्श और न्यूरो पुनर्वास। न्यूरोलॉजी चिकित्सा की एक शाखा है जो तंत्रिका तंत्र को प्रभावित करने वाले विकारों से संबंधित है। तंत्रिका तंत्र में मस्तिष्क, रीढ़, शरीर में तंत्रिकाएं शामिल हैं जो स्वैच्छिक तंत्रिकाएं और अनैच्छिक तंत्रिकाएं दोनों हैं। न्यूरोलॉजिस्ट के पास मांसपेशियों से संबंधित मुद्दों के उपचार के लिए भी विशेषज्ञता है। मस्तिष्क और रीढ़ केंद्रीय तंत्रिका तंत्र बनाते हैं और तंत्रिकाएं और मांसपेशियाँ परिधीय तंत्रिका तंत्र बनाती हैं। मस्तिष्क सबसे जटिल अंग है जिसमें न्यूरॉन्स (मस्तिष्क कोशिकाओं) के असंख्य कनेक्शन होते हैं, जो स्मृति, निर्णय, व्यक्तित्व विकास, संवेदी भावनाओं, मोटर आंदोलनों, शरीर के समन्वय आदि जैसे कई कार्यों को पूरा करते हैं। हमारे पास बहुत सी नसें भी हैं जो स्वायत्त रूप से काम करती हैं जैसे कि सांस लेना, हृदय की पंपिंग, रक्तचाप नियंत्रण, जठरांत्र संबंधी कार्य, मूत्र संबंधी कार्य आदि। शरीर के सामान्य कामकाज के लिए हमें मस्तिष्क से मांसपेशियों और अन्य अंगों तक संकेतों को संचारित करने के लिए रीढ़ और नसों की आवश्यकता होती है। इसलिए जब तंत्रिका तंत्र में कोई समस्या होती है, तो यह इस बात पर निर्भर करता है कि कौन सा क्षेत्र शामिल है, मरीज़ प्रासंगिक शिकायतों के साथ आते हैं। कावेरी अस्पताल के न्यूरोलॉजी विभाग द्वारा दी जाने वाली सेवाएं हैं - तीव्र स्ट्रोक देखभाल और पुनर्वास, मिर्गी का इलाज, पार्किंसंस रोग जैसे आंदोलन विकार, मनोभ्रंश, सिरदर्द, चक्कर आना, नींद संबंधी विकार, न्यूरोमस्कुलर विकार, न्यूरो-गहन देखभाल, न्यूरो ऑन्कोलॉजी के लिए विशेष क्लीनिक। कावेरी अस्पताल स्ट्रोक, सिरदर्द, पीठ दर्द आदि जैसी विभिन्न न्यूरोलॉजिकल स्थितियों के लिए रोगियों के लिए नियमित निवारक जांच और स्क्रीनिंग कार्यक्रम भी चला रहा है। कावेरी में न्यूरोलॉजी विभाग कई संबद्ध विशेषताओं वाला एक व्यापक विभाग है, उनकी बहु-विषयक टीम एक साथ काम करती है और तीव्र और पुरानी स्थितियों में न्यूरोलॉजिकल देखभाल के पूरे स्पेक्ट्रम को कवर करती है। वे विभिन्न न्यूरोलॉजिकल विकारों वाले रोगियों के लिए परामर्श, मूल्यांकन और उपचार सहित व्यापक देखभाल प्रदान करने में सक्षम हैं। रोगी की गरिमा के संबंध में देखभाल का उच्च मानक हमारा मिशन है।

No.EE/MSL-11/NIT/2017-18/2718 *Dated 12/11/2024*

SHORT NOTICE INVITING TENDER

Sealed tenders affixing a non-refundable court fee stamp of Rs. 8.25 (Rupees eight & paisa twenty five) only with a validity period of 180 days, which will subsequently to be converted and drawn up in the printed F-2 form are invited from the registered contractors under PWD of Class-III (Three), Class-II (Two) & Class-I (A, B & C) (R&B) category according to their eligibility for submitting tenders for the work stated below. The tenders will be received by the undersigned up to **12.00 Noon** on **22/11/2024 and** will be opened on the same date & place at **2.15 P.M.**

Sl. No.	Name of Work	Tender Amount (in Rs.) (including GST LWC & Agency charges)	Earnest Money (in Rs.) (ST. SC. OBC-1% & GEN-2%)	Cost of Tender Papers (in Rs.)	Time of Completion in day
1	Restoration of Dig Pits for laying of Optical Fiber Cable By HDD Method from Neelakanth bakery, Anchali via Doomni-Pathsala road via Gadhuligaon Milan Bazar via Jarabari LP School via Jalagaon via Doomni Bazar via Nathkuchi- Doomni road via Ahopa High School via Charaimari chowk via Charaimari- Mushalpur road via Garamdew High school to Ambari Mushalpur (Patacharkuchi-Ahopa-Dhamadhama). Total Length=22,000.00 m HDD. From 0.00 to 22,000.00Mtrs.	Rs.9,99,800.00/-	1% -Rs.9,998/- 2% -Rs.19,996/-	Rs.500/-	90 (Ninety) days
2	Restoration of Dig Pits for laying of Optical Fiber Cable By HDD Method 1. From nearby Gyandeep Academy, Charaimari via Nathkuchi-Doomni road via Bani Mandir High school via to ahopa airtel tower (L-2700m) 2. From Tamulpur-Mushalpur road point via Mushalpur HS School via Kadamtola-Nikasi road via Baksa Dev block via Santipur Mission road to Airtel tower Belguri (L-2600m), 3. From Solmari Tiniali via Mushalpur-Tamulpur road to nearby Khagrabari Bodo LP School (L-900m) 4. From nearby Barbari Chariali to Allia airtel tower (L-300m) 5. From nearby Gadhuligaon Daily market via Gadhuligaon Milan Bazar to Airtel tower (L-700m), 6. From Mushalpur Tamulpur road via Circuit house to nearby Kataligaon LP school (L-500m), 7. Polakota road to airtel tower (L-700m) 8. Near Bina Printing press to Airtel tower (L-300m), 9. From nearby BR Ambedkar LP school to nearby Angardhowa Laxmi Mandir Airtel Tower (L-200m) (Patacharkuchi-Ahopa-Dhamadhama). Total Length=8,900.00m HDD. From 0.00 to 8,900.00 mtr	Rs.4,09,100.00/-	1% -Rs.4.091.00 /- 2% - Rs.8,182.00/-	Rs.500/-	90 (Ninety) days

Detail N.I.T. may be seen in all working days in the office of the undersigned. Tender paper will be issued to the contractor or their authorized agent up-to 12.00 Noon on all working days **from 18/11/2024 to 19/11/2024** in the office of the undersigned on payment in the form of Bank Draft/ Demand Draft, duly pledged to the Executive Engineer, PWD Mushalpur (R&B) Division, Mushalpur, Baksa. Payable at Kokrajhar, SBI main Branch.

Sd/- Executive Engineer,
Mushalpur PWD (R&B) Division,
Mushalpur

IPR(BTC)/C/2024-25/863

संपादकीय

एक नहीं, पर सेफ हैं

भाजपा ने महाराष्ट्र के अखबारों में एक विज्ञापन छपवाया है-एक हैं, तो सेफ हैं। विज्ञापन के 'एक' शब्द में 46 टोपियां और पगडियां छापी गई हैं। वे महाराष्ट्र के विभिन्न वर्गों का प्रतिनिधित्व करती हैं, लेकिन एक टोपी गायब है। बेशक वह टोपी मुसलमान की है, जो बहुधा प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा के खिलाफ वोट देता है। यहीं से स्पष्ट होने लगता है कि उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 'बंटेंगे, तो कटेंगे' का नारा क्यों लगाया था? उसी तर्ज पर प्रधानमंत्री मोदी चुनाव प्रचार के दौरान यह नारा क्यों लगवा रहे हैं-'एक हैं, तो सेफ हैं।' दोनों का भावार्थ एक ही है। प्रधानमंत्री ने अपने नारे को साजिश से जोड़ दिया है और समाज को बांटने के लिए कांग्रेस को लगातार आरोपित कर रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने संविधान की शपथ ली है कि वह पूरे देश के प्रधानमंत्री हैं। भाजपा-एनडीए के ही प्रधानमंत्री नहीं हैं, बल्कि समूचे विपक्ष के भी प्रधानमंत्री हैं। विज्ञापन और चुनाव प्रचार से यह भी साफ हो रहा है कि भाजपा हिंदू-मुसलमान की बात कर रही है। यह आश्चर्य है कि देश का 80 फीसदी बहुसंख्यक, 15 फीसदी अल्पसंख्यक की तुलना में, भयभीत और असुरक्षित महसूस कर रहा है। प्रधानमंत्री मोदी, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और भाजपा के प्रचारक नेता लगातार ये नारे बुलंद कर बहुसंख्यक हिंदुओं को लामबंद करना चाहते हैं। यह चुनावी लक्ष्य है। यह प्रधानमंत्री या वरिष्ठ नेताओं की राष्ट्रीय, सामाजिक, जातीय चिंता नहीं है। करीब 145 करोड़ की आबादी वाला भारत 'एक' हो ही नहीं सकता। विविधता तो भारत की खूबसूरती है। उत्तर, दक्षिण, पूर्वोत्तर भारत की संस्कृति, उनके रस्मो-रिवाज, उनकी भाषाएं-बोलियां, नस्लें, जातियां-उपजातियां और धार्मिक आस्थाएं बिल्कुल अलग-अलग हैं। प्रधानमंत्री के आह्वान के बावजूद वे 'एक' नहीं हो सकतीं, लेकिन भारत की संप्रभुता, एकता, अखंडता के सवाल पर वे सभी 'एक' हैं, 'भारतीय' हैं। प्रधानमंत्री को चिंता क्यों करनी चाहिए? बीते 77 साल से भारत राष्ट्र 'एक' है, बहुत कुछ भिन्न है। महाराष्ट्र और झारखंड में विधानसभा चुनाव हैं। उप्र समेत कई राज्यों में उपचुनाव भी हो रहे हैं। एक तरफ मुसलमानों के उलेमाओं, मौलानाओं ने बैठकें की हैं और महाविकास अघाड़ी के पक्ष में वोट करने के आह्वान किए हैं। उन्होंने महाराष्ट्र में मुसलमानों को 10 फीसदी आरक्षण देने जैसी भी शर्त रखी है। एक अन्य बैठक में 'वक्फ बिल' के विरोध में 24 नवंबर को 'दिल्ली कूच' का आह्वान खासकर मुस्लिम नौजवानों के लिए किया गया है। 25 नवंबर से संसद का शीतकालीन सत्र शुरू हो रहा है। दिल्ली केंद्रीय सत्ता की धुरी है। ऐसे आह्वान और विरोध-प्रदर्शन, कानून के दायरे में, किए जा सकते हैं। मुस्लिम मौलानाओं ने 'औकात' और 'रूह कांप जाएगी' सरीखे आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल किया है। यह सामाजिक, सांप्रदायिक अलगाव को दर्शाता है। दूसरी तरफ हिंदुत्व जनसंघ और भाजपा का बुनियादी, चुनावी विचार-बिंदु रहा है, लेकिन प्रधानमंत्री के स्तर पर इसे चुनावी मुद्दा क्यों बनाया गया है? यदि देश विभाजक अवस्था में लग रहा है, तो उसे दुरुस्त करना प्रधानमंत्री का प्रथम कत्त्तव्य है। 'बंटेंगे' और 'एक' पर कांग्रेस भी आक्रामक और उग्र मुद्रा में आ गई है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडग़े ने योगी के नारे को 'आतंकवाद' से जोड़ दिया है और योगी की गेरुआ वेशभूषा पर भी सवाल किए हैं। इसकी प्रतिक्रिया में साधु-संत भी आक्रामक हो गए हैं और खडग़े के बयान को 'सनातन का अपमान' करार दिया है। प्रधानमंत्री और योगी के नारों से स्पष्ट है कि देश में हिंदुओं का अस्तित्व ही खतरे में है। भाजपा यह मुद्दा अपने जन्मकाल से ही उठाती रही है। देश के कुछ हिस्सों में मुस्लिम आबादी हिंदू जनसंख्या से अधिक हो गई है अथवा पहले से ही यही समीकरण थे। सिर्फ उसी आधार पर नारा नहीं दिया जा सकता-'एक हैं, तो सेफ हैं।' आरएसएस भी बांग्लादेशी घुसपैठियों का मुद्दा एक लंबे अंतराल से उठाता रहा है। बीते 10 साल से अधिक समय से भारत में भाजपा-संघ की सरकार है। घुसपैठियों को बाहर खदेड़ा क्यों नहीं गया? राज्यों में भी भाजपा की सरकारें सर्वाधिक हैं। 2011 की जनगणना से स्पष्ट संकेत मिले थे कि देश में जनसांख्यिकी के समीकरण बदल रहे हैं। अब 2025 में जनगणना होनी है।

> प्रधानमंत्री मोदी ने संविधान की शपथ ली है कि वह पूरे देश के प्रधानमंत्री हैं। भाजपा-एनडीए के ही प्रधानमंत्री नहीं हैं, बल्कि समूचे विपक्ष के भी प्रधानमंत्री हैं। विज्ञापन और चुनाव प्रचार से यह भी साफ हो रहा है कि भाजपा हिंदू-मुसलमान की बात कर रही है। यह आश्चर्य है कि देश का 80 फीसदी बहुसंख्यक, 15 फीसदी अल्पसंख्यक की तुलना में, भयभीत और असुरक्षित महसूस कर रहा है। प्रधानमंत्री मोदी, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और भाजपा के प्रचारक नेता लगातार ये नारे बुलंद कर बहुसंख्यक हिंदुओं को लामबंद करना चाहते हैं। यह चुनावी लक्ष्य है। यह प्रधानमंत्री या वरिष्ठ नेताओं की राष्ट्रीय, सामाजिक, जातीय चिंता नहीं है। करीब 145 करोड़ की आबादी वाला भारत 'एक' हो ही नहीं सकता। विविधता तो भारत की खूबसूरती है।

प्रयागराज में गंगा का पानी इतना प्रदूषित हो गया है कि वह आचमन करने लायक भी नहीं रह गया

गंगा का मैल सख्ती व जवाबदेही से ही दूर होगा

ललित गर्ग

> धार्मिक आस्था एवं पर्यटन की संभावनाओं को तलाशने की दृष्टि से वर्तमान उत्तरप्रदेश सरकार एवं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के तमाम प्रयासों के बावजूद गंगा आज भी मैली क्यों है? यह सवाल सरकार के नदियों को स्वच्छ बनाने के लिए लंबे समय से चल रही तमाम योजनाओं और कार्यक्रमों की पोल खोलते हैं। सरकार की ओर से घोषणाएं करने में शायद ही कभी कमी की जाती है, मगर उन पर अमल को लेकर कहां चूक या लापरवाही बरती जा रही है, इस पर गौर करना कभी जरूरी नहीं समझा जाता।

गंगा की सफाई, उसे प्रदूषण मुक्त करने एवं नदियों के माध्यम से आर्थिक विकास, धार्मिक आस्था एवं पर्यटन की संभावनाओं को तलाशने की दृष्टि से वर्तमान उत्तरप्रदेश सरकार एवं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के तमाम प्रयासों के बावजूद गंगा आज भी मैली क्यों है? यह सवाल सरकार के नदियों को स्वच्छ बनाने के लिए लंबे समय से चल रही तमाम योजनाओं और कार्यक्रमों की पोल खोलते हैं। सरकार की ओर से घोषणाएं करने में शायद ही कभी कमी की जाती है, मगर उन पर अमल को लेकर कहां चूक या लापरवाही बरती जा रही है, इस पर गौर करना कभी जरूरी नहीं समझा जाता। यह गौर करना राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण की उस टिप्पणी के कारण भी जरूरी हो गया है, जिसमें कहा गया है कि प्रयागराज में गंगा का पानी इतना प्रदूषित हो गया है कि वह आचमन करने लायक भी नहीं रह गया है। एनजीटी का यह खुलासा इसलिये भी चिंता बढ़ाने वाला है क्योंकि कुछ ही माह बाद यानी जनवरी 2025 की पौष पूर्णिमा से प्रयागराज में महाकुंभ की शुरुआत होने वाली है।

कुंभ मेले की तैयारियां अंतिम चरण में हैं और अखाड़ों की सक्रियता बढ़ गई है। महाकुंभ को लेकर देश ही नहीं विदेश में भी खूब चर्चा होती है। यदि गंगाजल की गुणवत्ता को लेकर ऐसे ही सवाल उठते रहे तो देश-दुनिया में अच्छा संदेश नहीं जाएगा। सवाल इस बात को लेकर भी उठेंगे कि विभिन्न सरकारों द्वारा शुरू की गई अनेक महत्वाकांक्षी व भारी-भरकम योजनाओं के बावजूद गंगा को साफ करने में हम सफल क्यों नहीं हो पाए हैं। आखिर कौन है गंगा को प्रदूषित करने के गुनहगार? सरकारों को यह समझना होगा कि उसे केवल गंगा को साफ ही नहीं करना, बल्कि उसकी निर्मलता एवं अविरलता के लिये एक अनूठा उदाहरण भी पेश करना है। ऐसा करके ही देश की अन्य नदियों को भी प्रदूषणमुक्त करने की दिशा में सकारात्मक वातावरण निर्मित किया जा सकेगा। यह जानकारी भी सामने आई कि उत्तरकाशी में सुरंग के निर्माण के कारण ढेर बने मलबे एवं कचरे को गंगा नदी के किनारे डाल दिया गया। औद्योगिक कारखानों का जहरीला कचरा ही नहीं बल्कि सरकार की अन्य विकास योजनाएं ही गंगा को प्रदूषित करने का जरिया बन रही है, जो अधिक शर्मनाक एवं चिन्ताजनक है। गंगा नदी एवं अन्य नदियों में उद्योगों से विभिन्न रसायन, चीनी मिल, भट्टी, ग्लिस्रिन, टिन, पेंट, साबुन, कताई,

रेयान, सिल्क, सूत, प्लास्टिक थेलियां-बोतले आदि जहरीला कचरा बड़ी मात्रा में सरकार की चेतावनियों के बावजूद मिल रहा है।

गंगा कायाकल्प का दृष्टिकोण 'अविरल धारा' (सतत प्रवाह), 'निर्मल धारा' (प्रदूषणरहित प्रवाह) को प्राप्त करके और भूगर्भीय और पारिस्थितिक अखंडता को सुनिश्चित करके नदी की अखंडता को बहाल करने की समग्र योजना और रखरखाव के बावजूद गंगा लगातार प्रदूषित हो रही है। जबकि सरकार क्रॉस-सेक्टोरल सहयोग को प्रोत्साहित करने वाली नदी बेसिन रणनीति को लागू करके गंगा नदी के प्रदूषण को समाप्त करने और पुनरोद्धार को सुनिश्चित करने की दिशा में काम कर रही है। यह पानी की गुणवत्ता और पारिस्थितिक रूप से जिम्मेदार विकास को बनाए रखने की दृष्टि से गंगा नदी में न्यूनतम जैविक प्रवाह भी सुनिश्चित करता है। वर्ष 2014 से गंगा की सफाई का महत्वाकांक्षी अभियान 'नमामि गंगे' में अब तक करीब चालीस हजार करोड़ की लागत से गंगा की सफाई की करीब साढ़े चार सौ से अधिक परियोजनाएं आरंभ भी की गई हैं। इस परियोजना के अंतर्गत गंगा के किनारे स्थित शहरों में सीवर व्यवस्था को दुरुस्त करने, उद्योगों द्वारा बहाये जा रहे अपशिष्ट पदार्थों के निस्तारण के लिये शोधन संयंत्र लगाने, गंगा तटों पर वृक्षारोपण, जैव विविधता को बचाने, गंगा घाटों की सफाई के लिये काफी काम तो हुआ लेकिन अपेक्षित परिणाम सामने नहीं आए हैं। जो हमें बताता है कि जब तक समाज में जागरूकता नहीं आएगी और नागरिक अपनी जिम्मेदारी का अहसास नहीं करेंगे, गंगा मैली ही रह जाएगी। अधिकारियों की लापरवाही या फिर गड़बड़ियों की वजह से किसी बड़ी और बेहद महत्वपूर्ण पहलकदमी का भी हासिल शून्य कैसे हो सकता है, इसका उदाहरण गंगा का प्रदूषण है।

दरअसल, लगातार बढ़ती जनसंख्या का दबाव और गंगा तट पर स्थित शहरों में योजनाबद्ध ढंग से जल निकासी व सीवरेज व्यवस्था को अंजाम न दिये जाने से समस्या विकट हुई है। गंगा को साफ करने के लिये जरूरी है कि स्वच्छता अभियान एक निरंतर प्रक्रिया हो। एक बार की सफाई निष्प्रभावी हो जाएगी यदि हम प्रदूषण के कारकों को जड़ से समाप्त नहीं करते। इसके लिये गंगा के तट वाले राज्यों में पर्याप्त जलशोधन संयंत्र युद्ध स्तर पर लगाए जाने चाहिए। साथ ही गंगा सफाई अभियान की नियमित निगरानी होनी चाहिए। इसमें आधुनिक तकनीक का भी सहारा लिया जाना चाहिए। लोगों को बताया जाना चाहिए कि गंगा सिर्फ नदी नहीं है यह खाद्य श्रृंखला को संबल देने वाली तथा हमारी आध्यात्मिक यात्रा से भी जुड़ी है। गंगा में जहरीला कचरा बहाने वाले उद्योगों पर भी आर्थिक दंड लगाना चाहिए। इसी से यह उम्मीद की जा सकती है कि इसके जरिए मानव सभ्यता के लिए एक बेहद जरूरी नदी में फिर से जीवन भर सकेगा। वास्तव में गंगा एक संपूर्ण संस्कृति की वाहक रही है, जिसने विभिन्न साम्राज्यों का उत्थान-पतन देखा, किंतु गंगा का महत्व कम न हुआ। आधुनिक शोधों से यह भी प्रमाणित हो चुका है कि गंगा की तलहटी में ही उसके जल के अद्भुत और चमत्कारी होने के कारण मौजूद है। यद्यपि औद्योगिक विकास ने गंगा की गुणवत्ता को दूषित किया है, किन्तु उसका महत्व यथावत है। उसका महात्म्य आज भी सर्वोपरि है। गंगा स्वयं में संपूर्ण संस्कृति है, संपूर्ण तीर्थ है, उन्नत एवं समृद्ध जीवन का आधार है, जिसका एक गौरवशाली इतिहास रहा है।

'नमामि गंगे' परियोजना व स्वच्छ गंगा हेतु राष्ट्रीय मिशन के अंतर्गत प्रदेश में गंगा किनारे के 1,604 गांवों में 3,88,340 शौचालयों का निर्माण करवाकर उन्हें खुले में शौच से मुक्त गांव घोषित किया गया और नदी किनारे एक करोड़ 30 लाख पौधों का रोपण किया गया। गंगा को निर्मल बनाने के लिए घाट, मोक्षधाम, बायो डायवर्सिटी आदि से जुड़े 245 प्रोजेक्ट पर तेजी से काम हो रहा है। गंगा की 40 सहायक नदियों में प्रदूषित जल का प्रवेश रोकने के लिए दिल्ली, उत्तर प्रदेश, बिहार में 170 परियोजनाओं पर काम चल है। एक और राहत की खबर जो उम्मीद की किरण बन कर सामने आयी है कि गंगा में विषाक्त कचरा उड़ेलने वाली औद्योगिक इकाइयों में कमी आ रही हैं।

दृष्टि कोण

आवासविहीन लोगों को कब मिलेगी छत

इसमें कोई शक नहीं कि पिछले 77 वर्षों में भारत ने बहुत उन्नति की है। 1947 में देश की केवल धरती का ही बंटवारा नहीं हुआ, लोग भी बंट गए, कट गए, उजड़ गए, दीनहीन, अनाथ होकर देश के करोड़ों लोग विस्थापित होकर अथवा सांप्रदायिक दंगों का शिकार होकर भूखे, अद्र्धनग्न सडक़ों पर जीने, तड़पने को मजबूर हो गए। भारत की तत्कालीन सरकार ने उस देश को संभाला। साढ़े पांच सौ से ज्यादा रियासतों में बंटे देश को सरदार पटेल जी जैसे नेता ने एक सूत्र में पिरोया और धीरे-धीरे शरणार्थी समस्या का भी समाधान करके उन देशवासियों को संभाला, गले लगाया जो सब कुछ लुटाकर भारत आए थे। समय ने उनके घाव तो शायद पूरी तरह न भरे हों, पर देशवासियों ने शरणार्थी बनकर आए अपने भाई-बहनों को घर-परिवार बसाने में पूरा सहयोग दिया। यह तो हो गई 77 वर्ष पुरानी त्रासदी की बात। इन वर्षों में देश का गौरव बढ़ा, संसाधन बढ़े, सीमाओं की रक्षा करने में हम समर्थ हुए। जल-थल-नभ के पहरेदार मजबूत होकर देश की रक्षा कर रहे हैं। इसी बीच कभी शिक्षा का अधिकार, कभी स्वास्थ्य सेवाओं का अधिकार दिया गया। कानून के समक्ष सब नागरिकों को समानता का अधिकार तो संविधान निर्माताओं ने ही दे दिया था, पर आज भी हम निश्चिंत नहीं हो सकते। एक तरफ तो यह समाचार मिलते हैं कि किसी धनपति ने 600 से ज्यादा कमरों वाला ऐसा महल बनाया जिसके गैराज में सैकड़ों कारें एक समय खड़ी हो सकती हैं। देश के राजभवनों, राष्ट्रपति भवन, नया संसद भवन एवं अन्य कुछ विशिष्ट इमारतों की सुंदरता, लंबाई-चौड़ाई की चर्चा यदा कदा होती रहती है। हमारे देश के टीवी चैनलों में भी ऐसी बहुत सी चर्चाएं होती हैं जिनका आम आदमी को तो कोई लाभ नहीं, पर कुछ नेताओं के आरोप-प्रत्यारोप और लड़ाई-झगड़े का मंच बना रहता है। अगर कभी नहीं चर्चा होती तो उन बेचारों की नहीं होती जो एक रैनबसेरे के अभाव में या एक छत को तरसते हुए रात भर ठंडी-गर्म सडक़ों पर पड़े ठिठुरते या सिकुड़ते आकाश के तारों को देखते हैं और अनेकशः वे तारे भी धुंध और कोहरे में लिपटे उन्हें दिखाई नहीं देते। नरेंद्र मोदी ने अपने प्रधानमंत्रीकाल में एक लक्ष्य बनाया है कि जिनके पास अपने घर नहीं, झुग्गी-झोंपड़ी में रहने को विवश हैं, उनको मकान दिए जाएं। बहुत से दिए भी गए, पर वह सब ऊंट के मुंह में जीरा है। ऐसी दुखद घटनाएं बार-बार सुनने को मिलती हैं कि लोग सडक़ पर सोये थे और तेज रफ्तार कार ने कुचल दिया। बड़े महानगरों में जहां फुटपाथ पर सोने वालों की संख्या भी बहुत ज्यादा है, ऐसी घटनाएं अधिक होती हैं। मुंबई से लेकर पंजाब तक यदा-कदा ऐसे दुखद, पर देश के विकास पर तीखा प्रश्नचिन्ह उठाने वाले समाचार मिलते हैं। बड़े-बड़े दावे ये सरकारें करती हैं कि रैनबसेरे बनाए गए। गरीबों को सोने के लिए जगह दी गई, पर जगह वहां मिलती है जहां कभी भी कहीं भी मौत झपटकर उन्हें ले जाती है। श्रम विभाग और मानव अधिकार आयोग भी नहीं देखता कि जहां ये मजदूर काम करते हैं वहां इनको मानव के योग्य स्थान और वातावरण दिया जाता है या नहीं। सडक़ों पर गरीबों के किसी न किसी वाहन से कुचले जाने की घटनाएं देश में सुनने को मिलती हैं। हरियाणा के हिसार के एक फुटपाथ पर सोये हुए मजदूर कार द्वारा कुचले गए। पांच की मौत हो गई। कुछ घायल हो गए। दिल्ली में भी फुटपाथ पर सोये लोगों की वाहनों से कुचलकर मौत के समाचार आ चुके हैं। मुंबई में तो ऐसा संभवतः कई बार हुआ होगा, लेकिन जब कार चालक कोई विशिष्ट अभिनेता या नेता हो तो उन बेचारों को न्याय भी नहीं मिल पाता जो बिना छत और बिना कंबल के सडक़ों पर सोने को मजबूर हो गए। खन्ना में अबोध बच्चों के कार द्वारा कुचले जाने के बाद यह प्रतीक्षा रही कि कोई टीवी चैनल या कलम का धनी इन बच्चों की बिलखती मां की पीड़ा देश और देश के शासकों तक पहुंचाएगा, पर ऐसा नहीं हुआ। जो मजदूर सडक़ों पर कुचले जाते हैं या जो बच्चे भूखे मर जाते हैं जैसा कि देश के कई भागों से समाचार आते हैं, उनका अधिक विवरण इसलिए नहीं मिलता क्योंकि वे वोट बैंक नहीं। दूसरे प्रांतों से आकर यह हमारे पुल बनाते हैं, सडक़ें चमकाते हैं, विकास की गति को आगे बढ़ाते हैं, पर उनका विकास तो किसी का दायित्व नहीं। अब फिर सर्दी का मौसम प्रारंभ हो गया है। पहाड़ों के ऊपरी भागों में बर्फ पडऩी प्रारंभ हो चुकी है। पिछले दिनों भी भूस्खलन, अधिक वर्षा और बाढ़ के कारण हिमाचल और उत्तराखंड में बहुत विनाश हुआ, पर ज्यादा पीड़ा उनको सहनी पड़ती है जो बेघर और बेआसरे हैं।

कुछ अलग

उनका ऐलान-ए-संन्यास

लंच टाइम में साहब के सिर पर हाथ रख साहब को साक्षी मानकर रिश्वत से संन्यास लेने का अचानक ऐलान किया तो उनका रिश्वत से संन्यास लेने पर औरों को तो छोड़िए उन्हें भी विश्वास नहीं हुआ। लगा, ज्यों पूरे ऑफिस में भूचाल आ गया हो। ऑफिस की दीवारों को सांप सूंघ गए हों। पर फिर उन्होंने अपने को जैसे कैसे विश्वास दिलाने के बाद अपने ऑफिस के हर एक को विश्वास दिलाया कि उन्होंने रिश्वत से सच्ची मुच्ची का संन्यास ले लिया है। अब इस ऑफिस में उनसे वास्ता रखने वाली जनता उन्हें रिश्वत मुक्त जीवी माने। रिश्वत से संन्यास लेने के तुरंत बाद उन्होंने ऑफिस के दूसरे रिश्वतजीवियों को संबोधित करते हुए कहा, 'हे मेरे ऑफिस के रिश्वतजीवियो! मुझे घोर खुशी है कि आज मैं रिश्वत से संन्यास ले रहा हूं। मेरे कल से इस ऑफिस में शुरू होने वाले ईमानदार चरित्र को शुभकामनाएं दीजिए ताकि कल फिर किसी को ऑफिस में काम करवाने आता देख मेरा संन्यास भंग न हो। शील तो मेरा आज तक कदम कदम भंग होता ही रहा। मित्रो! बहुत कम ऐसे महापुरुष होते हैं जो रिटायरमेंट से पहले रिश्वत से संन्यास लेने का साहस कर पाते हैं। उन्हीं साहसी आत्माओं में से एक मैं हूं। हमाम में नंगे नहाते खाते हुए एकाएक हमाम से बाहर निकलने का ऐसा अदम्य साहस त्यागी जीव ही कर सकते हैं। वर्ना यहां तो कई जीव ऐसे होते हैं जो रिटायरमेंट के बाद भी महीनों जनता को अंधेरे में रख मजे से रिश्वत खाते रहते हैं। मित्रो! इसे अजीब संयोग ही मानिए कि इसी दिन मैंने अपने सरकारी जीवन में रिश्वत लेना शुरू किया था। शुरू शुरू में ऑफिस के दूसरे रिश्वतजीवियों को देखकर मेरा मन भी रिश्वत लेने को मत पूछो तब कितना आतुर रहता था। जब मैंने पहली बार रिश्वत ली थी तो मत पूछो मैं कितना डरा था। पर धीरे धीरे ज्यों ज्यों मैं रिश्वत लेने में सिद्धहस्त होता रहा, त्यों त्यों मेरा डर पीछे छूटता रहा है और मैं वंदे भारत की गति से आगे बढ़ता रहा। पहले मैंने समाज में अपने को अपने पद से ऊंचा दिखाने के लिए रिश्वत का सहारा लिया, पर बाद में रिश्वत लेना कैसे मेरी आदत में शुमार हो गया, यह मुझे आज तक पता न चला। खैर, पता करने को मेरे पास वक्त भी नहीं था। मित्रो! रिश्वत से संन्यास लेने के बाद हालांकि मैं अपने को भीतर ही भीतर बहुत शर्मिंदा महसूस कर रहा हूं। मेरी आत्मा मुझे इस अपराध के लिए सरेआम जूते मार रही है। पर मैं चाहता हूं कि अब मैं अपने नए आने वालों के लिए इस मार्ग से हट जाऊं। रिटायरमेंट तक मैं ही जो रिश्वत लेता रहूंगा तो उन बेचारों को कैसे पता चलेगा कि रिश्वत का स्वाद कैसा होता है? इसलिए मेरा नैतिक कत्त्तव्य बनता है कि उनके लिए रास्ता दूं ताकि वे भी रिश्वत से समाज में अपने स्तर को अपने पद से ऊंचा उठा सकें। मित्रो! मानता हूं, नशे की आदत छूट सकती है। झूठ बोलने की आदत छूट सकती है। उल्लू बनने की आदत छूट सकती है, पर रिश्वत लेने की आदत ही एक ऐसी आदत है जो जितनी छोडऩे की कोशिश करो, उतनी बढ़ती ही जाती है। बंधुओ! यहां सब रिश्वत खाते हैं। यहां सब रिश्वत से अपना चरित्र सजाते हैं। यहां राजा भी रिश्वत खाता है। यहां वजीर भी रिश्वत खाता है। यहां मंत्री भी रिश्वत खाता है। यहां बजंतरी भी रिश्वत खाता है। मित्रो! माफ करना। मुझे नहीं मालूम कि अपने जीवन में मैंने कितनों से रिश्वत ली। कितनों ने मुझे रिश्वत दी। पर मुझे खुशी इस बात की है कि मैंने रिश्वत लेने के बाद किसी को निराश नहीं किया। मित्रो! याद रहे, असली रिश्वतखोर वह नहीं होता जो रिश्वत लेता है। कुशल रिश्वतखोर वह होता है जो रिश्वत लेते हुए कभी पकड़ा नहीं जाता। रिश्वत लेना अगर कला है तो रिश्वत लेते हुए न पकड़े जाना महाकला। रिश्वत के लिए पूरी तरह समर्पित होने के कारण ही मैं रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों तो छोड़िए, खाली हाथ भी नहीं पकड़ा गया। मुझ पर विश्वास नहीं तो मेरी सर्विस बुक इसकी गवाह है। हर रिश्वतखोर को रिश्वत लेने का काम इतनी ही ईमानदारी से करना चाहिए। अब ज्यादा न कहता हुआ...कल से नए अवतार में देखिएगा अपने परम स्नेही बांकेलाल जी को!'

देश दुनीया से

जनजातीय हितों का संरक्षण एवं संवद्र्धन

जनजातीय गौरव दिवस वनवासी स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के योगदान और बलिदानों को सम्मानित करने तथा आमजन एवं भावी नागरिकों को उनके बलिदान से प्रेरणा लेने के लिए मनाया जाता है। वर्ष 2021 को केन्द्रीय मंत्रिमंडल द्वारा 15 नवंबर को स्वतंत्रता संग्राम सेनानी भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के उपलक्ष्य में इसे जनजातीय गौरव दिवस घोषित किया व रांची में वनवासी स्वतंत्रता सेनानी संग्रहालय उद्घाटन भी शामिल हैं। इस वर्ष भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती है। सामाजिक-आर्थिक विकास, आजीविका एवं उद्यमिता, कला-संस्कृति एवं धरोहर, शिक्षा और कौशल विकास, स्वास्थ्य जनजातीय समाज की जीवन शैली है। जनजातीय गौरव दिवस का मुख्य उद्देश्य वनवासी के हितों का संरक्षण एवं संवर्धन करना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान कि भारत की वनवासी विरासत, संस्कृति, परंपराओं को जीवंत रखने के लिए व्यापक जागरूकता की अलख जगाने की आवश्यकता है और स्वतंत्रता संग्राम में वनवासी नायकों द्वारा दिए गए बलिदानों को उचित मान्यता प्रदान की जानी चाहिए। मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार पिछले 11 वर्षों से 'परंपराओं और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के साथ-साथ विकास' के सिद्धांत पर अथक रूप से कार्यरत है। मोदी ने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारतीय ज्ञान प्रणालियों, परंपराओं और सांस्कृतिक लोकाचार के संरक्षण और प्रोत्साहन को अत्यधिक महत्व दिया है। प्रधानमंत्री के विजन के अनुसार भविष्य के सुदृढ़ आत्मनिर्भर भारत के लिए 8.6 फीसदी वनवासी समुदाय को प्रोत्साहित और सशक्त बनाना हमारा कत्त्तव्य और साझा जिम्मेदारी है। जनजातीय समाज ने हमें प्रकृति के संरक्षण का मार्ग दिखाया। जनजातीय संस्कृति में छिपी है, गहरी आध्यात्मिकता, देश के लिए संघर्ष करने की परंपरा जनजातीय परंपरा रही है। जीवन जीने की कला जनजातीय समाज से सीखनी चाहिए। सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण और राष्ट्रीय गौरव, वीरता तथा आतिथ्य के भारतीय मूल्यों को बढ़ावा देने में वनवासियों के प्रयासों को मान्यता देने हेतु प्रतिवर्ष जनजातीय गौरव दिवस का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन के खिलाफ भारत के विभिन्न क्षेत्रों में कई वनवासी आंदोलन किए। इन वनवासी समुदायों में तामार, संथाल, खासी, भील, मिजो और कोल शामिल हैं। 'जनजातीय समाज का गौरवशाली अतीत, ऐतिहासिक, सामाजिक एवं आध्यात्मिक योगदान' पर कार्यशाला आयोजित कर इसे भव्य रूप से मनाया जाए। जनजातीय समाज का गौरवशाली इतिहास रहा है। यह सोचकर गर्व होता है कि अनेक महान स्वतंत्रता सेनानियों का जन्म जनजातीय समाज में हुआ। अपने देश के लिए संघर्ष करने की परंपरा जनजातीय समाज में प्रारंभ से रही है। शहीद वीर नारायण सिंह, गैंदसिंह, गुण्डाधूर जैसे अनेक महान नायकों ने अपना बलिदान दिया। पूरी दुनिया आज जलवायु परिवर्तन की गंभीर चुनौतियों से गुजर रही है। ऐसे में प्रकृति का संरक्षण बहुत आवश्यक है। जनजातीय समाज ने हमें प्रकृति के संरक्षण का मार्ग दिखाया है, जो आज भी अनुकरणीय है। जनजातीय समाज में प्रकृति की पूजा की जाती है। जनजातीय संस्कृति में गहरी आध्यात्मिकता छिपी है। प्रकृति को सहेजकर, प्रकृति के अनुकूल जीवन जीना। बड़े-छोटे, स्त्री-पुरुष में किसी तरह का भेदभाव नहीं। सब बराबर हैं और प्रकृति का उपहार सबके लिए है। ये बातें हमें इस समाज से सीखने की आवश्यकता है। वास्तव में जीवन जीने की कला जनजातीय समाज से सीखनी चाहिए। जनजातीय समाज में दहेज जैसी सामाजिक बुराई का अस्तित्व नहीं है। भगवान बिरसा मुंडा का शौर्य हमें हमेशा जीवन में साहस की राह दिखाता है। उन्होंने शोषणमुक्त समाज का सपना देखा था। मोदी ने उन्हीं की परिकल्पना के अनुरूप प्रधानमंत्री जनमन योजना प्रारंभ कर विशेष पिछड़ी जनजाति के लोगों के जीवन में समृद्धि लाने का प्रयास किया है, जिसमें जनजातीय बहुल 63 हजार गांवों के 5 करोड़ से अधिक लोग लाभान्वित होंगे। जनजातीय लोग कभी दिखावा नहीं करते, उनकी सरलता-सहजता मन मोह लेती है। जनजातीय समाज की खानपान की शैली बीपी-शुगर जैसी लाइफ स्टाइल से जुड़ी बीमारियों से दूर रखती है। शिक्षा विभाग द्वारा जनजातीय समाज का गौरवशाली अतीत पर कार्यशाला आयोजित कर जनजातीय समाज के गौरव को पूरे समाज के सामने लाने में मील का पत्थर साबित होगी। देश के स्वतंत्रता संग्राम में जनजातीय समाज का बहुत बड़ा योगदान रहा है। इस समाज में अनेक महापुरुषों ने जन्म लिया जिन्होंने 1857 क्रांति के पहले ही अंग्रेजों के विरुद्ध संघर्ष की शुरुआत की। स्वतंत्रता संग्राम के दौरान अंग्रेजों को बड़ा नुकसान जनजातीय क्षेत्रों में हुआ, अनेक मौकों पर उन्हें मजबूर होकर पीछे हटना पड़ा। अंग्रेजों ने जब बस्तर में रेल लाईन बिछाने का काम शुरू किया, उसमें लकड़ी का उपयोग किया जाता था। जनजातीय समाज ने इसका विरोध किया और यह भाव जताया कि हमारा जंगल कोई नहीं काटेगा। सामाजिक एकजुटता के कारण बहुत कुछ संरक्षित रहा। बस्तर दशहरा सामाजिक समरसता का सबसे बड़ा प्रमाण है। इस समाज में 80 प्रतिशत परिवार संयुक्त परिवार हैं। मिलेट का उपयोग, जैविक खेती जैसी अनेक बातें जनजातीय समाज से शिक्षित समाज को सीखने की आवश्कता है। पारंपरिक अनाज, जिन्हें भूल चुके थे भारतीय, पर आज दुनिया कहती है 'सुपर फूड' बाजार में आज ज्वार, बाजरा और क्विनोवा जैसे अनाजों की मांग बढ़ गई है और ये बेवजह नहीं है। लेकिन जिस अनाज को छोड़ हम आगे बढ़े थे, आज पूरी दुनिया फिर से उसी अनाज की तरफ वापस लौट रही है। धरती आबा बिरसा मुंडा का जन्म खूंटी के उलिहातू में 15 नवंबर 1875 को हुआ। बिरसा की प्रारंभिक शिक्षा चाईबासा के जर्मन मिशन स्कूल में हुई। पढ़ाई के दौरान ही बिरसा के क्रांतिकारी तेवर का पता चलने लगा। उनकी उपलब्धियों की सूची लंबी है। बहरहाल, देश उनकी जयंती पर उन्हें नमन करता है।

आप का नजरीया

चीखते बस रूट

न्यूनतम बस किराए पर पुनः प्राइवेट बसों के रूट चीख रहे हैं। निजी बस आपरेटरों ने परिवहन के कल-पुर्जों का कुशलक्षेम पूछने के बाबत यह मांग कर डाली है कि न्यूनतम किराया बीस रुपए किया जाए। हिमाचल की बदलती जीवन शैली और परिवहन की जरूरतों में आ रहे बदलाव को इस बिंदु पर समझना होगा कि स्थानीय यातायात के दबाव को कैसे घटाया जाए। कोविड काल के इम्तिहान ने स्थानीय स्तर पर यातायात को निजी प्रयास से ऐसे जोडा कि लोगों ने सार्वजनिक परिवहन के स्थान पर अपने वाहन खरीद लिए। हिमाचल में पुरानी गाडिय़ों का बाजार सार्वजनिक परिवहन की संभावना और क्षमता को कमजोर ही नहीं कर रहा, बल्कि सडक़ों पर यातायात का दबाव भी बढ़ा रहा है। सार्वजनिक परिवहन को बदलते सामाजिक परिदृश्य में समझने की जरूरत के लिए एक व्यापक परिवहन नीति की जरूरत है। प्रदेश में बसों के मुकाबले निजी वाहन क्यों बढ़ रहे हैं या बस रूटों की पैमाइश में क्यों यह विकल्प सुविधाजनक एवं सार्थक बन रहा है, इसको लेकर बदलाव की जरूरत है। सरकारी बसों की आमदनी को ढोती अंतरराज्यीय बसें अगर एक स्थायी स्तंभ हैं, तो अंतरजिला बसों में सार्वजनिक बनाम प्राइवेट के बीच प्रतिस्पर्धा का आलम बढ़ रहा है। प्रदेश में सडक़ों पर वाहनों का दबाव कम करने के लिए इंटरसिटी व स्थानीय बस सेवाओं को बढ़ाने के अलावा इनके संचालन को दुरुस्त करना होगा। मौजूदा दौर में स्थानीय बस रूटों पर टिकी निजी बसें या तो ओवरलोडिंग से अपनी वित्तीय व्यवस्था को बचा रही हैं या करों के आतंक से बचने के लिए पनाह ढूंढ रही हैं। ओवरलोडिंग की ख्वाहिश के कारण सडक़ों पर बसों की अनयंत्रित गति का समाधान, परिवहन की नीति से निकल सकता है। अगर बसों की टिक्टिंग में राज्य का दखल किसी ऐप के माध्यम से हो, तो एक पारदर्शी व्यवस्था स्थापित हो सकती है। स्थानीय स्तर पर निजी और सरकारी वाहनों में कई तरह के गठजोड़ हैं। मसलन महिलाओं की सवारी अगर आधे टिकट पर सरकारी बस को प्राथमिक बनाती है, तो एक बड़ी संभावना से प्राइवेट बसें वंचित हो जाती हैं। इसी तरह अगर निजी बसें नियमित सवारियों को किराए में छूट का लालच तथा छुट्टी के दिन अपने फेरे घटा कर चलें, तो सरकारी बसों में कौन बैठेगा। ऐसे में टिक्टिंग की सारी व्यवस्था एक ऐप के जरिए होनी चाहिए ताकि संपूर्ण परिवहन को एक ढांचे में आर्थिक खुशहाली मिले। इसी परिप्रेक्ष्य में न्यूनतम किराए की मांग को देखना होगा। आज परिवहन केवल बस यात्रा नहीं है, अतः स्थानीय परिवहन को बस यात्रा में सक्षम करने की जरूरत में न्यूनतम किराए की सीमा बढ़ानी होगी। अगर टैक्सी संचालन में जनता की जरूरतों का आकलन किराए से किया जाए, तो बस यात्रा की न्यूनतम दर बीस रुपए भी न्यायोचित हो जाएगी। फर्क सिर्फ इतना है कि उस स्थिति में प्वाइंट टू प्वाइंट यात्रा की टिकट दरें घोषित होने के साथ-साथ समय की सीमा भी तय की जाए।

वोटिंग के बीच निर्दलीय प्रत्याशी नरेश मीना ने खोया आपा, एसडीएम को जड़ा थप्पड़

जयपुर (हिंस)। राजस्थान में उपचुनाव के लिए सात विधानसभा सीटों पर मतदान की प्रक्रिया जारी है। ऐसे में देवली-उनियारा सीट से कांग्रेस के बागी और निर्दलीय प्रत्याशी नरेश मीना ने आपा खोते हुए एसडीएम को थप्पड़ मार दिया। नरेश मीना वोटिंग के दौरान लगातार आयोग पर चुनाव चिह्न को लेकर आरोप लगा रहे थे। उनका कहना था कि ईवीएम मशीन में उनका चुनाव चिन्ह को हल्का दिखाई दे रहा है। उपचुनाव में वोटिंग के दौरान निर्दलीय प्रत्याशी नरेश मीणा ने एसडीएम अमित चौधरी के थप्पड़ जड़ दिया। वे समरावता (देवली-उनियारा) मतदान केंद्र में जबरन घुसने की कोशिश कर रहे थे। प्रशासन व पुलिस के जवानों ने उन्हें रोकने की कोशिश की तो उनकी हाथापाई हो गई। राजस्थान उपचुनाव में कांग्रेस से टिकट नहीं मिलने से नाराज नरेश मीना ने देवली-उनियारा सीट से चुनावी रण में है। उन्होंने निर्दलीय ताल ठोकते हुए कांग्रेस प्रत्याशी कस्तूर चंद मीना की राह कठिन कर दी है। निर्दलीय प्रत्याशी नरेश मीना ने यहां की लड़ाई को त्रिकोणीय बना दिया है। 2023 के विधानसभा

चुनाव में देवली-उनियारा सीट से विधायक चुने गए हरीश चंद्र मीना के टोंक-सवाईमाधोपुर से सांसद बन जाने के बाद यह सीट खाली हो गई थी। 2023 में हरीश चंद्र मीना ने भाजपा के विजय बैंसला को हराया था। 2023 के मुख्य चुनाव में यहां 74.37 प्रतिशत मतदान हुआ था। झुंझुनूं के कलां गांव में फर्जी वोटिंग के विवाद में मारपीट हो गई। दावा किया जा रहा है कि निर्दलीय कैंडिडेट राजेंद्र गुढ़ा के एजेंट ने दूसरे प्रत्याशी के फर्जी वोटर को रोकने की कोशिश की तो दोनों में विवाद हो गया। मौके पर पहुंची पोलिंग पार्टी ने स्थिति संभाली। इधर खींवसर के कुचेरा में मतदान के दौरान एक बुजुर्ग कालूलाल घांची (68) को हार्टअटैक आ गया। बूथ पर मौजूद पुलिस के जवान अर्जुनलाल ने सीपीआर देकर उनकी जान बचाई। वहीं, देवली-उनियारा विधानसभा सीट के दो गांवों बीसलपुर व समरावता में ग्रामीणों ने अलग-अलग मांगों के चलते मतदान का बहिष्कार किया है। इनमें देवली-उनियारा सीट पर सबसे ज्यादा 3.02 लाख वोटर्स हैं। उपचुनाव के नतीजे 23 नवंबर को आएंगे। सातों सीटों पर हो रहे उपचुनाव में 69 कैंडिडेट मैदान में है। उपचुनाव के नतीजे सरकार और विपक्ष दोनों के सियासी नरेटिव को तय करेगा। पांच सीट खींवसर, सलूंबर, चौरासी, देवली-उनियारा और झुंझुनूं सीट पर कांटे की टक्कर है। इन चुनावों में हनुमान बेनीवाल और किरोड़ीलाल मीणा जैसे राजनीतिक दिग्गजों की भी सियासी प्रतिष्ठा दांव पर है। क्योंकि खींवसर से हनुमान बेनीवाल की पत्नी और दौसा से किरोड़ीलाल के भाई चुनावी मैदान में हैं।

गरीबों के लिए पांच लाख मकान बनाएगी नायब सरकार

कार्यस्थल के पास श्रमिकों के लिए बनेंगे एक लाख मकान

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा सरकार ने ग्रामीण व शहरी क्षेत्र में रहने वाले गरीबों के लिए पांच लाख नये घर बनाने का निर्णय लिया है। इसके अलावा, श्रमिकों के लिए उनके कार्यस्थल के आसपास एक लाख घर अतिरिक्त बनाये जाएंगे। हरियाणा के राज्यपाल बंडारु दत्तात्रेय ने बुधवार को विधानसभा के शीतकालीन सत्र के पहले दिन अपने अभिभाषण में नायब सिंह सैनी की सरकार का रोडमैप पेश किया। प्रदेश सरकार ने गांव स्तर पर खेलों का ढांचा मजबूत करने तथा धरातल पर खिलाड़ियों को प्रोत्साहन देने के लिए राज्य की हर ग्राम पंचायत को 25 लाख रुपए की राशि देने का बड़ा निर्णय लिया है। इस वित्तीय सहायता को खेल प्रोत्साहन राशि का नाम दिया गया। प्रदेश सरकार ने राज्य के हर जिले में अलग-अलग ओलम्पिक खेलों की नर्सरियां बनाने का खाका भी तैयार किया है, जिसके लिए खेल अधिकारियों को कार्य योजना बनाने के निर्देश दे दिये गए हैं। चिरायु योजना के तहत मुफ्त इलाज की सीमा को पांच लाख रुपए से बढ़ाकर 10 लाख रुपए किया जाएगा। अभी एक लाख 80 हजार रुपए तक वार्षिक आय वाले सभी परिवारों को *चिरायु आयुष्मान* के तहत सालाना पांच लाख रुपए तक मुफ्त उपचार की सुविधा मिल रही है। इसी तरह एक लाख 80 हजार से तीन लाख

रुपए तक तथा तीन लाख से पांच लाख रुपए और पांच लाख से अधिक सालान आय वाले सभी परिवारों को वार्षिक अंशदान के आधार पर स्वास्थ्य बीमा योजना का लाभ देने का फैसला लिया गया है। राज्य के मेडिकल कालेजों में सीटों की संख्या बढ़ाकर साढ़े तीन हजार की जांएगी। हर जिले के सिविल अस्पताल में आइसीयू खोला जाएगा तथा हर 60 किलोमीटर की दूरी पर एक ट्रामा सेंटर खोला जाएगा। जिन जिला स्तरीय सिविल अस्पतालों में सौ बेड की व्यवस्था है।

पूर्व सीएम हुड्डा की मुश्किलें बढ़ी

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा के विरुद्ध चल रहे प्लॉट आवंटन मामले में बुधवार को नया मोड़ ले लिया। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने पंचकूला स्थित पीएमएलए की विशेष अदालत की ओर से सुनवाई पर रोक लगाए जाने के करीब छह माह बाद आज को पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट में इस आदेश को चुनौती दी है। हाईकोर्ट ने आवेदन को स्वीकार कर लिया है। हुड्डा पर आरोप है कि उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान बतौर मुख्यमंत्री हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष पद पर रहते हुए अयोग्य आवेदकों को प्लॉट बांटे दिए थे। इसके लिए उन्होंने अपने अनुसार नियमों में बदलाव भी किया। मामले की सुनवाई करते हुए पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट के जस्टिस महाबीर सिंह सिंधू ने अगली सुनवाई नौ दिसम्बर तय करते हुए याचिका पर नोटिस जारी किया।

दरबार साहिब में फिसले सुखबीर बादल, टांग में हेयरलाइन फ्रैक्चर

चंडीगढ़ (हिंस)। अकाल तख्त साहिब की तरफ से तनखैया घोषित किए गए शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर बादल बुधवार को दरबार साहिब परिसर में गिर गए, जिससे उनकी टांग में हेयरलाइन फ्रैक्चर आया है। डाक्टरों ने उन्हें आराम करने की सलाह दी है। पंथ विरोधी गतिविधियों के चलते सुखबीर बादल को हाल ही में तनखैया करार दिया गया था। इसके बाद अकाल तख्त साहिब की तरफ से सुखबीर बादल को धार्मिक सजा नहीं सुनाई गई है। जिसके चलते सुखबीर बादल पार्टी नेता दलजीत सिंह चीमा व अन्यों के साथ बुधवार को अकाल तख्त साहिब सचिवालय में पेश हुए। यहां सुखबीर बादल ने अकाल तख्त साहिब सचिवालय के अधिकारियों से मुलाकात करके जत्थेदार ज्ञानी रघुबीर सिंह के नाम अपील की कि उन्हें धार्मिक सजा सुनाई जाए। वह गुरु पंथ की मर्यादा के अनुसार यह सजा भुगतने के लिए तैयार हैं। बताया जाता है कि अकाल तख्त सचिवालय में अधिकारियों से मुलाकात करने के बाद जैसे ही सुखबीर बादल बाहर निकले तभी उनका पांव कुर्सी में उलझ गया और वह गिर गए। इसके बाद भी सुखबीर बादल ने दरबार साहिब में रहे लोगों और मीडिया से भी बातचीत की। कुछ समय बाद उनकी टांग सूज गई, जिसके बाद उन्हें अमृतसर के गुरु रामदास अस्पताल में ले जाया गया। डॉक्टरों ने जांच के बाद उनकी दाहिनी टांग में हेयरलाइन फ्रैक्चर बताया, जिसके बाद सुखबीर बादल को प्लास्टर चढ़ाकर घर भेज दिया गया। डॉक्टरों ने उन्हें अगले दस दिन तक आराम करने की सलाह दी है।

झारखंड में चुनावी ड्यूटी छोड़कर आए राजस्थान के आईपीएस किशन सहाय सस्पेंड

जयपुर (हिंस)। चुनाव आयोग ने राजस्थान कैडर के भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के अधिकारी किशन सहाय को सस्पेंड कर दिया है। किशन सहाय मीणा आईजी मानवाधिकार के पद पर पुलिस मुख्यालय में तैनात थे। विधानसभा चुनाव के दौरान उनकी ड्यूटी झारखंड में लगाई गई थी। इस संबंध में चुनाव आयोग ने मुख्य सचिव राजस्थान को पत्र भेजा है। चुनाव आयोग ने पत्र में लिखा कि झारखंड विधानसभा चुनाव में किशन सहाय मीणा को गुमला जिले के 67-सिसई, 68-गुमला और 69-बिशुनपुर में पुलिस पर्यवेक्षक के रूप में तैनात किया गया था। आयोग की स्वीकृति के बिना 28 अक्तूबर 2024 को किशन सहाय ने ड्यूटी स्थल छोड़ दिया। पत्र में लिखा गया कि पुलिस पर्यवेक्षक की नियुक्ति चुनाव आयोग भारत के संविधान के तहत करता है। किशन सहाय का नाम राजस्थान सरकार की ओर से 21 अक्तूबर को भेजा गया था। किशन सहाय के आदेश 23 अक्तूबर को किए गए थे। उन्हें नामांकन दाखिल करने के अंतिम दिन से एक दिन पहले 24 अक्तूबर को निर्धारित निर्वाचन क्षेत्रों में रिपोर्ट करने के निर्देश दिए गए थे। उन्हें फॉर्म 17ए की जांच और पुनर्मतदान हो तो उसके बाद निर्वाचन क्षेत्र छोड़ने के आदेश दिए हुए थे। उन्होंने 28 अक्तूबर को निर्वाचन क्षेत्र छोड़ दिया था। आयोग की मंजूरी लिए बिना जयपुर चले गए थे। इसे चुनाव आयोग ने गंभीर माना। इस पर मुख्य सचिव और डीजीपी को 11 नवंबर को पत्र जारी कर सस्पेंड करने के आदेश दिए थे। आईपीएस किशन सहाय पहले भी विवादों में रहे हैं। उन्होंने धार्मिक टिप्पणी की थी। उन्होंने कहा था कि धर्म ग्रंथों में जिनका भी वर्णन कर रखा है, वह कल्पना मात्र की बातें हैं। किशन सहाय प्रमोटी आईपीएस अधिकारी हैं। साल 2013 में आईपीएस बने थे। अगस्त 2013 में इन्हें एसपी टोंक लगाया गया था, लेकिन 11 जनवरी 2014 को यहां से एसपी जीआरपी अजमेर लगाया गया था। यहां किशन सहाय पूरे एक साल तक रहे। इसके बाद उन्हें सरकार ने एपीओ कर दिया था। करीब छह महीने एपीओ रहने के बाद सरकार ने किशन सहाय को सीआईडी सीबी में एसपी लगाया। किशन सहाय यहां साढ़े चार साल तक रहे। सीआईडी सीबी के बाद जेल और फिर दोबारा सीआईडी सीबी में लगाया गया।

राइजिंग राजस्थान इन्वेस्टमेंट समिट में छलका दर्द

बीकानेर (हिंस)। संभाग मुख्यालय पर आयोजित जिला स्तरीय राइजिंग राजस्थान इन्वेस्टमेंट समिट में वैसे तो 131 निवेशकों के 32 हजार करोड़ के एमओयू पर दस्तखत हुए। लेकिन इन्वेस्टमेंट समिट का माहौल उस वक्त गरमा गया जब बीकानेर के एक बड़े औद्योगिक घराने के एक स्थानीय व्यापारी का दर्द भरा बयान सभी का ध्यान खींच गया। समिट में बोलते हुए बीकाजी समूह के निदेशक दीपक अग्रवाल ने शहर की समस्याओं का ऐसा चित्र खींचा कि वहां बैठे अधिकारी भी असहज महसूस नजर आए। दरअसल जिला स्तरीय राइजिंग राजस्थान इन्वेस्टमेंट समिट चल रही थी। इस दौरान अग्रवाल ने अपने संबोधन में कहा कि पूरे देश में पॉलिथीन बैन है। मगर बीकानेर में जहां देखो पालिथीन की भरमार दिखाई देती है। वे यही नहीं रुके उन्होंने कहा कि हम निवेश के लिए बाहरी व्यापारियों को यहां बुलाते हैं। बड़े-बड़े वादे करते हैं। लेकिन जब वे शहर में कदम रखते हैं तो उन्हें गंदगी, खराब सड़कें और बदहाल यातायात जैसी समस्याएं ही मिलती हैं। ऐसे में, शहर को देखकर खुद पर शर्म महसूस होती है। उन्होंने कहा कि इससे ज्यादा मैं कुछ और बोलूंगा तो यहां बैठे कुछ लोग नाराज़ भी हो जाएंगे। उनकी इस बेबाक राय ने समिट के अन्य व्यापारियों और निवेशकों को सोचने पर मजबूर कर दिया। हालांकि समिट के दौरान 131 निवेशकों ने 32हजार करोड़ रुपए के एम ओ यू पर हस्ताक्षर किए हैं। इस समिट में केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल, चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े।

प्रधानमंत्री मोदी के शासन में बिहार को मिला दूसरा एम्स : मुख्यमंत्री नीतीश

दरभंगा (हिंस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को बिहार के दरभंगा में पटना के बाद दूसरे एम्स की आधारशिला रखी। यह दरभंगा के शोभन में बनेगा। इस मौके पर अपने संबोधन में मुख्यमंत्री नीतीश ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी के शासन में 2015 में बिहार में दूसरे एम्स का निर्णय लिया गया था। अब इसका निर्माण हो रहा है। इससे काफी खुशी हो रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज महत्वपूर्ण दिन है। दरभंगा एम्स का शिलान्यास पीएम मोदी कर रहे हैं। इससे बिहार के लोगों को अच्छी चिकित्सा सुविधा मिलेगी। वर्ष 2003 में तत्कालीन अटल बिहारी वाजपेयी के कार्यकाल में पहली बार पटना में एम्स के निर्माण का फैसला लिया गया था। पटना में एम्स बना और काफी लोग इलाज कराने यहां आते हैं। दूसरी बार पीएम नरेंद्र मोदी के शासन में 2015 में भी बिहार में दूसरे एम्स का निर्णय लिया गया था। तत्कालीन वित्त मंत्री अरुण जेटली से हम जाकर मिले थे। इसके बाद अब इसका निर्माण हो रहा है। नीतीश ने कहा कि पहले दरभंगा मेडिकल कॉलेज को एम्स में तब्दील करने की बात कही गई थी लेकिन उसमें थोड़ी दिक्कत आई थी। फिर शोभन में एम्स बनाने का प्रस्ताव दिया गया। इसे अब स्वीकार कर लिया गया है। राज्य सरकार इस तक पहुंच बनाने के लिए

रास्ता चौड़ा करने जा रही है। डीएमसीएच में एम्स बनाना संभव नहीं था। नई जगह एम्स बनने से दरभंगा से विस्तार होगा। उल्लेखनीय है कि एम्स के साथ प्रधानमंत्री ने कुल 12 हजार करोड़ से अधिक की योजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण किया। इसके अलावा 398 करोड़ की लागत से बनने वाली दरभंगा बाईपास रेल लाइन का भी वर्चुअली उद्घाटन किया।

बिहार की चार सीटों पर उपचुनाव शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न, 51 प्रतिशत रहा मतदान

पटना (हिंस)। बिहार विधानसभा की चार सीटों पर हुआ उप चुनाव शांतिपूर्ण संपन्न हो गया। उपचुनाव में शाम पांच बजे तक 51.36 प्रतिशत मतदान हुआ। बिहार पुलिस मुख्यालय द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक बिहार में कुल 04 विधान सभा क्षेत्रों-इमामगंज (एससी) एवं बेलागंज (जिला-गया) तरारी (जिला-भोजपुर) तथा रामगढ़ (कैमूर) में कुल 1273 मतदान केंद्रों पर मतदान शांतिपूर्ण संपन्न हुआ। स्वच्छ एवं शांतिपूर्ण मतदान के लिए बिहार पुलिस के द्वारा पूर्ण तैयारी की गई थी। 04 विधानसभा उप-चुनाव के लिए करीब 7, 000 सुरक्षा बलों एवं 2, 550 गृहरक्षकों की तैनाती की गई थी। सुरक्षा बलों में अर्द्धसैनिक बल, बिहार विशेष सशस्त्र पुलिस एवं जिला बल शामिल थे। इसके साथ ही अश्वारोही दल एवं बम निरोधक दस्ते की भी प्रतिनियुक्ति की गई थी। भोजपुर एवं कैमूर जिलों की सीमा उत्तर प्रदेश राज्य एवं गया जिले की सीमा झारखंड राज्य से सटे हुए है। अत: बिहार-उत्तर प्रदेश राज्यों की सीमा पर 08 चेक पोस्ट एवं बिहार झारखंड राज्यों की सीमा पर भी 08 चेक पोस्ट लगाए गए थे। इसके अतिरिक्त राज्य के अंदर चेक पोस्ट/नाका लगाए गए थे। सोशल मीडिया पर भी बिहार पुलिस के द्वारा 24×7 निगरानी रखी जा रही थी। आदर्श आचार संहिता लागू होने से चुनाव संपन्न होने तक कुल 24 अवैध हथियारों तथा 59 कारतूसों की बरामदगी की गई। साथ हीं कुल 734 अनुज्ञप्ति प्राप्त हथियारों को जमा कराया गया। कुल 887 गैर जमानतीय वारण्टों का निष्पादन किया गया।

महाकुंभ : भारत के जवानों संग इजरायल अमेरिका और फ्रांस के दिग्गज करेंगे गंगा आरती

प्रयागराज (हिंस)। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं को महाकुंभ की नव्यता, दिव्यता और भव्यता का एहसास कराने की तैयारी में जुटी है। वहीं दुनिया के विशिष्ट लोग भी महाकुंभ में सम्मिलित होने और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात करने को लालायित हैं। महाकुंभ में पहली बार इजरायल, अमेरिका और फ्रांस समेत तमाम देशों के दिग्गज गंगा आरती में शामिल होने की तैयारी कर रहे हैं। उनके साथ सेना के जवान भी शामिल होंगे। हरिहर गंगा आरती समिति रामघाट प्रयागराज के अध्यक्ष सुरेश चन्द्रा ने बताया कि काशी के तर्ज पर प्रयागराज में वर्ष 1997 में गंगा आरती की शुरुआत की गई। जिसके बाद से लेकर आज तक यह क्रम अनवरत जारी है। इसी के तहत, महाकुंभ के दौरान मुख्यमंत्री योगी के साथ ही देश के कोने-कोने से आ रहे विशिष्ट संतों का सम्मान करने की योजना बनाई गई है। भारत के सभी प्रमुख तीर्थ स्थलों के संतों का एक साथ महाकुंभ के महा आयोजन में शामिल होना अविस्मरणीय होगा। भारत के सबसे बड़े राज्य के मुखिया योगी आदित्यनाथ के प्रति विश्व के ताकतवर देशों के लोगों में क्रेज लगातार बढ़ रहा है। इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि भारत के जवानों के साथ इजरायल, अमेरिका, फ्रांस,

वियतनाम, इटली, कनाडा और म्यांमार के नामी लोग मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मिलने भारत आ रहे हैं। उन्होंने बताया कि ये सभी विदेशी मेहमान यहां की प्रसिद्ध गंगा आरती में शामिल होंगे। उनके साथ भारतीय सेना के बड़े अधिकारी भी रहेंगे। ये सभी हरिहर गंगा आरती समिति के मेहमान होंगे। अयोध्या के प्रसिद्ध साधु संत महाकुंभ को यादगार बनाने के लिए पौधरोपण भी करेंगे। राम वैदेही मंदिर के प्रमुख संत स्वामी दिलीप दास त्यागी ने बताया कि अयोध्या के संतों ने पर्यावरण को स्वच्छ रखने के लिए एक लाख ग्यारह हजार पौधे लगाने का संकल्प लिया है, जिसे महाकुंभ के दौरान अंतिम रूप दिया जाएगा। स्वामी दिलीप दास जी के साथ अयोध्या के कई और भी प्रमुख संत महाकुंभ को अविस्मरणीय बनाने की तैयारी में हैं।

समाजवाद की सबसे पवित्र धारा जनता दल यूनाइटेड : मनीष वर्मा

मधेपुरा/पटना (हिंस)। बिहार के मधेपुरा में आज जदयू के कार्यकर्ता समागम को संबोधित करते हुए मनीष वर्मा ने कहा कि समाजवाद की असली धरती मधेपुरा है। समाजवाद की सबसे पवित्र धारा जनता दल यूनाइटेड है। समाजवाद का अर्थ ही है कि सभी को समान अधिकार व अवसर मिले। मनीष वर्मा ने कहा कि नीतीश कुमार ने पूरे बिहार को बदल दिया है। निरंतर 19 सालों से नीतीश कुमार हमारा नेतृत्व कर रहे हैं और सरकार में रहकर बिहार के लिए निरंतर विकास का काम कर रहे हैं। उनसे ही पूरे बिहार को उम्मीद है और उनके उम्मीद पर खरा उतरने का काम नीतीश कुमार ने किया है। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार को कैसा बिहार मिला था और उन्होंने कहां से कहां लाकर बिहार को खड़ा किया है। निश्चित रूप से उनके दूरगामी सोच एवं नीति के कारण और जदयू के प्रत्येक कार्यकर्ता के समर्पण के कारण नीतीश कुमार ने बिहार को इतना बदलने का काम किया है। क्योंकि, हमारे नेता का नारा है, न्याय के साथ विकास यानी विकास ऐसा हो, जिसमें प्रत्येक वर्ग, समुदाय, जाति, धर्म सबको विकास का लाभ मिले। मनीष वर्मा ने कहा कि बिहार के परिवर्तन में जदयू के प्रत्येक कार्यकर्ता का योगदान है। यह सरकार या पार्टी मात्र एक नीतीश कुमार के नाते ही नहीं चल रही है, बल्कि उनके नेतृत्व में प्रत्येक कार्यकर्ता के समर्पण से चल रही है। सभी कार्यकर्ताओं का सरकार बनाने और बिहार के विकास में महत्वपूर्ण योगदान है। इसके पूर्व उन्होंने पार्टी के सभी पूर्व व वर्तमान जनप्रतिनिधियों, प्रदेश एवं राष्ट्रीय पदाधिकारियों के साथ बैठक की। इसमें जदयू के जिला इकाई के समस्त कार्यकर्ता, प्रमंडल व विधानसभा प्रभारी, सभी प्रकोष्ठों के जिला अध्यक्ष तथा जिला इकाई के समस्त कार्यकर्ता, प्रमंडल प्रभारी समस्त विधानसभा प्रभारी, प्रखंड व पंचायत इकाई के समस्त कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

ब्रह्म चौदस पर होगा संतो का शाही स्नान, कैलाश खेर बिखेरेंगे गायिकी के जलवे

अजमेर (हिंस)। अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त पुष्कर मेला जहां अब अपने पूरे यौवन पर पहुंचता जा रहा है तो वही पुष्कर मेला क्षेत्र में भी मेलार्थियों की भीड़ देखने को मिल रही है। मेला क्षेत्र रात्रि में रंग बिरंगी रोशनी में नहाया नजर आता है। मेलार्थी मौज मस्ती करते आनन्द लेते मेले में खरीदारी करते खाते पीते नजर आ रहे हैं। भारी भीड़ देखने को मिल रही है। देर रात्रि तक मेला क्षेत्र में मेलार्थी विभिन्न प्रकार के झूलों का जमकर लुत्फ उठा रहे हैं तो वहीं विभिन्न प्रकार के व्यंजनों का भी मजा उठा रहे हैं। पुष्कर मेले में काफी संख्या में विभिन्न प्रकार के झूले आए हैं जिसमें छोटे-छोटे बच्चे युवा महिलाएं सभी विभिन्न प्रकार के झूलो में जमकर आनन्द उठा रहे हैं। मेला क्षेत्र में लगी दुकानों पर जमकर खरीदारी की जा रही है। अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त पुष्कर मेले पर ब्रह्म चौहदस पर संतों द्वारा शाही स्नान गुरुवार को होगा। प्रतिवर्ष होने वाला शाही स्नान सैन भक्ति पीठ के पीठाधीश्वर सैनाचार्य स्वामी अचलानन्दाचार्य एवं राम रमैया आश्रम के महन्त प्रेमानन्द महाराज के संयुक्त तत्वावधान में सप्तऋषि घाट पर सभी संत महंतों द्वारा किया जाएगा। सैन भक्ति पीठ के प्रवक्ता हरिप्रसाद पाराशर ने बताया संन्यास आश्रम के यहां से प्रात: 7.30 बजे बैंड बाजों के साथ निकलेंगी। जो रामधनी करते हुए रामधाम तिराहा, नवखंडी हनुमान मंदिर, गुरुद्वारा के पीछे होते सप्तऋषि घाट पर स्नान करेंगे। इसके पश्चात ब्रह्म घाट, ब्रह्म चौक, गऊ घाट, सदर बाज़ार, वराह घाट, होते गंतव्य पहुंचेगी। पुष्कर के सालाना मेले में गुरुवार की शाम 7 बजे ख्याति प्राप्त बॉलीवुड सिंगर कैलाश खेर की लाइव कंसर्ट होगी। इस दौरान वे रंगबिरंगी लाईटों की रोशनी के बीच सुर एवं संगीत की सरिता बहा कर मेलार्थियों की वाह-वाहि लूटेंगे। इस दौरान उमड़ने वाली प्रशंसकों व मेलार्थियों की भीड़ को ध्यान में रखते हुए जिला एवं पुलिस प्रशासन की ओर से मेला स्टेडियम में पुख्ता इंतजाम किए जाएंगे। अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त पुष्कर मेले में पशुपालन विभाग की तरफ से बुधवार को मेला मैदान में विदेशी पर्यटकों की सबसे आकर्षक साफा बांध प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसमें विदेशी पर्यटकों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया तथा कुल 17 प्रतिभागियों ने इस साफा बांध प्रतियोगिता में हिस्सा लेते हुए अपनी महिला साथी से तिलक लगाकर साफा बंधवाया इस दौरान इस साफा बांध प्रतियोगिता में रूस के ओल्गा नौसिकोवा व एनरिके सिलवा की जोड़ी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया तो द्वितीय स्थान इंग्लैंड के जेक और लकी की जोड़ी ने प्राप्त किया तथा तीसरा स्थान स्पेन के जॉली वह आहा की जोड़ी ने प्राप्त किया। तीनों विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया विदेशी पर्यटक साफा बांध प्रतियोगिता में काफी खुश हुए उन्होंने कहा कि राजस्थानी साफा उन्हें काफी अच्छा लगा और यह दिखने में काफी सुंदर लगता है। विदेशी पर्यटक साफा बांधकर खूब

फोटो खिंचवाई और काफी उत्साहित नजर आए। बुधवार को मेला मैदान में मूंछ प्रतियोगिता रखी गई जिसमें पांच विदेशी पर्यटक सहित 28 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया यह प्रतियोगिता काफी रोमांचक हुई और इसमें विदेशी पर्यटकों ने काफी उत्साह दिखाया मूंछ प्रतियोगिता में राम सिंह राजपुरोहित मेलावास पाली जिले ने एक बार फिर बाजी मारी इसके अलावा दूसरा स्थान शाहपुरा के इशाक खान और तीसरा स्थान जोधपुर के हिमांशु गुजर ने प्राप्त किया इस दौरान विदेशी पर्यटकों ने राम सिंह की मूंछों के साथ फोटो खींचे तथा राम सिंह अपनी मूंछों को ताव लगाकर जोरदार ठहाका लगाकर खूब तालियां बटोरी रामसिंह 2023 के पुष्कर मेले में भी प्रथम स्थान प्राप्त किया था। बुधवार को देसी और विदेशी खिलाड़ियों के बीच में लगान क्रिकेट मैच का आयोजन किया गया। यह मैच मजाक बनकर रह गया। विदेशी खिलाड़ी नहीं मिलने के कारण देसी और विदेशी खिलाड़ियों को मिलाकर एक टीम बनाई और नौ नौ खिलाड़ियों के बीच लगान मैच का आयोजन करवाया लेकिन मैच के दौरान जहां एक तरफ घोड़े की प्रतियोगिता हो रही थी तो वही दूसरी तरफ दर्शकों की भीड़ भी मैदान के बीच में थी, जिसके चलते खिलाड़ियो को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। जैसे तैसे करके इस लगान मैच को पूरा करवाया गया। जिसमें विदेशी खिलाड़ियों ने पहले खेलते हुए आठ ओवर में 37 रन बनाए तो वही देसी खिलाड़ियों ने यह मैच दो विकेट खोकर जीत लिया। इस दौरान दोनों टीमों के खिलाड़ियों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। अंतर्राष्ट्रीय पुष्कर मेले के तहत ब्रह्मा मंदिर स्थित एंट्री प्लाजा पर विख्यात गायक गौतम काले ने प्रभु भजनों की शानदार प्रस्तुति दी। उन्होंने सोऽहं हर डमरू बाजे, भरत पद और अन्य भजन सुनाए। ब्रह्मा मंदिर एंट्री प्लाजा पर भक्तिमय माहौल के बीच इंदौर के प्रसिद्ध भजन गायक गौतम काले ने भजनों की प्रस्तुति दी। काले ने सोऽहं हर डमरू बाजे, भरत पद, हनुमान लला मेरे प्यारे लला राम को राम बनाया तुमने और श्री गोविन्द आदि भजनों की प्रस्तुति दी। इन भजनों की प्रस्तुति पर श्रद्धालु भाव विभोर होकर झूम उठे। कार्यक्रम में काले ने कहा कि जगतपिता ब्रह्मा की नगरी तीर्थराज पुष्कर में भजन गाना अपने आप में सौभाग्य की बात है। इस अवसर पर जिला कलक्टर लोक बंधु, नगर परिषद सभापति कमल पाठक, अतिरिक्त जिला कलक्टर गजेंद्र सिंह, ज्योति ककवानी सहित जनप्रतिनिधि व अधकारी सहित आमजन उपस्थित रहे।

जिंका लॉजिस्टिक्स का आईपीओ खुला, निवेशक 18 नवंबर तक लगा सकेंगे बोली

नई दिल्ली

ट्रक मालिकों का डिजिटल प्लेटफॉर्म जिंका लॉजिस्टिक्स सॉल्यूशंस लिमिटेड का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) बुधवार को निवेशकों के लिए खुल गया। इस इश्यू के लिए निवेशक 18 नवंबर तक बोली लगा सकते हैं। कंपनी के शेयर बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर 21 नवंबर को सूचीबद्ध होंगे।

जिंका लॉजिस्टिक्स सॉल्यूशंस लिमिटेड ने आईपीओ के लिए मूल्य का दायरा 259-273 रुपये प्रति शेयर तय किया है। कंपनी के इस आईपीओ में निवेशक न्यूनतम 54 इक्विटी शेयर और उसके बाद 54 इक्विटी शेयरों के मल्टीपल में बोली लगा सकते हैं। जिंका लॉजिस्टिक्स सॉल्यूशंस की योजना इस आईपीओ के जरिए 1,115 करोड़ रुपये जुटाने की है। कंपनी पात्र कर्मचारियों को 25 रुपये प्रति इक्विटी शेयर का डिस्काउंट का ऑफर दे रही है।

कंपनी का एक रुपये फेस वैल्यू वाला यह आईपीओ 550 करोड़ रुपये के नए निर्गम और 2.06 करोड़ शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) का संयोजन है। इस आईपीओ में मूल्य दायरे के ऊपरी स्तर पर प्रवर्तकों और निवेशकों के ओएफएस का मूल्य 565 करोड़ रुपये बैठता है। जिंका लॉजिस्टिक्स सॉल्यूशंस नए निर्गम से प्राप्त 200 करोड़ रुपये की राशि का उपयोग बिक्री और विपणन पहल के लिए करेगी। इसके अलावा 140 करोड़ रुपये की राशि का इस्तेमाल ब्लैकबक फिनसर्व में निवेश के लिए किया जाएगा जबकि 75 करोड़ रुपये उत्पाद विकास से संबंधित व्यय के वित्तपोषण के लिए तथा एक हिस्सा सामान्य कंपनी अपने कामकाज में लगाएगी। उल्लेखनीय है कि जिंका लॉजिस्टिक्स सॉल्यूशंस लिमिटेड कंपनी ट्रक ऑपरेटरों (यूजर्स की संख्या के हिसाब से) के लिए भारत का सबसे बड़ा डिजिटल प्लेटफॉर्म है।

न्यूज ब्रीफ

मामूली लिस्टिंग के बाद स्विगी के शेयरों ने दिखाई मजबूती, आईपीओ निवेशकों के खिले चेहरे

नई दिल्ली। ऑनलाइन फूड डिलीवरी करने वाली कंपनी स्विगी के शेयर की शुरुआती चाल ने आईपीओ निवेशकों चेहरे खिला दिए हैं। स्टॉक मार्केट में कंपनी के शेयर करीब 7 प्रतिशत प्रीमियम के साथ लिस्ट हुए। आईपीओ के तहत 390 रुपये के भाव पर स्विगी के शेयर जारी किए गए थे। बीएसई पर इसकी लिस्टिंग 412 रुपये और एनएसई पर इसकी लिस्टिंग 420 रुपये के भाव पर हुई। हालांकिए लिस्टिंग के तुरंत बाद मुनाफा वसूली शुरू हो जाने की वजह से इसके शेयरों में गिरावट आ गई। लगातार हो रही बिकवाली के कारण स्विगी के शेयर 391 रुपये के स्तर तक गिर गए, लेकिन इसके बाद खरीदारी शुरू होने से इसने तेज छलांग लगा दी। खरीदारी के सपोर्ट से ये शेयर उछल कर 449 रुपये के भाव तक पहुंच गए। लगातार जारी खरीद बिक्री के बीच दोपहर 12 बजे स्विगी के शेयर 54 रुपये की मजबूती के साथ 444 रुपये के भाव पर ट्रेड कर रहे थे। स्विगी का 11,327.43 करोड़ रुपये का ये आईपीओ इस साल घरेलू शेयर बाजार में लॉन्च होने वाला दूसरा सबसे बड़ा आईपीओ है। इसके पहले अक्टूबर के महीने में हुंडई मोटर ने 27,870 करोड़ रुपये का आईपीओ लॉन्च करके घरेलू शेयर बाजार के इतिहास में सबसे बड़ा आईपीओ लॉन्च करने का रिकॉर्ड बनाया था। स्विगी का आईपीओ 6 से 8 नवंबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए ओपन हुआ था। आईपीओ के तहत 371 से 390 रुपये का प्राइस बैंड तय किया गया था, जबकि लॉट साइज 38 शेयर का था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से मिला-जुला रिस्पॉन्स मिला था। क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के अलावा दूसरी कैटेगरी में इस आईपीओ को लेकर अधिक उत्साह नजर नहीं आया था। खासकर, नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में तो सिर्फ 0.41 प्रतिशत सब्सक्रिप्शन ही आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन भी अंतिम दिन 1.14 गुना सब्सक्राइब हो सका था। स्विगी के आईपीओ के तहत 4,499 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी किए गए हैं। इसके अलावा 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 17,50,87,863 शेयरों की ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिए बिक्री हुई है। आईपीओ के जरिए नए शेयरों की बिक्री से मिले पैसों में से 164.80 करोड़ रुपये से कंपनी अपनी सब्सिडियरी स्कूट्सी के कर्ज को काम करेगी, जबकि 1,178.70 करोड़ रुपये की लागत से कंपनी के डार्क स्टोर नेटवर्क का विस्तार किया जाएगा।

दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति एलन मस्क की संपत्ति में 84.7 अरब डॉलर की वृद्धि

सैन फ्रांसिस्को। उद्योगपति एलन मस्क इस समय दुनिया के सबसे धनी व्यक्ति बने हुए हैं। इस सप्ताह

उनकी कंपनी टेस्ला के शेयरों में 29 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई, जिससे उनकी कुल संपत्ति बढ़कर 314 अरब डॉलर तक पहुंच गई। मस्क की इस संपत्ति में 84.7 अरब डॉलर की वृद्धि हुई है। हालांकि, इस वर्ष संपत्ति में तेजी से वृद्धि के मामले में एनवीडिया के सह-संस्थापक और सीईओ जेनसेन हुआंग ने उन्हें पीछे छोड़ दिया है, जिनकी संपत्ति में इस साल 84.8 अरब डॉलर का इजाफा हुआ है। हुआंग, जो हाल ही में भारत दौरे पर भी आए थे, की कुल संपत्ति अब 129 अरब डॉलर है, जिससे वह दुनिया के शीर्ष 10 अमीरों की सूची में शामिल होने से थोड़ा पीछे रह गए और फिलहाल 11वें स्थान पर हैं।

दीपावली पर सोने पर हुआ 1,961 करोड़ का रिकॉर्ड निवेश

नई दिल्ली। गोल्ड एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड्स (ईटीएफ) में निवेशकों की बढ़ती रुचि के साथ ही अक्टूबर में

इसमें रिकॉर्ड 1,961 करोड़ रुपये का निवेश हुआ, जो सितंबर के 1,233 करोड़ रुपये से कहीं अधिक है। भारतीय म्यूचुअल फंड्स के संगठन (एएमएफआई) के अनुसार, यह अक्टूबर में गोल्ड ईटीएफ श्रेणी का मासिक शुद्ध इनफ्लो का नया रिकॉर्ड है। जनवरी 2020 से लेकर अब तक गोल्ड ईटीएफ में कुल 24,153 करोड़ रुपये का निवेश हुआ है, जो इस निवेश विकल्प की लोकप्रियता को दर्शाता है। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल के आंकड़ों के मुताबिक, भारतीय गोल्ड ईटीएफ में शुद्ध सोने की होल्डिंग पिछले चार वर्षों में लगभग दोगुनी होकर 54.5 टन तक पहुंच गई है, जबकि चार साल पहले यह केवल 27.4 टन थी।

ट्रम्प की जीत के बाद गोल्ड मार्केट में गिरावट का दौर शुरू, दिसंबर में 72,500 रुपये तक गिर सकता है सोना

अंतरराष्ट्रीय बाजार में आई गिरावट से घरेलू सर्राफा बाजार में सस्ता हुआ सोना

नई दिल्ली

पिछले महीने तक लगातार मजबूती का नया रिकॉर्ड बनाने वाले सोना अब गिरावट की राह पर चल पड़ा है। दिल्ली सर्राफा बाजार में 27 अक्टूबर को 80,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार करने वाला सोना 77,430 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर आ गया है। माना जा रहा है कि अमेरिकी चुनाव के परिणाम आने के बाद से ही निवेशकों ने गोल्ड मार्केट से अपना पैसा निकालना शुरू कर दिया है, जिसकी वजह से इस चमकीली धातु की कीमत में लगातार गिरावट आ रही है। मार्केट एक्सपर्ट्स का मानना है कि वैश्विक माहौल में पिछले 1 सप्ताह के दौरान आए बदलाव के कारण आने वाले दिनों में सोने की गिरावट और बढ़ सकती है, जिससे ये चमकीली धातु 72,500 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर तक भी लुढ़क सकती है।

घरेलू सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,470 रुपये की गिरावट के साथ 77,430 रुपये से लेकर 77,280 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 1,350 रुपये की गिरावट के साथ 70,990 रुपये से लेकर 70,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। सर्राफा बाजार में सोने के भाव में लगातार पांचवें दिन गिरावट आई है।

मार्केट एक्सपर्ट्स का मानना है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने की कीमत में आई तेज गिरावट की वजह से घरेलू सर्राफा बाजार में भी इस चमकीली धातु की कीमत में गिरावट का रुख बना है।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना 2,800 डॉलर प्रति ऑन्स के ऑल टाइम हाई लेवल से लुढ़क कर 2,617.15 डॉलर प्रति ऑन्स के स्तर तक पहुंच गया है। हालांकि कॉमेक्स पर स्पॉट गोल्ड की तुलना में गोल्ड फ्यूचर थोड़ी बढ़त के साथ 2,621.85 डॉलर प्रति ऑन्स के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

बुलियन मार्केट एक्सपर्ट मयंक मोहन के अनुसार पिछले महीने तक अमेरिका में राजनीतिक अनिश्चितता की आशंका, जियो पॉलिटिकल टेंशन और कई देशों के सेंट्रल बैंकों द्वारा की जा रही सोने की खरीदारी के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना लगातार मजबूती के नए रिकॉर्ड बना रहा था। अमेरिका में डोनाल्ड ट्रम्प की जीत के साथ राजनीतिक अनिश्चितता की बात खत्म हो गई है। इसके साथ ही ट्रम्प ने जिस तरह चुनाव जीतने के बाद दुनिया के 70 से अधिक देश के राष्ट्रपति या प्रधानमंत्री से बातचीत की पहल शुरू की है, उससे जियो पोलिटिकल टेंशन घटने की भी उम्मीद बन गई है। इस इस वजह से निवेशकों ने सोने में निवेश घटा दिया है।

उल्लेखनीय है कि सोना को परंपरागत रूप से सेफ इन्वेस्टमेंट इंस्ट्रूमेंट माना जाता है। इसीलिए किसी भी संकट की स्थिति में या वैश्विक तनाव के हालात बनने पर निवेशक सोने में निवेश बढ़ा देते हैं। लेकिन सामान्य स्थिति में निवेशक गोल्ड मार्केट की तुलना में इक्विटी मार्केट या क्रिप्टो करेंसी मार्केट में तुलनात्मक तौर पर अधिक निवेश करते हैं। इक्विटी या क्रिप्टो करेंसी मार्केट में जोखिम ज्यादा होता है, लेकिन इसका रिटर्न भी जबरदस्त होता है।

मयंक मोहन के अनुसार अक्टूबर के तनावपूर्ण माहौल के बाद नवंबर में तनाव घटने के संकेत मिल रहे हैं, जिसके कारण निवेशकों ने सोने में किया गया अपना निवेश निकाल कर इक्विटी मार्केट में निवेश बढ़ा दिया है। खासकर चीन द्वारा राहत पैकेज का ऐलान करने के बाद निवेशकों ने चीन के स्टॉक मार्केट में अपना निवेश काफी अधिक कर दिया है। इस निवेश के लिए वे दुनिया के दूसरे स्टॉक मार्केट के साथ ही गोल्ड मार्केट से भी लगातार अपने पैसे की निकासी कर रहे हैं, जिसकी वजह से सोने की कीमत में गिरावट का रुख बना हुआ है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने की कीमत में आई गिरावट का असर घरेलू शेयर बाजार पर भी पड़ा है, जिसके कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में हाजिर सोने (स्पॉट गोल्ड) के भाव में लगातार गिरावट दर्ज की गई है।

इसी तरह कमोडिटी मार्केट एक्सपर्ट निर्मल जैन का कहना है कि डॉलर इंडेक्स 4 महीने के सर्वोच्च स्तर पर पहुंचा हुआ है। डॉलर की मजबूती के कारण भी सोने के प्रति निवेशकों का आकर्षण कम हुआ है। इस वजह से नवंबर में स्पॉट गोल्ड 2,600 डॉलर प्रति ऑन्स के स्तर से भी नीचे लुढ़क कर 2,560 डॉलर प्रति ऑन्स के स्तर तक जा सकता है। अगर अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने के भाव में इतनी गिरावट आती है, तो इसका असर घरेलू सर्राफा बाजार पर भी पड़ेगा।

हालांकि निर्मल जैन का ये भी कहना है कि देवोत्थान एकादशी के दिन से ही देश में वेडिंग सीजन की भी शुरुआत हो गई है। इसलिए अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने की कीमत में गिरावट आने के बावजूद घरेलू सर्राफा बाजार में सोना को सपोर्ट मिलता रहेगा। इसके बावजूद वेडिंग सीजन खत्म होने के बाद दिसंबर में सोने की कीमत गिर कर 72,500 से 74,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर तक लुढ़क सकती है। इसलिए छोटे और खुदरा निवेशकों को फिलहाल काफी सोच समझ कर अपने इनवेस्टमेंट प्लान को अंतिम रूप देना चाहिए।

स्टेट बैंक, एचडीएफसी और आईसीआईसीआई बैंक घरेलू प्रणालीगत रूप से महत्वपूर्ण बैंकों की सूची में शामिल

मुंबई/नई दिल्ली

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने सार्वजनिक क्षेत्र के स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) और निजी क्षेत्र के एचडीएफसी बैंक और आईसीआईसीआई बैंक को फिर से घरेलू प्रणालीगत रूप से महत्वपूर्ण बैंकों (डी-एसआईबी) की सूची में शामिल किया है।

आरबीआई ने बुधवार को डी-एसआईबी 2024 की सूची जारी की है। इस सूची में शामिल होने के लिए ऋणदाताओं को उस 'बकेट' के अनुसार पूंजी संरक्षण भंडार के अतिरिक्त उच्च 'कॉमन इक्विटी टियर 1' (सीईटी 1) बनाए रखना जरूरी है, जिसके अंतर्गत इसे वर्गीकृत किया गया है। रिजर्व बैंक की जारी सूची के मुताबिक एसबीआई अब भी 'बकेट 4' में बना हुआ है, जिसके लिए देश के सबसे बड़े ऋणदाता बैंक को 0.80 फीसदी का अतिरिक्त सीईटी 1 रखना होगा। सूची के मुताबिक निजी क्षेत्र के सबसे बड़ा ऋणदाता एचडीएफसी बैंक को 'बकेट 2' में रखा गया है, जिसके तहत उसे 0.40 फीसदी अधिक सीईटी 1 बनाए रखना होगा। इसके अलावा आईसीआईसीआई बैंक को 'बकेट 1' में वर्गीकृत किया गया है, जिसमें निजी क्षेत्र के दूसरे सबसे बड़े ऋणदाता बैंक को सीईटी 1 भंडार में अतिरिक्त 0.20 फीसदी बनाए रखना होगा।

रिजर्व बैंक ने बयान में बताया कि एसबीआई तथा एचडीएफसी बैंक के लिए उच्च डी-एसआईबी अधिभार 1 अप्रैल 2025 से लागू होगा। इसलिए 31 मार्च, 2025 तक एसबीआई और एचडीएफसी बैंक पर लागू डी-एसआईबी अधिभार क्रमशः 0.60 फीसदी और 0.20 फीसदी होगा। आरबीआई ने कहा कि ये वर्गीकरण 31 मार्च, 2024 तक बैंकों से एकत्र किए गए आंकड़ों पर आधारित है।

केंद्रीय बैंक ने पहली बार 2014 में डी-एसआईबी से निपटने के लिए रूपरेखा की घोषणा की थी। आरबीआई ने 2015 और 2016 में एसबीआई और आईसीआईसीआई बैंक को इस सूची में शामिल किया था, जबकि 2017 में अन्य दो बैंकों के साथ एचडीएफसी बैंक को भी सूची में शामिल किया।

एनटीपीसी ग्रीन ने सेट किया आईपीओ का प्राइसबैंड, 102 से 108 के भाव पर लगेगी बोली

नई दिल्ली

एनटीपीसी की सब्सिडियरी एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी ने अपने 10,000 करोड़ रुपये के आईपीओ के लिए 102 से 108 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया है। ये आईपीओ 19 नवंबर को सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। आईपीओ की क्लोजिंग 22 नवंबर को होगी। इश्यू के ओपन होने के पहले 18 नवंबर को एंकर बुक की ओपनिंग होगी, जिसके जरिए एंकर इन्वेस्टर्स आईपीओ में अपनी बोली लगाएंगे। एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी के शेयरों की 27 नवंबर को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर लिस्टिंग होगी।

एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी के आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए 75 प्रतिशत पोर्शन रिजर्व किया गया है। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए 15 प्रतिशत और रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए 10 प्रतिशत पोर्शन रिजर्व किया गया है। इसमें 200 करोड़ रुपये के शेयर एम्पलाइज के लिए रिजर्व किए गए हैं,

जिन्हें प्रति शेयर 5 रुपये का डिस्काउंट दिया जाएगा। इस आईपीओ के तहत सिर्फ नए शेयर जारी किए जाएंगे। इसमें ऑफर फॉर सेल नहीं होगा।

इस आईपीओ के जरिए जुटाए जाने वाले 10,000 करोड़ रुपये में से 7,500 करोड़ रुपये का इस्तेमाल एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी अपनी सहायक कंपनी एनटीपीसी रिन्यूएबल एनर्जी लिमिटेड (एनआरईएल) के कर्ज को चुकाने में करेगी, जबकि शेष बचे 2,500 करोड़ रुपये का इस्तेमाल सामान्य कॉर्पोरेट जरूरतों को पूरा करने में किया जाएगा।

अक्टूबर महीने में यात्री वाहनों की थोक बिक्री में मामूली वृद्धि : सियाम

नई दिल्ली

त्योहारी मांग की वजह से यात्री वाहनों की थोक बिक्री अक्टूबर में सालाना आधार पर मामूली बढ़त के साथ 3,93,238 इकाई रही है। अक्टूबर 2023 में यात्री वाहनों की थोक बिक्री 3,89,714 इकाई रही थी। सोसायटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) ने बुधवार को जारी बयान में कहा कि अक्टूबर महीने में कुल दोपहिया वाहनों की बिक्री सालाना आधार पर 14 फीसदी बढ़कर 21,64,276 इकाई पर पहुंच गई जबकि अक्टूबर 2023 में ये 18,95,799 इकाई रही थी। स्कूटर की बिक्री अक्टूबर में 22 फीसदी की वृद्धि के साथ 7,21,200 इकाई रही है। इस दौरान मोटरसाइकिल की

थोक बिक्री 11 फीसदी की बढ़त के साथ 13,90,696 इकाई हो गई जबकि अक्टूबर 2023 में यह 12,52,835 इकाई रही थी। हालांकि, पिछले महीने अक्टूबर में मोपेड की बिक्री घटकर 52,380 इकाई रह गई जबकि एक वर्ष पूर्व इसी माह में यह 53,162 इकाई रही थी। तिपहिया वाहनों की थोक बिक्री अक्टूबर महीने में मामूली गिरावट के साथ 76,770 इकाई रह गई जबकि अक्टूबर 2023 में यह 77,344 इकाई थी। उद्योग संगठन सियाम के महानिदेशक राजेश मेनन ने कहा कि त्योहारी सीजन अक्टूबर 2024 में दो प्रमुख त्योहारों दशहरा और दीपावली होने से उपभोक्ता मांग बढ़ी, जिससे मोटर वाहन उद्योग को महत्वपूर्ण बढ़ावा मिला है। उन्होंने कहा कि यात्री वाहनों ने 0.9 फीसदी की वृद्धि के साथ अक्टूबर में 3.93 लाख इकाइयों की अपनी उच्चतम बिक्री दर्ज की।

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत, एशिया में मिला जुला कारोबार

नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान गिरावट के साथ बंद हुए। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी कमजोरी के साथ कारोबार करता नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान बड़ी गिरावट दर्ज की गई। वहीं एशियाई बाजारों में मिला-जुला कारोबार हो रहा है।

अमेरिका में अक्टूबर की महंगाई के आंकड़े आने वाले हैं। आशंका जताई जा रही है कि महंगाई दर के आंकड़ों में तुलनात्मक तौर पर बढ़ोतरी हो सकती है। इसीलिए पिछले सत्र के दौरान अमेरिकी बाजार में मुनाफा वसूली का दबाव बना रहा। एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.29 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 5,983.76

अंक के स्थान पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 0.09 प्रतिशत की गिरावट के साथ 19,281.87 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.05 प्रतिशत फिसल कर 43,889.67 अंक के स्तर पर कारोबार करता नजर आ रहा है।

यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान चौतरफा बिकवाली का दबाव बना रहा, जिसके कारण यहां के तीनों प्रमुख सूचकांक बड़ी गिरावट के साथ बंद हुए। एफटीएसई इंडेक्स 99.42 अंक यानी 1.24 प्रतिशत टूट कर 8,025.77 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 199.90 अंक यानी 2.77 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 7,226.98 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 414.96 अंक यानी 2.18 प्रतिशत की गिरावट के साथ 19,033.64 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजार में मिला-जुला कारोबार होता नजर आ रहा है। एशिया के 9 बाजारों में से 6 के सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि 3 सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में बने हुए हैं। सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.95 प्रतिशत की मजबूती के साथ 1,458.77 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.17 प्रतिशत की मजबूती के साथ 7,334.58 अंक के स्तर पर बना हुआ है। इसके अलावा स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.04 प्रतिशत की मामूली तेजी के साथ 3,713.11 अंक के स्तर तक पहुंचा हुआ है।

दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 153 अंक यानी 0.64 प्रतिशत की गिरावट के साथ 23,785 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह हैंग सेंग इंडेक्स 125.30 अंक यानी 0.63 प्रतिशत लुढ़क कर 19,721.58 अंक के स्तर तक गिर गया है। कोस्पी इंडेक्स में बड़ी गिरावट आई है। फिलहाल ये सूचकांक 2.03 प्रतिशत टूट कर 2,432.27 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह निक्केई इंडेक्स 452.50 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 38,923.59 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसके अलावा ताईवान वेटेड इंडेक्स 0.14 प्रतिशत फिसल कर 22,950.20 के स्तर पर और शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.17 अंक की सांकेतिक कमजोरी के साथ 3,421.80 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

फीफा वित्तीय प्रशासन कार्यशाला में भाग लेना शानदार अनुभव रहा : अनिल कुमार

नई दिल्ली

अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के महासचिव अनिल कुमार ने 6 और 7 नवंबर को श्रीलंका के कोलंबो में हुई फीफा वित्तीय प्रशासन कार्यशाला में भाग लेने को शानदार अनुभव बताया है।

उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजन सदस्य संघों के वित्तीय प्रबंधन को बेहतर बनाने और मजबूत बनाने में काफी मददगार साबित होंगे।

एआईएफएफ की ओर से बुधवार को जारी बयान में अनिल कुमार ने कहा कि फीफा वित्तीय प्रशासन कार्यशाला में भाग लेना एक अमूल्य अनुभव रहा है। वित्तीय प्रबंधन में पारदर्शिता, जवाबदेही और सर्वोत्तम प्रथाओं पर साझा की गई अंतर्दृष्टि हमारे प्रशासन ढांचे को मजबूत करने के लिए आवश्यक है।

वित्तीय प्रशासन मार्गदर्शिका की प्रस्तुति से शुरू हुई कार्यशाला में हितों के टकराव, योजना और बजट तथा खरीद प्रक्रिया जैसे विषयों पर चर्चा, समूह कार्य और केस सत्र शामिल थे, साथ ही पर्याप्त सहायक दस्तावेज रखने के महत्व पर भी चर्चा की गई। सत्रों में फीफा फॉरवर्ड कार्यक्रम के संदर्भ में जवाबदेही, पारदर्शिता और जिम्मेदार वित्तीय प्रबंधन के महत्व पर जोर दिया गया। श्रीलंका में आयोजित कार्यशाला में भारत के अलावा बांग्लादेश, भूटान, ईरान, किर्गिज गणराज्य, मालदीव, नेपाल, श्रीलंका, ताजिकिस्तान, तुर्कमेनिस्तान और उज्बेकिस्तान के सदस्य संघों के महासचिवों और वित्त निदेशकों ने भाग लिया। यह कार्यक्रम नव स्थापित फीफा कैम्पस के बैनर तले आयोजित किया गया, जो सदस्य संघों के लिए फीफा क्षमता विकास और शिक्षा पहलों के लिए केंद्रीय फुटबॉल शिक्षण केंद्र के रूप में कार्य करता है।

न्यूज ब्रीफ

दिल्ली कैपिटल्स के गेंदबाजी कोच बने मुनाफ

नई दिल्ली । दिल्ली कैपिटल्स ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 सत्र के लिए जेम्स होप्स की जगह

मुनाफ पटेल को अपना नया गेंदबाजी कोच बनाया है। मुनाफ टीम के मुख्य कोच हेमंग बदानी और क्रिकेट निदेशक वेणुगोपाल राव के साथ मिलकर काम करेंगे। मुनाफ अपने करियर में पहली बार कोच के तौर पर नजर आयेंगे। ऑस्ट्रेलिया के होप्स ने आईपीएल 2024 के बाद अपना पद छोड़ दिया था। मुनाफ ने अपने करियर के दौरान भारतीय टीम की ओर से तीनों प्रारुपों में खेला है। उन्होंने साल 2018 में पेशेवर क्रिकेट को अलविदा कह दिया था। मुनाफ ने अपने करियर में 86 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 125 विकेट लिए हैं। वह राजस्थान रॉयल्स (2008) और मुंबई इंडियंस (2013) की आईपीएल खिताब विजेता टीम में भी रहे हैं। दिल्ली कैपिटल्स ने आने वाले सत्र के लिए 4 खिलाड़ियों अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, ट्रिस्टन स्टब्स और अभिषेक पोरेल को बरकरार रखा है जबकि अन्य को रिलीज कर दिया है।

जुरेल बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में अहम भूमिका निभा सकता है : पेन

कैनबरा । ऑस्ट्रेलिया के पूर्व टेस्ट कप्तान टिम पेन ने भारतीय क्रिकेट टीम के युवा विकेटकीपर-बल्लेबाज

ध्रुव जुरेल की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में भारतीय टीम के अहम भूमिका निभा सकते हैं। जुरेल ने यहां ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ शानदार बल्लेबाजी कर सबका ध्यान खींचा है। जुरेल ने अब तक भारतीय टीम की ओर से केवल तीन मैच खेले हैं। उन्हें इस सीरीज में नियमित विकेटकीपर ऋषभ पंत के बैकअप के रूप में शामिल किया गया है। पेन ने कहा कि जुरेल ने एमसीजी मुकाबले में नंबर 6 पर बल्लेबाजी करते हुए 80 और 68 रनों की शानदार पारी खेली थी। ऑस्ट्रेलिया ए के कोच रहे पेन को लगता है कि ये युवा बल्लेबाज पर्थ में होने वाले पहले टेस्ट में एक बल्लेबाज के तौर पर शामिल किया जा सकता है। पेन ने कहा, मैंने उसे ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ बल्लेबाजी करते हुए देखा है और इतनी अच्छी बल्लेबाजी के बाद भी अगर उसे अवसर नहीं मिले तो ये हैरानी की बात होगी।

नई टीम से खेलने छोड़ी लखनऊ सुपर जायंट्स : राहुल

मुम्बई । बल्लेबाज केएल राहुल ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) टीम लखनऊ सुपर जायंट्स को छोड़ने को लेकर कहा है कि उन्होंने ये इसलिए किया क्योंकि वह एक नई टीम से खेलना चाहते थे ताकि आजादी से खेलते हुए बेहतर प्रदर्शन कर एक बार फिर राष्ट्रीय टी20 टीम में अपनी जगह पक्की कर सकें। राहुल ने पिछले 3 सत्र में लखनऊ सुपर जायंट्स की तरफ से खेला है पर अगले साल होने वाले टूर्नामेंट से पहले वह टीम से अलग हो गये हैं। अब वह इसी माह 24 और 25 नवंबर को जेद्दा में होने वाली नीलामी में उतरेंगे। राहुल को लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) की रिटेन खिलाड़ियों की सूची में शामिल नहीं किया गया है। राहुल को जब रिटेन नहीं किया गया था तभी से ये अंदाजा लगाया जा रहा था कि यह फ्रेंचाइजी का फैसला था या खिलाड़ी का अपना। इसी को लेकर राहुल ने कहा है कि यह उनकी इच्छा थी कि वे एक नई टीम की तलाश करें और भारतीय टी20 टीम में वापसी का लक्ष्य रखें। राहुल ने कहा, मैं एक नई शुरुआत करना चाहता था। मैं अपने विकल्पों का पता लगाना चाहता था। मैं वहां खेलना चाहता था जहां मुझे कुछ आजदी मिल सके और टीम का माहौल हल्का हो। इसके लिए कभी-कभी, आपको दूर भी जाना पड़ता है और अपने लिए कुछ अच्छा खोजना पड़ता है। साथ ही हा, मैं कुछ समय से टी20 टीम से बाहर हूं। मुझे पता है कि एक खिलाड़ी के रूप में मैं कहां खड़ा हूं. मुझे पता है कि मुझे वापस आने के लिए क्या करना है। मैं इस आईपीएल सत्र का इंतजार कर रहा हूं। उम्मीद है कि इससे मुझे वह मंच मिलेगा जहां मैं वापस जाकर अपने क्रिकेट का आनंद ले सकूंगा।

बीसीसीआई ने बायजूस को राहत देते हुए दिवालियापन के खिलाफ याचिका वापस ली

मुम्बई

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने एडटेक कंपनी बायजूस को बड़ी राहत देते हुए उसके खिलाफ नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल (एनसीएलएटी) में दायर दिवालियापन के मामले को वापस लेने की याचिका लगायी है। इस मामले में बीसीसीआई ने शीघ्र सुनवाई की भी अपील की है। वहीं इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने एनसीएलएटी के उस फैसले को खारिज कर दिया था, जिसमें बोर्ड और बायजूस के बीच 158 करोड़ रुपए के बकाया को लेकर हुए समझौते को मंजूरी दी गई थी। इसके बाद से ही बायजूस की मुश्किलें बढ़ गयी थीं क्योंकि उसकी मुख्य कंपनी, थिंक एंड लर्न प्राइवेट लिमिटेड, पर फिर से दिवालिया प्रक्रिया की कार्रवाई का खतरा पैदा हो गया था। वहीं इससे पहले जुलाई में एनसीएलएटी ने बायजूस के खिलाफ दिवालियापन प्रक्रिया शुरू करने के लिए एक याचिका लगायी थी जबकि 31 जुलाई को बोर्ड और बायजूस के बीच एक समझौता हुआ था, जिसे बाद में एनसीएलएटी ने स्वीकार कर लिया था। यह समझौता 2019 में दोनों के बीच हुए उस प्रायेजन करार से जुड़ा था जिसमें बायजूस को भारतीय क्रिकेट टीम की जर्सी के लिए बोर्ड को हर बायलेटरल मैच के लिए 4.6 करोड़ रुपये का भुगतान करना था।

इससे पहले 14 अगस्त को सुप्रीम कोर्ट ने अमेरिका स्थित ग्लास ट्रस्ट की याचिका पर एनसीएलएटी के उस फैसले पर रोक लगाई थी, जिसमें बायजूस को बोर्ड के साथ समझौते का भुगतान करने की अनुमति दी गई थी। सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया कि भुगतान की राशि को एक अलग खाते में रखा जाए। अमेरिका स्थित ग्लास ट्रस्ट बायजूस के कुछ लेंडर्स का प्रतिनिधित्व करता है।

वहीं 2 अगस्त को बायजूस की पेरेंट कंपनी, थिंक एंड लर्न, और बोर्ड के बीच हुए समझौते को मंजूरी दे दी थी. इसके अनुसार, बायजूस बोर्ड को 158 करोड़ रुपये का भुगतान करने के लिए सहमत हो गया था, जो 2 और 9 अगस्त को होना था। इस फैसले के बाद कंपनी का नियंत्रण बायजू रवींद्रन को वापस मिल गया था।

पाकिस्तान के पास चैंपियंस ट्रॉफी को लेकर बचे हैं ये विकल्प

लाहौर । भारतीय क्रिकेट टीम के आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के लिए पाकिस्तान नहीं जाने के फैसले के बाद से ही पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) की मुश्किलें बढ़ गयी हैं। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने उससे पूछा है कि वह हाइब्रिड मॉडल पर टूर्नामेंट के लिए तैयार है की नहीं। वहीं माना जा रहा है कि पीसीबी इसके लिए तैयार नहीं है। ऐसे में इस टूर्नामेंट के स्थगित होने का भी खतरा है। पाक के पूर्व क्रिकेटरों के अनुसार भारतीय टीम को टूर्नामेंट से बाहर कर दिया जाए और श्रीलंका को उनकी जगह पर शामिल कर लिया जाए पर ये इतना आसान नहीं है। इसका कारण है कि आईसीसी और पीसीबी दोनों को पता है कि भारत के चैंपियंस ट्रॉफी में ना खेलने से उनको काफी ज्यादा नुकसान होगा। अब पाकिस्तान के सामने आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी को लेकर चार रास्ते बचे हैं। सबसे पहला और आसान रास्ता है कि पीसीबी टूर्नामेंट को हाईब्रिड मॉडल में कराने को तैयार हो जाए। इसके तहत ही सेमीफाइनल और फाइनल समेत भारत के सारे मुकाबले पाकिस्तान के बाहर कराए जाए। वहीं दूसरा रास्ता ये है कि पूरा टूर्नामेंट ही पाक से बाहर कराया जाए। वहीं तीसरा रास्ता है कि भारत चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर हो जाए और उनकी जगह पर श्रीलंका को शीर्ष 8 टीमों में शामिल कर लिया जाए। ऐसा हुआ तो पीसीबी ही नहीं बल्कि आईसीसी को भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है। वहीं अंतिम ये कि चैंपियंस ट्रॉफी को कुछ समय के लिए स्थगित कर दिया जाए।

17 साल के आयुष को मेगा नीलामी में खरीद सकती है सीएसके

मुम्बई

प्रबंधन और धोनी हैं खेल से प्रभावित

इंडियन प्रीमियर लीग आईपीएल की नीलामी में इस बार चेन्नई सुपर किंग्स सीएसके की टीम मुंबई के 17 वर्षीय सलामी बल्लेबाज आयुष म्हात्रे को शामिल कर सकती है। माना जा रहा है कि इसी कारण आयुष को चयन ट्रायल के लिए बुलाया गया है। कहा जा रहा है कि पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी भी आयुष से प्रभावित हैं। रणजी ट्रॉफी का पांचवां दौर 16 नवंबर को समाप्त हो रहा है,ऐसे में सीएसके के पास ट्रायल के लिए आठ दिन का समय है।

आयुष से सीएकके का प्रबंधन भी प्रभावित है। म्हात्रे को रणजी ट्रॉफी 2024 सीजन के पांचवें दौर के अंत के बाद और सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी की शुरुआत से पहले सीएसके ने ट्रॉयल के लिए बुलाया है। दोनों के बीच छह दिन का अंतर है। इससे सीएसके को 24 और 25 नवंबर को होने वाली मेगा नीलामी से पहले आंकलन का पर्याप्त समय मिल जाएगा।

आयुष ने शेष भारत के खिलाफ ईरानी कप खेल में मुंबई के लिए अपना प्रथम श्रेणी पदार्पण किया था। पृथ्वी शॉ के साथ बल्लेबाजी की शुरुआत करते हुए इस युवा ने दो पारियों में क्रमशः 19 और 14 रन बनाए। मुंबई के लिए अब तक के आंकड़े उसके अच्छे हैं। उसने पांच मैचों में 35.66 की औसत से 321 रन बनाए हैं, जिसमें एक शतक और एक अर्धशतक शामिल है। उनने 176 रन महाराष्ट्र के खिलाफ बनाये थे। एक रिपोर्ट के अनुसार सीएसके के प्रबंध निदेशक और सीईओ काशी विश्वनाथन ने मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) से अनुरोध किया था कि वे आयुषको उनके नवलूर मैदान में ट्रायल में भाग लेने की अनुमति दें। सीएसके 55 करोड़ रुपए की राशि के साथ मेगा नीलामी में उतरेगा।

इंग्लैंड के खिलाफ शेष तीन टी20 मैचों से बाहर हुए रसेल, अल्जारी जोसेफ की वापसी

बारबाडोस

वेस्टइंडीज क्रिकेट टीम के अनुभवी ऑलराउंडर आंद्रे रसेल इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी20 श्रृंखला के बाकी बचे तीन मैचों से बाहर हो गए हैं। रसेल को बारबाडोस में श्रृंखला के शुरुआती मैच के दौरान टखने में चोट लग गई थी और वह दूसरे मैच से बाहर हो गए थे। यह मैच वेस्टइंडीज सात विकेट से हार गई थी और श्रृंखला में 2-0 से पीछे हो गई है।

क्रिकेट वेस्टइंडीज ने रसेल के स्थान पर ऑलराउंडर शमर स्प्रिंगर को टीम में शामिल किया है। साथ ही तेज गेंदबाज अल्जारी जोसेफ की भी तीन मैचों के लिए 15 खिलाड़ियों की टीम में वापसी हुई है। दाएं हाथ के इस गेंदबाज को इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे एकदिवसीय मैच के दौरान मैदान पर हुई घटना के कारण दो मैचों का निलंबन मिला था।

क्रिकेट वेस्टइंडीज के अनुसार अल्जारी जोसेफ, दो मैचों का निलंबन पूरा करने के बाद शमर जोसेफ की जगह टीम में शामिल होंगे।

टी20 श्रृंखला के बाकी मैच सेंट लूसिया में खेले जाएंगे। दोनों टीमों के बीच तीसरा मुकाबला गुरुवार को खेला जाएगा।

वेस्टइंडीज टी20 टीम: रोवमैन पॉवेल (कप्तान), रोस्टन चेजज, मैथ्यू फोर्डे, शिमरोन हेटमायर, टेरेंस हिंड्स, शाई होप, अकील होसेन, अल्जारी जोसेफ, ब्रैंडन किंग, एविन लुईस, गुडाकेश मोती, निकोलस पूरन, शेरफेन रदरफोर्ड, रोमारियो शेफर्ड, शमर स्प्रिंगर।

एंडरसन को शामिल कर सकती है सीएसके : वॉन

लंदन

इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने कहा है कि अनुभवी तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन साल 2025 इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) सत्र में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की ओर से खेल सकते हैं। इस साल अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने वाले एंडरसन ने अपने करियर में पहली बार आईपीएल मेगा नीलामी के लिए पंजीकरण कराया है। जिसके बारे में कहा है कि वह अपना खेल का ज्ञान बढ़ाने के लिए आईपीएल खेलना चाहते हैं। वॉन ने कहा कि सीएसके अधिकतकर अनुभवी खिलाड़ियों को खरीदती है।

ऐसे में वह एंडरसन की स्विंग क्षमता को देखते हुए उन्हें खरीद सकती है। ये तेज गेंदबाज शुरुआती ओवरों में नई गेंद से प्रभावशाली साबित हो सकता है। वॉन ने कहा, आपने जेम्स एंडरसन की बात की, मुझे हैरानी नहीं होगा अगर एंडरसन सीएसके में शामिल हो जाएं। इसका कारण ये है कि सीएसके ऐसी टीम हैं जो ऐसे खिलाड़ी को पसंद करती हैं जो पहले कुछ ओवरों में स्विंग करा सकें। उनके पास पहले भी शार्दुल ठाकुर जैसे स्विंग गेंदबाज रहे हैं, इसलिए अगर एंडरसन सीएसके में आते हैं तो ये उनके लिए बेहतर होगा।

आईपीएल नीलामी के लिए पंजीकरण करने के समय ही एंडरसन ने कहा कि वह संन्यास के बाद भी क्रिकेट खेलना जारी रखना चाहते हैं। एंडरसन ने ये भी कहा था कि उन्हें अभी भी लगता है कि उनके पास खेल को देने के लिए बहुत कुछ है। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि मैं फिर से क्रिकेट खेलना चाहता हूं। मुझे चुना जाता है या नहीं, यह अलग बात है, लेकिन मेरे अंदर निश्चित रूप से यह भावना है कि मेरे पास किसी न किसी रूप में और भी बहुत कुछ देने को है। गौरतलब है कि एंडरसन के टी20 क्रिकेट में अनुभव सीमित लेकिन उल्लेखनीय है। उन्होंने 44 टी20 मैचों में 32.14 की औसत और 8.47 की इकॉनमी से 41 विकेट लिए हैं। उन्होंने 19 टी20आई भी खेले हैं जिसमें 7.84 की औसत से 18 विकेट लिए हैं।

ऑस्ट्रेलियाई मीडिया में छाया हैं युवा यशस्वी जायसवाल का नाम

सिडनी

भारतीय क्रिकेट टीम बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के लिए ऑस्ट्रेलिया पहुंच गयी है पर हैरानी की बात है कि स्थानीय मीडिया में कप्तान रोहित शर्मा और अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली की जगह पर युवा यशस्वी जायसवाल छाये हुए हैं। यशस्वी को यहां के मीडिया ने भारतीय क्रिकेट का न्यू किंग करार दिया है। अपनी शानदार बल्लेबाजी शैली, निरंतरता और जमकर रन बनाने के कारण ही यशस्वी को ये नाम मिला है।

यशस्वी साधारण शुरुआत से उबरकर जल्दी ही भारत के सबसे होनहार युवा बल्लेबाजों में से एक बने हैं। जिन्होंने घरेलू क्रिकेट और आईपीएल में अपने शानदार प्रदर्शन से प्रशंसकों और आलोचकों को समान रूप से प्रभावित किया। यशस्वी क्रिकेटर बनने कम उम्र में मुंबई चले गए। उनका शुरुआती जीवन मुश्किलों से भरा रहा। वह प्रशिक्षण के दौरान गुजारा करने के लिए छोटे-मोटे काम करके संघर्ष करते थे। जुलाई 2023 में रोसेउ में वेस्टइंडीज के खिलाफ 171 रनों की शानदार पारी खेलकर उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में जबरदस्त शुरुआत की।

इसके बाद इंग्लैंड के खिलाफ क्रमशः 209 और नाबाद 214 रनों की पारी खेलकर जायसवाल ने बड़ी पारियों के लिए अपनी भूख दिखाई। पिछले महीने इस क्रिकेटर ने 23 साल की उम्र से पहले एक कैलेंडर वर्ष में 1,000 टेस्ट रन बनाकर नया रिकार्ड बनाया। 14 टेस्ट के बाद जायसवाल ने 56.28 की औसत से 1407 रन बनाए हैं। एक ऑस्ट्रेलयाई अखबार ने यशस्वी के क्रिकेट सफर की जानकारी देते हुए उनकी तस्वीर छापी है। इसमें एक और विराट की तस्वीर जबकि दूसरी ओर यशस्वी की तस्वीर लगाकर दिखाया गया है कि ये भारत का अगला सितारा है जो विराट की जगह लेगा। रिपोर्ट में कहा गया है।

हसरंगा न्यूजीलैंड के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज से बाहर, दुशान शामिल

दांबुला । श्रीलंका को न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज से पहले ही करारा झटका लगा है। उसके मुख्य लेग स्पिनर वानिंदु हसरंगा चोटिल होने के कारण सीरीज से बाहर हो गये हैं। श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) ने कहा कि हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण हसरंगा एकदिवसीय सीरीज नहीं खेल पायेंगे। ऐसे में उनकी जगह पर दुशान हेमंथा को टीम में शामिल किया गया हैं। हसरंगा न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टी-20 मैच के दौरान गेंदबाजी करते समय चोटिल हो गये थे। हसरंगा ने दो टी-20 मैचों में छह विकेट लिए थे। मैच के बाद हसरंगा ने कहा कि इस प्रकार चोट उन्हें पहले भी लगी है। वहीं इससे पहले न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज लॉकी फर्ग्यूसन भी चोटिल होने के कारण ही एकदिवसीय सीरीज से बाहर हो गए थे।

दुर्लभ फल से कैंसर का इलाज...

वैज्ञानिकों ने आश्चर्यजनक रूप से एक खोज द्वारा त्वचा के जटिल कैंसर को नष्ट करने की दवा प्राप्त कर ली है। यह खोज मेलेनोमा जैसे गंभीर कैंसर को खत्म कर सकती है। वैज्ञानिकों ने इसे प्रभावी और प्राकृतिक रूप से कैंसर विरोधी बताया है जिसका कोई साइड इफेक्ट भी नही हो सकता। इस खोज ने क्लिनिकल रिसर्च में उत्साह भर दिया है। वैज्ञानिकों ने कैंसर की कोशिकाओं को पूरी तरह से नष्ट करने के लिए जरुरी दवा ईवीएस-46 एक फल के बीज द्वारा खोज निकाली है। यह फल 'ऑस्ट्रेलियाई ब्लशवुड' नामक पेड़ से प्राप्त होता है। इस फल के बीजों को दवा के रूप में इस्तेमाल किया जाता है। यह दुर्लभ पेड़ केवल उत्तरी ऑस्ट्रेलिया के विशिष्ट क्षेत्रों में पाया जाता है। खोज तब हुई जब वैज्ञानिकों ने देखा कि कुछ जंगली जानवर इस फल को चूस कर तुरंत बीज थूक दिया करते हैं। वैज्ञानिकों ने इस बीज को तेजी से उगलने का कारण जानने के लिए इस पर रिसर्च करना शुरू किया, जिसके बाद जानवरों पर प्रयोग करने पर इसका असर सामने आया, जो बेहद आश्चर्यचकित कर देने वाला था। वैज्ञानिकों ने मेलेनोमा पीड़िता पर भी इसका इस्तेमाल करके देखा जो कारगार रहा। इस दवा के मिलने से पूरी दुनिया भर के लाखों लोगों को त्वचा कैंसर से निजात मिल पाने की उम्मीद जागी है।

लार में हैं जीवित रहने का राज...

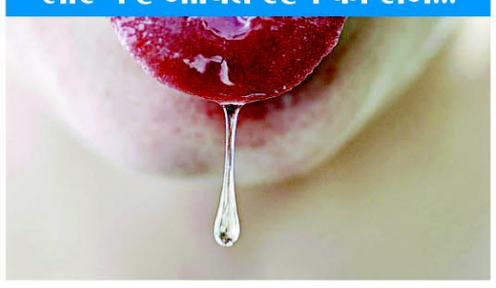

क्या आप भी जानना चाहते है कि आप कब तक जीवित रहेंगे? तो इसके लिए किसी ज्योतिष की नहीं बल्कि अपने मुंह को देखें। जी हां हमारे मुंह की लार यानी हमारा थूक हमारे जीवित रहने के दिनों के बारे में बताएगा। वैज्ञानिकों ने एक नए शोध ने पता लगाया जिसके द्वारा इंसान की जीवन और मृत्यु पता लगाया जा सकता है। शोध के अनुसार, थूक से पता चल जाएगा कि कोई व्यक्ति कितने समय तक जिंदा रहेगा। यह शोध बताता है कि जो व्यक्ति मृत्यु के जितना करीब होता है, उसके शरीर में एक खास एंटीबॉडी की संख्या काफी कम हो जाती है। ऐसे में विशेषज्ञों का कहना है कि लार की जांच करके मनुष्य के कुल स्वास्थ्य के बारे में जानकारी हासिल की जा सकती है। विशेषज्ञों का कहना है कि खून की जांच की तुलना में इस विधि से व्यक्ति को जांच के दौरान किसी भी तरह का दर्द नहीं होता है। शोध परिक्षण में पाया गया कि सेक्रेटरी इम्युनोग्लोबिन ए एंटीबॉडी का स्तर मृत्यु के करीब पहुंचे लोगों में कम पाया जाता है। दरअसल, शरीर में मौजूद यह एंटीबॉडी संक्रमण से लड़ने का काम करती है और यह सफेद रक्त कोशिकाओं से स्त्रावित होते हैं। इनका कम होना ही मृत्यु का संकेत देता है।

ये दांत हैं 80,000 साल से ज्यादा पुराने

चीन के हुनान प्रांत की एक गुफा में वैज्ञानिकों ने 47 मानव दांत बरामद किए हैं। अपनी इस खोज से उन्होंने एक नया खुलासा किया है। गुफा से प्राप्त दांत इस बात का सबूत हैं कि शुरूआत में आधुनिक मानव पूर्वी एशिया में ही रहा करते थे। ये दांत गुफा से साल 2011 से 2013 के बीच बरामद किए गए थे। लेकिन इसकी जानकारी अभी हाल ही में विज्ञान जर्नल नेचर के ऑनलाइन संस्करण में दी गई। इस संस्करण के अनुसार दाओश्यान काउंटी की फुयान गुफा से दांत और जानवरों के कंकाल बरामद किए गए हैं। इस खोज से ये पता चलता है कि आधुनिक व्यक्ति 80000 से 120000 साल पहले यहां रहे थे। विज्ञान जर्नल नेचर के कार्यकारी संपादक निक कैम्पबेल ने कहा कि चीन से मिले मानवीय दांत ने उस क्षेत्र में हमारे लिए कुछ नए दरवाजे खोल दिए हैं जिनकी हमारे पास बहुत कम जानकारी थी।

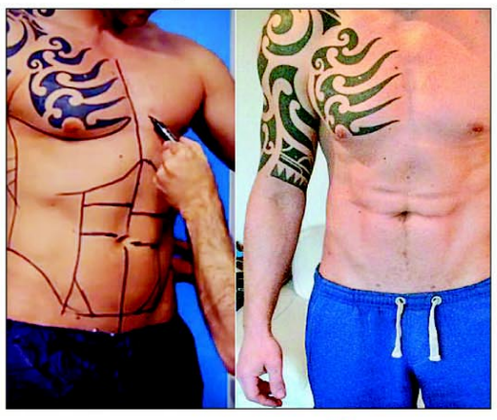

सिर्फ एक घंटे बनाए 6 पैक एब्स!

महज एक घंटे का समय और मिल गए 6 पैक एब्स। न कोई एक्सर्साइज, न कोई जादू। पर विज्ञान का चमत्कार यहां तक पहुंच गया है कि वो किसी भी मोटे तगड़े आदमी को कुछ ही घंटों के अंदर एकदम फिट और तंदरुस्त बना सके। ऐसे ही एक मामले में एक ब्रिटिश ने महज 1 घंटे में ही ऑपरेशन के माध्यम से एकदम फिट बॉडी पा ली। जिसके बाद से उसे देखकर आश्चर्य कर रहे हैं। युवक का नाम ली कॉपलैंड है। जिसने 3500 यूरो खर्च करके ये बॉडी पा ली है। उसके लिए इस ऑपरेशन ने उसका मौजूदा वक्त तो बदला ही भविष्य भी बदल चुका है। वो अब 6 पैक बॉडी वाले युवक हो चले हैं, जिससे हर कोई भिड़ना नहीं चाहेगे। पर कुछ समय पहले ही वो बेहद मोटे रहे ली कॉपलैंड ने कहा कि लोगों को इसके बारे में पता नहीं है। पर ये ठीक वैसा ही ऑपरेशन है, जैसे महिलाएं अपने स्तन या अपनी नाक का करवाती हैं। हालांकि इसे पाने में उन्हें पूरे 2 घंटे का समय लगा। क्योंकि इतना सबकुछ होने के बाद घावों को भरने में भी 2 माह का समय लगता है।

भारत सहित दुनियाभर में आत्महत्या के आंकड़े बढ़ते जा रहे हैं। आत्महत्या की दर दुनिया में सबसे अधिक दक्षिण कोरिया में है। यहां की कंपनियों में काम करने वाले कर्मचारी अक्सर खुद को दबाव में पाते हैं और अकसर आत्महत्या जैसा कदम उठा लेते हैं। ऐसे में लोगों को जिंदगी का महत्व समझाने के लिए कुछ कंपनियां काम कर रही हैं। यहां हम यह जानेंगे कि ये कंपनियां क्या कर रही हैं?

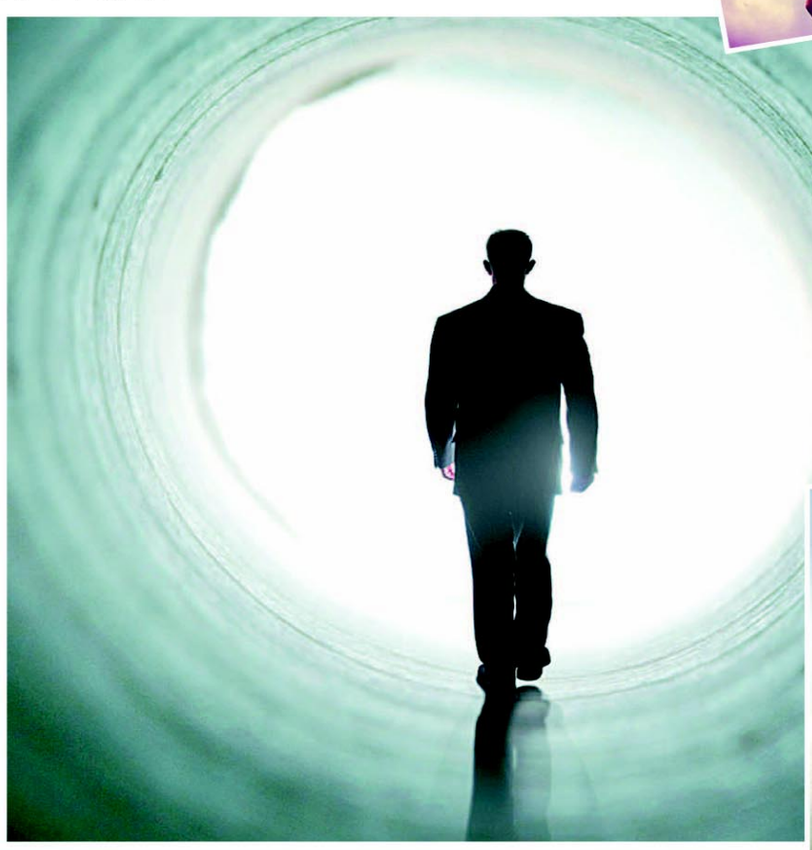

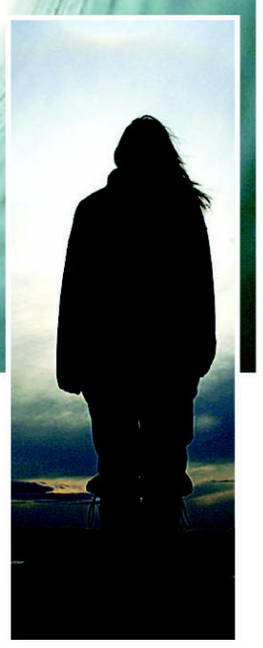

जिंदगी की कीमत समझाने की कोशिश...

एक समय की बात है लोहे की दुकान में अपने पिता के साथ काम कर रहे बालक ने पिता से पूछा कि इस जीवन का क्या कोई मतलब है? दुनिया में कोई अमीर है, कोई गरीब। किसी का सम्मान ज्यादा तो किसी का कम है। आखिर इंसान की कीमत क्या है? पिता कुछ देर शांत रहे फिर बोले, यह लोहे की छड़ देख रहे हो, इसकी कीमत तुम जानते ही हो कि यह लगभग 200 रुपए की है। यदि मैं इसके छोटे छोटे कील बना दूं तो इसी छड़ की कीमत लगभग 1 हजार रुपए हो जाएगी। अब तुम बताओ इसी तरह मैं यदि इस छड़ से बहुत सारे स्प्रिंग बना दूं तो। उस बच्चे ने गणना की और बोला, फिर तो इस की कीमत बहुत ज्यादा हो जाएगी। ठीक इसी तरह इंसान की कीमत इस बात से नहीं होती कि अभी वह क्या है, बल्कि इस बात से होती है कि वह अपने आप को क्या बना सकता है।

पिता ने समझाया, अक्सर हम अपनी सही कीमत आंकने में गलती कर देते हैं। हमारे जीवन में कई बार स्थितियां अच्छी नहीं होतीं, पर इससे हमारी कीमत कम नहीं होती। पिता की बातों से बालक समझ गया कि इंसान की कीमत क्या है। वास्तव में जीवन कभी एक सा नहीं रहता सुख और दुःख आता जाता रहता है। इंसान को कभी हिम्मत नही हारना चाहिए और अपने जीवन की कीमत को समझना चाहिए। लेकिन वास्तविकता है कि कई लोग इस बात को नहीं समझते और जीवन से हारकर आत्महत्या जैसा कदम तक उठा लेते हैं। भारत सहित दुनियाभर में आत्महत्या के आंकड़े बढ़ते जा रहे हैं।

आत्महत्या की दर दुनिया में सबसे अधिक दक्षिण कोरिया में है। यहां की कंपनियों में काम करने वाले कर्मचारी अक्सर खुद को दबाव में पाते हैं और अकसर आत्महत्या जैसा कदम उठा लेते हैं। ऐसे मेंलोगों को जिंदगी का महत्व समझाने के लिए कुछ कंपनियां काम कर रही हैं। यहां हम यह जानेंगे कि ये कंपनियां क्या कर रही हैं?

एक कंपनी का नजारा

दक्षिण कोरिया में जहां आत्महत्या के आंकड़े दुनियाभर में सबसे ज्यादा है, वहां कि कुछ कंपनियां लोगों को जीवन का महत्व समझाने के लिए काम कर रही हैं। एक नजारा सोल की एक कंपनी के परिसर यहां पेश कर रहे हैं। कंपनी परिसर के एक बड़े कमरे में कुछ कर्मचारी अपने अंतिम संस्कार की तैयारी में जुटे हैं। सफेद कपड़े पहने हुए ये कर्मचारी मेज पर बैठकर अपने प्रियजनों को अंतिम पत्र लिखते हैं। रुंधे गले से भारी सांसों की आवाज रोने में बदल जाती है। आंसुओं को टिश्यू पेपर से दबाया जा रहा है। और फिर...वे उठते हैं और बगल में रखे लकड़ी के ताबूतों में खड़े हो जाते हैं, थोड़ी देर रुककर वे उसमें लेट जाते हैं। वे सभी अपनी-अपनी एक तस्वीर को गले लगाते हैं जिस पर काला रिबन बंधा हुआ होता है। जैसे ही वे लेटते हैं काले कपड़े पहने और लंबा हैट लगाए एक आदमी ताबूतों का दरवाजा बंद कर देता है। वह मौत के फरिश्ते का प्रतीक है। अंधेरे में घिरे कर्मचारी जीवन के अर्थ को महसूस करते हैं। इस प्रक्रिया को मकराबे पद्धति कहते हैं, जो जीवन मूल्य सिखाने के लिए तैयार एक अभ्यास है।

मकराबे पद्धति

स्टीफन इवांस बीबीसी संवाददाता सोल बताते हैं कि लोगों के ताबूत में घुसने से पहले उन्हें एकदम विपरीत स्थिति में मौजूद लोगों के वीडियो दिखाए जाते हैं- एक कैंसर मरीज, जो अपने अंतिम दिनों को पूरी तरह जी लेना चाहती है और एक ऐसी महिला, जो बिना हाथों के पैदा हुई थी और जिसने तैरना सीखा। इसे इसलिए तैयार किया गया है कि ताकि लोग समझें कि उनकी समस्याएं जिंदगी का ही एक हिस्सा हैं। कंपनी में कर्मचारियों को अपने सोचने के पुराने तरीके को बदलने के लिए हमेशा कुछ नया करने के लिए प्रेरित किया जाता है, लेकिन कुछ बदलाव लाना आसान नहीं होता। एक ताबूत के अंदर बंद होना एक खौफनाक अनुभव होता है। इससे उनका दिमाग पूरी तरह पलट जाता है। जिंदगी को लेकर उनका नजरिया नया हो जाता है।

मकराबे का असर

मकराबे पद्धति का लोगों पर गहरा असर होता है। ताबूत से बाहर निकलने पर लोग कहते हैं कि ताबूत वाले अनुभव के बाद उन्हें लगता है कि उन्हें अपनी जिंदगी नए ढंग से जीनी चाहिए।उन्हें अहसास होता है कि उन्होंने बहुत सारी गलतियां की हैं। उनमें उम्मीद जागती है कि जो काम वे करते हैं, उसे वे अधिक जोश के साथ करेंगे और अपने परिवार के साथ अधिक समय बिताएंगे।

साइंटिफिक कोशिशें

आत्महत्या का फैसला कानून की नजर में अपराध, आम-आवाम की नजर में बेचारापन हो सकता है लेकिन यह सिर्फ इतना ही नहीं है। यह एक गंभीर 'साइकोलॉजिकल डिसऑर्डर' भी है। इसलिए इसकी रोकथाम व उपचार का प्रयास भी उतना ही 'साइंटिफिक' होना चाहिए जितना किसी अन्य गंभीर बीमारी का। काउंसलिंग के लिए आने वाले ज्यादातर मामलों के विश्लेषण से पता चलता है कि 'सुसाइडल टेंडेंसी' वाले व्यक्तियों की अपेक्षा उन लोगों में 'आत्महत्या' की आशंका अधिक होती है जिनमें इस प्रवृत्ति की आशंका सामान्यतया नजर नहीं आती। आत्महत्या की प्रवृत्ति वाले अपने लक्षणों-परिवर्तनों को मुखर होकर बता देते हैं, बाकी लोग नहीं बताते। अत: परिवार का भी यह दायित्व बनता है कि अपने हर मेंबर के मानसिक और भावनात्मक बदलाव को 'ऑब्जर्व' करें और आशंका दिखते ही फौरन वैकल्पिक मदद लेने से न चूकें।

ऑफिस में सामूहिक हंसी

कंपनी इस पर भी जोर देती है कि उनके कर्मचारी जब सुबह ऑफिस आएं तो वे कुछ और कार्यकलापों में शामिल हों। उन्हें साथ मिलकर शरीर को खींचने वाले कुछ व्यायाम करने होते हैं जो ऊंचे सामूहिक अट्टहास में खत्म होते हैं। कर्मचारी बहुत शोर मचाते हुए गधों की तरह हंसते हैं। एक महिला कहती है-शुरू में तो साथ हंसना बहुत ही अजीब लगता था। मैं सोचती थी कि इससे क्या फायदा होगा, लेकिन एक बार आप हंसना शुरू कर देते हैं तो आप अपने सहकर्मियों के चेहरे देखे बिना नहीं रुक सकते और फिर आप सब साथ हंसने लगते हो। इसका एक सकारात्मक असर पड़ता है। सामान्य तौर पर ऑफिस के माहौल में हंसना इतना कम होता है कि इस तरह की हंसी से मदद मिलती है।

ऑफिस में एक घंटा सोना

यकीनन दक्षिण कोरिया के कार्यस्थलों में कुछ हंसी की जरूरत तो है। उद्योग जगत में खुदकुशी की संख्या यहां सबसे ज्यादा है। यहां प्रेजेंटिज्म यानी बीमार होने के बावजूद ऑफिस आने की शिकायत लगातार की जाती है, मतलब बॉस के आने से पहले ऑफिस पहुंच जाना और उसके जाने तक मौजूद रहना। कोरियाई न्यूरोसाइकैट्रिक एसोसिएशन ने देखा कि जिन लोगों की उसने जांच की है उनमें से एक चौथाई में तनाव बहुत अधिक है। इस तनाव की मुख्य वजह काम की समस्या है। पिछले साल सोल सिटी गवर्नमेंट ने दोपहर के आराम का प्रावधान कर कार्य संस्कृति को बदलने की कोशिश की। इस दौरान कर्मचारियों को दिन में एक घंटे तक सोने की इजाजत थी। हालांकि इसमें शर्त यह थी कि उन्हें या तो एक घंटा पहले आना होगा या एक घंटे बाद जाना होगा।

क्या बताता है

आंख मिलाना

जो व्यक्ति बातचीत के क्रम में आंखों में आंख मिलाकर यानी आंख के सामने दृष्टि डालकर स्थिर स्वभाव से बोलता या बातचीत करता है वह प्रबल आत्मविश्वासी,दृढ़,धैर्य व स्थिर स्वभाव वाला होता है। ऐसा व्यक्ति साहसी,सत्यनिष्ठ, निष्कपट व दृढ़ चरित्र वाला होता है। इसी कारण वह आंख से आंख मिलाकर निडर होकर बातचीत करता है। प्राय: ऐसे व्यक्तियों की गणना उत्तम व्यक्तियों में होती है।

देखने का अंदाज...?

मनुष्य के शरीर का यूं तो प्रत्येक अंग ही उसके व्यक्तित्व की पहचान कराने वाला होता है

लेकिन इनमें आखों का भी एक अलग स्थान है। सच कहा जाय तो हमारे देखने का अंदाज भी हमारे बारे में बहुत कुछ कह देता है। विशेषकर स्वभाव,चरित्र और व्यक्तित्व की कसौटी हैं हमारी आंखें। हम किसी के बारे में यदि कुछ जानना चाहें तो बहुत कुछ सामने वाले की दृष्टि देखकर जान सकते हैं।

चेहरे पर निगाहें

जिस व्यक्ति की दृष्टि बातचीत करते वक्त सामने वाले व्यक्ति के मुख मंडल पर विचरण करती रहती है वह व्यक्ति सामने वाले की मन स्थिति को चेहरा पढ़कर समझने की कोशिश करता है। इस श्रेणी के व्यक्ति सज्जन,स्नेही,उदार,दयावान तथा विनम्र स्वभाव के निष्कपट होते हैं।

सिर पर निगाहें

जो व्यक्ति अपने सामने वाले व्यक्ति से बातचीत के क्रम में अपनी निगाहें उसके सिर पर करते हुए ऊपर देखते हैं। मनोवैज्ञानिक रूप से ऐसे व्यक्ति अपनी निगाहें नीची करके बातचीत करने में अपना अपमान समझते हैं इस प्रकार की दृष्टि वाले व्यक्ति अभिमानी,दम्भी,पाखंडी तथा मध्यम श्रेणी के होते हैं।

सीने पर निगाहें

जो व्यक्ति अपने सामने वाले व्यक्ति के वक्ष स्थल पर,सीने पर निगाहें केंद्रित करके बातचीत करते हैं ऐसे व्यक्ति संकोचशील व शर्मीले स्वभाव के होते हैं। ऐसे व्यक्ति कभी आंख से आंख मिलाकर बातचीत नहीं कर सकते। ये प्रायः अच्छे चरित्र व स्वभाव वाले होते हैं।

नीचे निगाहें

जो बातचीत करते समय अपनी दृष्टि नीचे की ओर रखते हैं वे पापात्मा,अपराधी,गुनाहगार,नीच चरित्र वाले होते हैं। अगर इनकी बातचीत करते समय दृष्टि पैर पर केंद्रित है तो समझना चाहिए कि वे अपनी गलती के लिए मन ही मन क्षमा मांग रहे हैं। जिनकी दृष्टि देखते समय या बातचीत के समय अपने सामने वाले व्यक्ति के कटिप्रदेश पर केंद्रित होती है। वे व्यक्ति कलुषित भावना, पाशविक,यौन जिज्ञासु तथा भ्रष्ट चरित्र वाले होते हैं जिनकी गणना अधम व्यक्तियों में की जाती है।

इधर उधर नजरें

जो लोग बात करते वक्त अपनी दृष्टि इधर उधर घुमाते हैं या अपनी नजर झुकाकर बातचीत करते हैं ऐसे व्यक्ति विश्वासघाती,भीरू,दुष्ट, छलकपट भरे हृदय वाले तथा निंदक होते है। बातचीत समाप्त होने के बाद आप जैसे ही जाने के लिए उद्यत होंगे तो ऐसा व्यक्ति फिर आपकी पीठ पर अपनी दृष्टि डालेगा ऐसे लोगों से सावधान रहना हितकर रहता है।

जमीन के अंदर जाने की कोशिश...

मानव इतिहास में स्थापत्य कला के बेहतरीन और दिलचस्प नमूने प्राचीन काल से मिलते रहे हैं। चाहे वो मिस्र के पिरामिड हों, या फिर वेटिकन सिटी में सेंट पीटर्स बेसलिका की इमारत या फिर आगरा का ताज महल हो। सबके सब खूबसूरती के प्रतीक हैं। इनकी मौजूदगी से हमें मालूम होता है कि लोगों ने किस तरह की चीजें तैयार की थीं।

लेकिन प्राचीन काल में लोगों ने हाथ के इस्तेमाल से जमीन के कितने नीचे तक खुदाई करने में कामयाबी हासिल की थी, इसके बारे में कम ही जानकारी है। सच यह है कि जमीन के अंदर या सुरंगों में रहने की कोशिश इंसान बहुत पहले से ही करता आया है। यह कोशिशें तब से जारी हैं जब इंसान के पास कोई मशीन नहीं थी।

ब्रिटेन में वूडिंगडीन वैल

ब्रिटेन के ब्राइटन के पास वूडिंगडीन वैल इंसानी हाथों के जरिए खोदी गई सबसे गहरी सुरंग है। यहां 390 मीटर यानी 1285 फीट की खुदाई हुई जो उतनी गहरी है जितनी ऊंची न्यूयॉर्क की एंपायर स्टेट इमारत है, लेकिन यह बड़े गड्ढे जैसी नहीं लगती। इस सुरंग के बनने की कहानी चार्ल्स डिकेंस के उपन्यास

साउथ अफ्रिका में बिग होल

1870 के शुरुआती सालों में दक्षिण अफ्रीका के किम्बरली में भी करीब 50 हजार मजदूरों ने हीरे की तलाश में 22 टन मिट्टी खोद दी। यह सिलसिला 1914 तक जारी रहा। अभियान बंद होने तक इन मजदूरों ने 240 मीटर यानी 790 फीट का गड्ढा खोद दिया था। इसे बिग होल के नाम से जाना जाता है। अब तक इसके बारे में माना जाता है कि यह हाथों के जरिये हुई सबसे गहरी खुदाई है।

का हिस्सा लग सकती है। एक इंडस्ट्रियल स्कूल में पानी मुहैया कराने के लिए इसकी शुरुआत हुई थी।

इसके लिए स्थानीय वर्कहाउस के लोगों को काम पर लगाया गया। वर्कहाउस के मजदूरों ने 24 घंटे काम कर, मोमबत्ती की रोशनी में चार फुट की चौड़ाई वाला गड्ढा खोदा और बाद में उनकी खुदाई जारी रही। इन लोगों ने अंत में पानी निकालने में कामयाबी हासिल की।

तुर्की का डेरिनक्यूयू शहर

बीबीसी फ्यूचर ने पृथ्वी के केंद्र की यात्रा पर बनी सिरीज के दौरान इन उपलब्धियों का जिक्र किया है, जिसके बाद कई लोगों ने सवाल पूछे कि हमारे पूर्वजों ने जमीन के अंदर सबसे अधिक, कितने मीटर तक की खुदाई करने में कामयाबी हासिल की थी। अगर खूबसूरती और स्थापत्य के लिहाज से देखें तो प्राचीन शहर डेरिनक्यूयू में हाथ की खुदाई वाली अद्भुत सुरंग मिली थी। तुर्की के इस शहर में इस सुरंग के लिए करीब 60 मीटर यानी 196 फीट की खुदाई हुई थी। डेरिनक्यूयू की इस भूलभूलैया भरी सुरंग में करीब 20 हजार लोग रहते थे। यहां उनके घर, शराब के ठेके और स्कूल भी मौजूद थे। दरअसल ये सुरंग पांच स्तरों पर बनी थी। यह क्षेत्र मुलायम और ज्वालामुखी की चट्टानों का था।

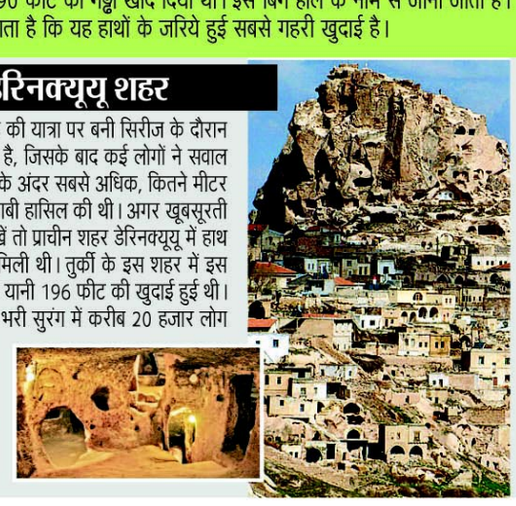

आज की तकनीक

आज तकनीक काफी संपन्न हो चुकी है। विस्फोटकों और विशाल उपकरणों और बिजली से चलने वाली ड्रिलों की मदद से सैकड़ों फीट गहरी सुरंग खोदना अब आम बात है। दक्षिण अफ्रीका के टाउटोना और मपोनेंग की खानों में पहाड़ों के अंदर चार किलोमीटर की खुदाई की गई है। लिफ्ट के जरिए सतह तक पहुंचने में एक घंटे का वक्त लगता है, जहां का तापमान 59 डिग्री सेल्सियस होता है। खान के अंदर तापमान को सही रखने के लिए विशाल फ्रीजिंग प्लांट भी लगाए गए हैं।

पृथ्वी के बाहर का अनुभव

दिलचस्प यह भी है कि उच्च तापमान, ऑक्सीजन की कमी वाली खानों की अंदर की परिस्थितियों से हमें पृथ्वी के वायुमंडल से बाहर के जीवन की संभावनाओं के बारे में संकेत मिलता है। क्योंकि बाहर की परिस्थितियां भी कुछ ऐसी ही हैं। गहरी खदानों की स्थितियों से हमें ब्रह्मांड के बारे में जानकारी जुटाने में मदद मिल सकती है, क्योंकि ब्रह्मांड के बाहर की स्थितियां भी इसी तरह विषम होती हैं।

बच्चे के मोटापे को न करें नजरअंदाज

मोटापा बच्चों की मांसपेशियों के साथ ही हड्डियों को भी कमजोर करता है। एक नए अध्ययन में यह बात सामने आई है। अमेरिका की जॉर्जिया यूनिवर्सिटी के शोधार्थी और इस अध्ययन के मुख्य लेखक बताते हैं कि हड्डियों का विकास कैसा हो रहा है, इसमें मांसपेशियां एक मजबूत निर्धारक होती हैं। शोधार्थी कहते हैं कि मोटे बच्चों में मांसपेशियों का विकास भी अधिक होता है इसलिए हमारी धारणा है कि इन बच्चों की हड्डियां लंबी, मजबूत और बड़ी होनी चाहिए। शोधकर्ताओं ने अध्ययन के दौरान देखा कि मांसपेशी कैसे बच्चों की हड्डियों की ज्यामिति और ताकत की विभिन्न विशेषताओं को प्रभावित करती है।

अध्ययनों के अनुसार

पहले हुए शोध अध्ययनों का आकलन करते हुए वैज्ञानिकों ने पाया कि बचपन से लेकर किशोरावस्था तक मांसपेशियों का हड्डियों के विकास में अहम योगदान होता है।

हालांकि मोटापे से ग्रस्त बच्चों में यह संबंध अलग पाया गया है। बच्चे के मोटापे को न करें नजरअंदाज, ये है खतरा अध्ययन के अनुसार, मोटापे से जुड़ा हुआ अतिरिक्त वसा मांसपेशियों में जमा हो जाता है और यही वसा बच्चों की हड्डियों की कम वृद्धि के लिए जिम्मेदार है। अध्ययन के अनुसार, बच्चों में मांसपेशियों के अंदर जमा अतिरिक्त वसा मांसपेशियों और हड्डियों के बीच के संबंध को कैसे प्रभावित कर रहा है।

शोध पर दें ध्यान

इसका अध्ययन अभी जारी है, लेकिन यह साफ हो गया है कि इनके बीच संबंध होता है। वैज्ञानिकों का कहना है कि ऐसे में इन स्थितियों से निपटने के लिए बच्चों को उचित आहार और शारीरिक गतिविधियों के माध्यम से एक स्वस्थ जीवन शैली की ओर प्रेरित करना चाहिए। यह शोध करंट ओपिनियन इन इंडोक्राइनोलॉजी डाइबिटीज एंड ओबेसिटी पत्रिका में प्रकाशित किया गया है।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**